पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
सोमवार 13 अक्टूबर 2025
कार्तिक कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 22
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

एनडीए में हुआ सीट बंटवारा

भाजपा 101, जदयू 101, चिराग को 29, मांझी और कुशवाहा को 6-6 सीटें

पटना।एजेंसी। बिहार चुनाव को लेकर एनडीए की घटक दलों में सीट का बंटवारा हो गया है। गठबंधन में भाजपा और जद (यू) दोनों 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। जबकि चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (आर) को 29 सीटें दी गई हैं। वहीं मांझी और कुशवाहा की पार्टी 6-6 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। हालांकि इस बार एनडीए में सीट शेयरिंग फॉर्मूला की घोषणा प्रेस कॉन्फ्रेंस करके नहीं दी गयी बल्कि एनडीए के नेताओं ने रविवार की शाम सोशल मीडिया के एक्स अकाउंट पर सीट शेयरिंग की जानकारी दी। बीजेपी के महाराष्ट्र प्रभारी विनोद तावड़े ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि संगठित व समर्पित एनडीए...आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए परिवार के सभी सदस्यों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी सहमति से सीटों का वितरण पूर्ण किया। बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने कहा, हम एनडीए साथियों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में सीटों का वितरण पूरा किया। एनडीए के सभी दलों के कार्यकर्ता और नेता इस का हर्ष से स्वागत करते हैं। 'बिहार' है, तैयार।

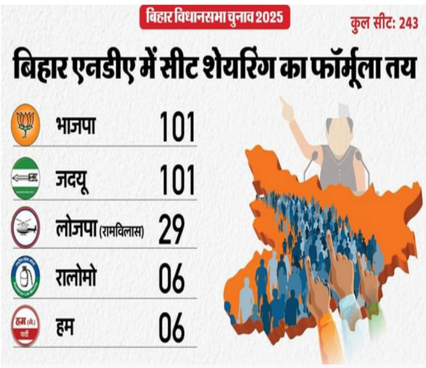

वहीं सीट बंटवारे के बाद, जेडीयू नेता संजय झा ने पोस्ट किया, हम एनडीए के सभी साथियों ने पूर्ण वातावरण में नामांकन का वितरण किया है। छात्र-छात्राओं के सभी आश्रमों के नेता और कार्यकर्ता मित्र इसका हर्ष के साथ स्वागत करते हैं और मुख्यमंत्री का स्वागत करते हैं। श्रीनीतीश कुमार जी को प्रचंड बहुमत के साथ फिर से मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प और एकजुट हैं। बिहार है तैयार, फिर से तैयार सरकार। इस बीच भाजपा द्वारा सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करके इस बात की पुष्टि की गई। वहीं कांग्रेस गठबंधन पर तंज कसते हुए पोस्ट किया गया-

एनडीए एकजुट-महाठगंधन में जारी है फूट

एनडीए गठबंधन के सभी दलों में सीटों का वितरण पूरा हुआ। भाजपा-101, जदयू-101, एलजेपी (आर)- 29, आरएलएम-6, हम- 6 सीटों पर साझा गठबंधन में चुनाव लड़ेंगे। इधर एनडीए के सभी दल चुनाव के लिए एकजुटता के साथ मैदान में हैं। वहीं दूसरी तरफ़ महाठगंबधन के दल एक दूसरे पर लट्ठ भांज रहे हैं। विपक्ष का गठबंधन अब लठबंधन का रूप ले चुका है। अब तो लोग ये भी पूछने लगे हैं कि नॉमिनेशन का तारीख़ आने तक इनके बीच बातचीत भी शुरू हो पाएगी कि नहीं ?

आपको बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव 6 और 11 नवंबर को होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

तालिबान विदेश मंत्री ने की एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस, महिला पत्रकारों को मिली एंट्री

नई दिल्ली।एजेंसी। भारत दौरे पर आए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री को लेकर विवाद होने के बाद उन्होंने बड़ा कदम उठाया है। तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जिसमें महिलाओं को आमंत्रित किया गया। तालिबान सरकार की तरफ से पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर भी सफाई दी गई और कहा गया था कि जान-बूझकर किसी महिला पत्रकार को प्रतिबंधित नहीं किया गया था।

तालिबान सरकार ने कहा कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में दूतावास के अधिकारी और कुछ गिने-चुने पत्रकार ही आमंत्रित किए गए थे। इससे पहले विपक्ष ने जब केंद्र सरकार को घेरा तो विदेश मंत्रालय ने भी सफाई पेश की थी और कहा था कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत शामिल ही नहीं था। अफगान विदेश मंत्री का आगरा दौरा भी रद्द हो गया है। मीडिया रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री रविवार को ताजमहल का दीदार करने आने वाले थे लेकिन किन्हीं कारणों से उनकी ये यात्रा रद्द हो गई। उन्होंने बताया कि तय कार्यक्रम के मुताबिक मुत्ताकी को रविवार को सुबह 11 बजे ताजमहल पहुंचना था और एक घंटे ताजमहल का दीदार करने के बाद उन्हें आगरा में लंच करने के बाद वापस दिल्ली आना था। मुत्तकी का आगरा में ताजमहल का दौरा क्यों रद्द हुआ, इसकी वजह पता नहीं चला सकी है। जिला प्रशासन के प्रोटोकॉल विभाग ने मुत्तकी के आगरा कार्यक्रम के रद्द होने की पुष्टि की है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्तकी शनिवार को सहारनपुर के देवबंद स्थित मदरसा दारुल उलूम पहुंचे थे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया था। उनसे मिलने वहां के छात्र लाइन लगाकर खड़े थे मुत्ताकी ने हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया था।

खास खबर

इंडिगो पर 40 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली।एजेंसी। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इंडिगो एयरलाइंस पर 40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पायलट ट्रेनिंग में अन-क्वालिफाइड फ्लाइट सिमुलेटर के इस्तेमाल करने की वजह से ये एक्शन लिया गया है। जांच में पाया गया कि करीब 1700 पायलटों की ट्रेनिंग कैटेगरी सी एयरपोर्ट्स जैसे कलिकट, लेह और काठमांडू हवाई अड्डों पर नियमों के अनुसार बताए गए सिमुलेटरों पर नहीं हुई। डीजीसीए ने 11 अगस्त 2025 को ट्रेनिंग डायरेक्टर को शो कॉज नोटिस जारी किया था। इंदिगो ने 22 अगस्त को इसका जवाब दिया लेकिन इसे संतोषजनक नहीं पाया गया, इसलिए पेनल्टी लगाई गई।

ड्राइवर को दौरा, बस ने 9 वाहनों को रौंदा

बेंगलुरु।एजेंसी। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया. बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन की एक बस अनियंत्रित होकर 9 वाहनों से टकरा गई. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा उस वक्त हुआ जब बस चालक को अचानक दौरा (फिट्स) पड़ा और उसने गलती से एक्सीलेरेटर दबा दिया. इससे बस बेकाबू होकर आगे बढ़ती गई और एक के बाद एक वाहन को टक्कर मार दी. इस घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें साफ दिख रहा है कि बस ड्राइवर को अचानक दौरे पडने़ लगे, और बस लगातार आगे बढ़ती चली गई।

आजम खान को वाय कैटेगरी वापस मिली

लखनऊ।एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और

पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान की सुरक्षा एक बार फिर बहाल कर दी गई है. उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें पहले की तरह ङ्क श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है. इसके तहत अब आजम खान के साथ फिर से कमांडो तैनात रहेंगे. आजम खान की सुरक्षा उस वक्त वापस ले ली गई थी जब वे विभिन्न मामलों में जेल भेजे गए थे. हालांकि, जेल से रिहा होने और राजनीतिक गतिविधियों में फिर से सक्रिय होने के बाद अब प्रशासन ने उनकी सुरक्षा पुन- बहाल कर दी है। वाय श्रेणी सुरक्षा के तहत आजम खान के साथ व्यक्तिगत सुरक्षा अधिकारी और कमांडो दल तैनात रहेंगे, जो हर समय उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे. बताया जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियों ने उनके खिलाफ दर्ज मामलों और संभावित खतरे के मद्देनजर यह कदम उठाया है।

बंगाल गैंगरेप केस में 3 गिरफ्तार, 2 फरार

कोलकाता।एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। 2 आरोपी अभी भी फरार हैं। सभी पास के गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास पीड़ित का मोबाइल था। इससे कॉल किया गया था। टावर लोकेशन से आरोपियों की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक, घटना कोलकाता से 170 किमी दूर दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज के ठीक सामने 10 अक्टूबर की रात 8 से 10 बजे के बीच हुई। पीड़ित अपने दोस्त के साथ डिनर के लिए निकली थी। कैंपस गेट पर 3 युवक खड़े थे।

पीड़ित के मुताबिक, युवकों ने उसका मोबाइल छीना, फिर बाल पकडक़र कैंपस गेट के सामने जंगल में घसीटकर ले गए। तीनों ने उसका रेप किया। इस दौरान उसका दोस्त वहां से भाग गया था। पुलिस ने बताया, पीड़ित ओडिशा की रहने वाली है और एमबीबीएस सेकेंड ईयर की स्टूडेंट है। डिप्टी मजिस्ट्रेट और दुर्गापुर एसडीओ रंजना रॉय ने पीड़ित से मुलाकात की। उन्होंने कहा- छात्रा का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। उसकी हालत स्थिर है। उसका परिवार साथ है। लडक़ी के दोस्त और उसके साथियों इसके शामिल होने के आरोप परिवार ने लगाए हैं। पीड़ित के दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

लालू, राबड़ी और तेजस्वी आज दिल्ली में कोर्ट में होंगे पेश, सीटों का बंटवारा टला

पटना,एजेंसी। बिहार में महागठबंधन के सीट बंटवारे की घोषणा सोमवार तक टल गई है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव रविवार को दिल्ली पहुंचे। सोमवार को तीनों को नौकरी के बदले जमीन मामले में अदालत में पेश होना है। दिल्ली में तेजस्वी, राहुल गांधी से मिल सकते हैं। कांग्रेस के साथ समझौते में आ रही अड़चनों को तेजस्वी कांग्रेस आलाकमान के हस्तक्षेप से दूर करवा सकते हैं। कांग्रेस से अगर दिल्ली में बात फाइनल हुई तो पटना में घोषणा सिर्फ औपचारिकता रह जाएगी। तेजस्वी सोमवार को ही पटना लौट आएंगे। इसलिए सीट बंटवारे का ऐलान सोमवार शाम

या मंगलवार तक हो सकता है।

बता दें महागठबंधन में पहले चरण की वैसी सीटें, जिन पर दो दलों का परस्पर दावा नहीं है और जिनके उम्मीदवार तय हैं, वहां अनौपचारिक रूप से उम्मीदवारों को सिंबल लेकर नामांकन की तैयारियां करने को कहा है। सूत्रों का कहना है कि राजद ने करीब चार दर्जन ऐसे उम्मीदवारों को पटना में जरूरी पेपर के साथ बुलाया है और सिंबल ले जाकर ऐलान का इंतजार करने को कहा है। सीपीएम ने भी अपने दोनों मौजूदा विधायकों को नामांकन की हरी झंडी दे दी है।

गठबंधन में मुकेश सहनी ने टूट के संकेत दिए हैं और अगर वह निकलते हैं तो बचे हुए दलों के लिए सीटों की व्यवस्था तेजस्वी और कांग्रेस आसानी से कर लेंगे। सूत्रों के मुताबिक सीपीआई और सीपीएम को छोड़ सभी दलों को 2020 के मुकाबले कम सीटों पर लड़ना है। मुकेश सहनी और कांग्रेस के साथ तेजस्वी की बातचीत नहीं टूटती है तो राजद को 138 सीटें लड़ना है जो 2020 के मुकाबले 6 कम है। कांग्रेस को भी 70 के बदले 57 सीटों से ही संतोष करना पड़ सकता है।

स्ट्राइक रेट के आधार पर ज्यादा सीट मांग रही सीपीआई-एमएल को भी 2020 के मुकाबले 18 सीट मिल सकती है। मुकेश सहनी को 16 सीट दी जा सकती है। सीएम या डिप्टी सीएम फेस घोषित करने पर महागठबंधन में सहमति नहीं है क्योंकि कांग्रेस ऐसा नहीं चाहती है।

दुर्गापुर में मेडिकल की छात्रा दुष्कर्म करने वाले 3 गिरफ्तार, पहचान उजागर नहीं

नई दिल्ली।एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल की छात्रा दुष्कर्म का शिकार हो गई। छात्रा का आरोप है कि वह अपने दोस्त के साथ बिना किसी को बताए खाने के लिए बाहर गई थी। तभी रास्ते में दो-तीन युवक आए और उसे रोककर दबोच लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों की पहचान उजागर नहीं की गई है। छात्रा दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज के पास ओडिशा की द्वितीय वर्ष की एमबीबीएस छात्रा है। जो अपने दोस्त के साथ चुपचाप खाने बाहर गई थी। इस दौरान कुछ युवकों ने उसे पकड़ लिया और सुनसान जगह पर ले जाकर एक युवक ने दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़ित छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं छात्रा का दोस्त पर पुलिस को शक है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छात्रा के सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस पहले ही पांच लोगों की पहचान कर चुकी है। आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस आयुक्त कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उनमें से तीन को गिरफ्तार कर किया है। बाकी दो अभी भी फरार हैं। उनकी तलाश जारी है। पुलिस ने एक्स पर एक बयान में आश्वासन दिया कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से घटना के बारे में असत्यापित जानकारी साझा करने से बचने का आग्रह किया। पुलिस ने कहा कि दुर्गापुर में ओडिशा की एक मेडिकल छात्रा पर हुए यौन उत्पीड़न से बेहद दुखी हैं और सभी को आश्वस्त करना चाहते हैं कि दोषियों को सजा नहीं मिलेगी।

मुंबई एयरपोर्ट पर 12.58 करोड़ का सोना पकड़ाया, कर्मचारियों समेत 13 गिरफ्तार

मुंबई।एजेंसी। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई एयरपोर्ट पर 12.58 करोड़ रुपए मूल्य का सोना जब्त किया है और इस संबंध में 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन गोल्डन स्वीप' के तहत डीआरआई की मुंबई जोनल इकाई ने सोने की तस्करी के गिरोह का पर्दाफाश किया है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि इस मामले में हवाई अड्डा कर्मचारियों समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में दो बांग्लादेशी और छह श्रीलंकाई नागरिक हैं। कुल 10.5 किलोग्राम सोना जब्त किया गया है, जिसकी कीमत करीब 12.58 करोड़ रुपए है। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई पहुंचने पर, संबंधित ट्रांजिट यात्री तस्करी का सोना अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान क्षेत्र में मौजूद एयरपोर्ट के कर्मचारियों को सौंप देते थे।

भारतीय न्याय संहिता के तहत देश में दूसरी बार फांसी की सज़ा, जिला कोर्ट ने 7 माह में सुनाया फैसला

खंडवा ।एजेंसी। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद, देश में फांसी की सज़ा सुनाए जाने का यह दूसरा मामला है। यह मामला खंडवा जिले की ग्राम छैगांव का है, जहाँ 23 वर्षीय चंपालाल उर्फ ??चैन मेहतर ने अपने 60 वर्षीय पड़ोसी रामनाथ को कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या कर दी थी। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अनिल चौधरी की कोर्ट ने अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे एडीपीओ विनोद पटले के तर्कों को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। पटले ने बताया कि इस जघन्य अपराध को अंधविश्वास और जादू-टोने के नाम पर अंजाम दिया गया, जिससे मृतक की पत्नी और समुदाय में भारी दहशत फैल गई थी। कोर्ट ने इस मामले को जघन्यतम अपराध की श्रेणी में रखते हुए, त्वरित मॉनिटरिंग और ट्रायल के कारण मात्र सात महीने में फैसला सुनाया। न्यायाधीश कुमार राय ने बताया कि आरोपी को भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 103(1) के तहत फांसी का दंड दिया गया है। यह मामला फास्ट ट्रैक मोड पर त्वरित न्याय का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है।

घुसपैठ पर कांग्रेस का शाह से बड़ा सवाल, पिछले 11 साल से क्या कर रहे थे?

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घुसपैठ संबंधी बयान पर कांग्रेस ने तीखा पलटवार किया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि अमित शाह आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए दुष्प्रचार की राजनीति कर रहे हैं।

दरअसल, अमित शाह ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को वोट बैंक के रूप में देखते हैं। और सवाल किया था कि गुजरात और राजस्थान की सीमाओं पर घुसपैठ क्यों नहीं होती? शाह ने यह भी दावा किया था कि भारत में मुस्लिम आबादी में 24.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि हिंदू आबादी में 4.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने इस असंतुलन का कारण पाकिस्तान और बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ को बताया था।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर गृह मंत्री पर तीखा हमला किया। उन्होंने लिखा, सहकारिता मंत्री ने 10 अक्टूबर को हिंदू-मुस्लिम विवाद को हवा देने और चुनावों से पहले मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने की कोशिश की। खेड़ा ने आरोप लगाया कि शाह ने मुसलमानों की बढ़ती आबादी का हवाला देकर यह संकेत दिया कि भारत में व्यापक मुस्लिम घुसपैठ हो रही है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, अगर मुस्लिम आबादी घुसपैठ के कारण बढ़ी है, जैसा कि गृह मंत्री दावा कर रहे हैं, तो वे पिछले 11 सालों से क्या कर रहे थे? खेड़ा ने कहा कि शाह को जल्द ही यह एहसास हो गया कि वह गृह मंत्री भी हैं, और इसलिए उन्होंने अपना बयान सोशल मीडिया से हटा लिया।

कुछ ना कहना

केरल फिर बना देश का रोल मॉडल

अत्यंत गरीबी खत्म करने वाला दक्षिण एशिया का पहला राज्य बना

तिरुवनंतपुरम।एजेंसी। सरकार और सामाजिक भागीदारी से केरल एक बार फिर देश के लिए रोल मॉडल बनने जा रहा है। इस राज्य ने अपने यहां से 'अत्यंत गरीबी' खत्म कर दी है। इसकी आधिकारिक घोषणा एक नवंबर को होगी। इसी के साथ केरल ऐसा करने वाला देश और दक्षिण एशिया का भी पहला राज्य होगा।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जिनकी आय 158.10 रु. प्रतिदिन से कम है, वो अत्यंत गरीब की कैटेगरी में आते हैं। केरल ने इस मानक से आगे भोजन, आय, स्वास्थ्य और आवास को आधार बनाया और इसे 'मानवीय गरिमा' नाम दिया। इसमें सामाजिक संगठनों की मदद अभूतपूर्व रही। केरल में 73 हजार माइक्रो प्लान बनाए, उन्हें उनकी जरूरत के अनुसार मदद की। इसकी सख्त मॉनिटरिंग की। हर पैसे और मदद का हिसाब लिया गया।

मानवीय गरिमा को गरीबी का आधार बनाया

केरल को अत्यंत गरीबी से बाहर निकालने की शुरुआत 2021 में हुई। राज्य सरकार ने 1300 सर्वेयर की टीम 14 जिलों में उतारीं। जिनके पास भोजन, स्वास्थ्य, आय और आवास नहीं थे, उन्हें चुनने का टास्क दिया गया। वार्डों/डिवीजनों से भागीदारी नामांकन, उप-समितियों द्वारा शॉर्ट लिस्टिंग, एक मोबाइल एप का इस्तेमाल करके साक्षात्कार और ग्राम सभाओं द्वारा अंत तक अंतिम सत्यापन किया गया। टीमों ने ग्राम सभाओं, फोकस ग्रुप डिस्कशन में ऐसे 1,03,099 लोगों को खोज निकाला। 81 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में रहते थे। 68 प्रतिशत अकेले जी रहे थे। 24 प्रतिशत को स्वास्थ्य समस्याएं, 21 प्रतिशत को भोजन और 15 प्रतिशत को घर की कमी थी। सख्त निगरानी के साथ सामाजिक ऑडिट शुरू हुआ। इसके बाद 73 हजार माइक्रो प्लान बनाए। शुरुआत कोट्टायम जिले के 978 माइक्रो प्लान से की। इससे 4394 परिवारों को आय का साधन, 29427 को दवाएं, 4829 को मेडिकल मदद, 424 को हेल्थकेयर उपकरण, 5354 के घर सुधरवाए, 3913 को घर दिए। 1338 को जमीन। 743 परिवारों को किराए के घरों में शिफ्ट किया।

व्हिसल ब्लोअर संजीव चतुर्वेदी के केस से 16 जजों ने पल्ला झाड़ा!

नई दिल्ली।एजेंसी। देश के शीर्ष न्यायालय, सुप्रीम कोर्ट में व्हिसल ब्लोअर अधिकारी संजीव चतुर्वेदी के मामले को लेकर एक अत्यंत असामान्य और चिंताजनक स्थिति उत्पन्न हो गई है। उनके लंबित मामले की सुनवाई के लिए अब तक लगभग 16 अलग-अलग न्यायाधीशों ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया है।

यह मामला दरअसल संजीव चतुर्वेदी के ख़िलाफ़ शुरू की गई उस विभागीय कार्रवाई से जुड़ा है, जिसे उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को उजागर करने के बाद शुरू किया गया बताया है। न्यायाधीशों द्वारा बार-बार सुनवाई से हटने की इस असाधारण घटना ने न्यायिक हलकों और नागरिक समाज में गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल उठ रहा है कि आख़िर इस मामले में ऐसी कौन सी संवेदनशीलता या प्रभाव है कि कोई भी पीठ इसकी सुनवाई को आगे बढ़ाने के लिए तैयार नहीं हो रही है।

इस रिक्यूस (के सिलसिले के कारण यह महत्वपूर्ण मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबे समय से लंबित पड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह न्याय मिलने में हो रही भारी देरी, न केवल व्हिसल ब्लोअर के अधिकारों के लिए, बल्कि भारत की न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और क्षमता के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। यह स्थिति न्याय की प्रतीक्षा कर रहे चतुर्वेदी और अन्य व्हिसल ब्लोअर के मनोबल को तोड़ने वाली है।

पीएम आवास योजना में 133 हितग्राहियों पर होगी एफआईआर और कुर्की की कार्यवाही

राशि प्राप्त होने पर भी मकान नहीं बनाने वालों पर सख्त हुआ प्रशासन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
नगर पालिका क्षेत्र में पीएम आवास अंतर्गत वर्ष 2017 में हितग्राहियों को मकान बनाने नगरपालिका ने राशि जारी किया था , जिसमे लगभग 133 हितग्राहियों द्वारा राशि लेकर मकान नहीं बनाया गया हैं राशि का अपने अन्य कार्यों में इस्तेमाल कर लिया गया। जिस पर अब नगर पालिका द्वारा हितग्राहियों से राशि वसूली की जा रही है । जिसमें नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा 7 दिनों का समय हितग्राहियों को राशि लौटाने के लिए दिया गया है नहीं तो हितग्राहियों पर राशि वसूल किए जाने को लेकर एफआईआर और संपत्ति की कुर्की किए जाने की बात कही जा रही है । जबकि एक हितग्राही को शासन के नियम अनुसार 2.5 लाख रुपए की राशि मकान बनाने के लिए दी जाती है जिसमें पहली किस्त 25000 से शुरू होती है । जिसमें हितग्राहियों ने राशि तो ले लिया है। लेकिन धरातल पर अभी तक कोई मकान नहीं बनाया है और कुछ हितग्राही तो ऐसे हैं जिन्होंने थोड़ा काम कर शासन से आने वाली राशि का अन्य उपयोग कर लिया है, किंतु अब नगर पालिका भी राशि वसूली के लिए सख्त हो चुकी है । जिसमे 133 हितग्राहियों पर करोड़ों रुपयों की राशि बकाया हैं ।

2017 में शासन की मंशानुरूप नगरपालिका बालाघाट से पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को, आवास निर्माण के लिए राशि प्रदान की गई थी, लेकिन इनमें 133 हितग्राही ने पीएम आवास योजना की राशि से आवास का निर्माण ना करके, उसका अन्य उपयोग कर लिया। जिसकी पूरी जांच के बाद नगर पालिका ने पीएम आवास योजना के बकायादार हितग्राहियों की सूची जारी की है। नगरपालिका ने जानकारी में बताया कि इन हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए राशि आवंटित की गई थी लेकिन उनके द्वारा इस राशि का उपयोग आवास निर्माण में न कर अन्य कार्यों में किया गया है। शासन के निर्देशानुसार ऐसे हितग्राहियों के नाम सरेंडर कर दिये गए है तथा इन हितग्राहियों को दी गई राशि की वसूली की जाना है। नगरपालिका अब, इन 133 हितग्राहियों से एक करोड़ 14 लाख 10 हजार रूपए की राशि वसुलेगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया ने सभी 133 हितग्राहियों से 07 दिनों के भीतर उन्हें आवंटित की गई राशि नगर पालिका बालाघाट में जमा करा देने को कहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि जो भी यदि राशि जमा नहीं करेगा, उनके विरूद्ध थाना कोतवाली में एफआईआर दर्ज कर निकाय से दी गई राशि ब्याज सहित वसूलने के लिए कुर्की और नीलामी की कार्यवाही की जाएगी।

जिसके लिए हितग्राही स्वयं जिम्मेदार होंगे। नगरपालिका ने जिन 133 हितग्राहियों की सूची जारी की है, उनमें हितग्राहियों को 25 हजार रुपए से लेकर 02 लाख 50 हजार रुपए तक की राशि दी जा चुकी है। अब नगरपालिका राशि जमा नही करने वाले, इन हितग्राहियों की चल अचल संपत्ति की कुर्की और नीलामी कर बकाया राशि वसूल करेगी। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राहियों को किश्तो में राशि दी जाती है। जिसमें निर्माण के अनुसार जियो टेग से राशि हितग्राहियों के खाते में जाती है। नगरपालिका ने जिन हितग्राहियों की सूची जारी की है, उसमें पांच हितग्राहियों को 12 लाख 50 हजार रूपए दिए गए है, अर्थात, इन्हें पीएम आवास योजना की पूरी राशि मिल गई है। जिससे, पीएम आवास योजना में जियो टेग करने वालों पर भी सवाल खड़े होते है कि आखिर, उन्होंने किस आधार पर जियो टेग किया और कैसे हितग्राहियों के खाते में पीएम आवास की पूरी ढाई लाख रूपए की राशि चली गई। जबकि सूची में 72 हितग्राहियों को एक-एक लाख और 39 को 60-60 हजार रूपए राशि प्रदान की गई है।

बिना मकान बनाएं कैसे हुई राशि जारी

जिस प्रकार से 133 हितग्राहियों को नगर पालिका द्वारा करोड़ों रुपए की राशि जारी की गई है। जिसमें बड़ा सवाल यह है कि जब धरातल पर मकान नहीं बनता और उसका नगर पालिका के अधिकारी ,कर्मचारियों द्वारा जियोटेक नहीं किया जाता, तब तक राशि नहीं डाली जाती , जिसमें बहुत से हितग्राही ऐसे हैं जिनका धरातल पर मकान ही नहीं है और नगर पालिका द्वारा राशि डाल दी गई है जिसमें कहीं ना कहीं नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारियों की मिलीभगत के चलते लाखों रुपए की राशि नगर पालिका के द्वारा हितग्राहियों के खाते में डाली गई है। जिसमें क्या नगर पालिका हितग्राहियों के साथ-साथ राशि डालने वाले कर्मचारियों पर भी कार्रवाई करेगी। यह तो अब आने वाला वक्त ही बतायेंगा ।

क्या हितग्राहियों के साथ नपा. कर्मी भी भरेंगे पैसे

कुछ हितग्राहियों ने अनौपचारिक चर्चा में यह भी बताया कि जब आवास योजना की किस्त हितग्राहियों के खाते में डाली जाती है। उस समय नपा. के राशि जारी करने वाले कर्मचारी, हितग्राहियों से कुछ राशि लेकर उनके खातों में राशि डालते हैं। अब बहुत से हितग्राहियों ने मकान नहीं बनाया है तो उनसे पूरी राशि वापस ली जा रही है, किंतु हितग्राहियों का कहना है कि कुछ नपा. कर्मचारियों द्वारा भी किस्त डाले जाने को लेकर राशि ली गई है । अब नगर पालिका पूरी राशि वापस मांग रही है तो जो हितग्राहियों द्वारा राशि डालते समय नपा. कर्मियों द्वारा 5 से 10 हजार रुपए लिये गए हैं ,उस राशि को कौन देगा। क्योंकि हितग्राहियों का मानना है कि उन्होंने जितनी राशि लिया है , वह उस राशि को वापस कर देंगे । किंतु जो नपा. कर्मियों द्वारा राशि जारी करते समय जो पैसा लिया गया है, हितग्राही चाहते हैं, कि नपा कर्मी भी जो किस्त डालते समय राशि लिए हैं ,उस राशि को वापस करें। नहीं तो वह उन कर्मचारियों की नामजद शिकायत करेंगे ।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बालाघाट, भरवेली, भानेगांव एवं लांजी में की छापामार कार्यवाही

खाद्य सामग्री के 32 नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गये, 05 प्रतिष्ठानों को स्वच्छता के लिए दिया गया नोटिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
आमजन को मिलावट रहित, स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की आकस्मिक जांच कर खाद्य सामग्री के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने 10 एवं 11 अक्टूबर को बालाघाट, भरवेली, भानेगांव एवं लांजी में छापामार कार्यवाही कर विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य सामग्री के 32 नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भोपाल भेजे हैं। इसके साथ ही 05 प्रतिष्ठानों के संचालकों को साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाये रखने के लिए नोटिस जारी किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री योगेश डोंगरे, वाजिद मोहिब एवं श्रीमती गीता टांडेकर की टीम ने 10 एवं 11 अक्टूबर को भरवेली स्थित महाजन होटल का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान महाजन होटल से दूध, पेड़ा, मावा, मगज के लड्डू का नमूना लिया गया । होटल में स्वच्छता का अभाव पाये जाने पर होटल में साफ सफाई एवं स्वच्छता बनाये रखने के लिए नोटिस दिया गया ।इसी प्रकार महाराजा होटल भरवेली से मगज के लड्डू, कलाकंद एवं पेड़ा के नमूने लेकर जांच के लिए भोपाल भेजे गए। महाराजा होटल भरवेली के संचालक को भी स्वच्छता संबंधी नोटिस जारी किया गया । बालाघाट के आनंद भंडार मिष्ठान की शिकायत प्राप्त होने पर वहां से पनीर, चॉकलेट, बर्फी एवं पेड़ा के नमूने जांच एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने भानेगांव स्थित अंबिका ट्रेडर्स से ड्राई फरूट बादाम, आयोडाइज्ड नमक, गुलाब जामुन मिक्स के नमूने जांच एकत्र किये हैं और लांजी स्थित जयकारा होटल को स्वच्छता के लिए नोटिस जारी किया गया है तथा यहां से चॉकलेट, बर्फी, पेड़ा, मलाई पेड़ा के नमूने एकत्र किये गये । लांजी बस स्टैंड स्थित कृष्णा बीकानेर होटल की जांच के दौरान मिल्क केक, मैसूर पाक एवं चमचम के नमूने जांच के लिए एकत्र किये गये। नैवेद्यम स्वीट्स की जांच के बाद उसके संचालक को स्वच्छता के लिए सूचना नोटिस दिया गया है और वहां से गुलाब जामुन, खोवा, पेड़ा तथा नमकीन के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए एकत्र किये गए हैं । बस स्टैंड लांजी स्थित शिवराज होटल से कुकिंग ऑयल, मैसूर पाक के नमूने जांच के लिए एकत्र किये गए । लक्ष्मी बीकानेर होटल लांजी की जांच की गई तथा शीतल उपहार ग्रह से काजू कतली, मिल्क केक, खोवा बर्फी के नमूने लिए गए एवं उन्हें भी सुधार सूचना नोटिस दिया गया । शर्मा स्वीट्स लांजी से पनीर एवं कलाकंद के नमूने जांच के लिए एकत्र कर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए हैं । इस प्रकार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने 10 एवं 11 अक्टूबर को बालाघाट, भरवेली, भानेगांव एवं लांजी के विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य सामग्री के कुल 32 नमूने एकत्र कर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे हैं। पांच प्रतिष्ठानों को साफ-सफाई, स्वच्छता एवं सुधार के लिए सूचना नोटिस जारी किए गए हैं । प्रयोगशाला जांच में खाद्य सामग्री के नमूनों में मिलावट पाये जाने एवं अमानक पाये जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के संचालक के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर दंडात्मक कार्यवाही के लिए न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया जायेगा।

साले ने की जीजा की लकड़ी से पिटाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भूतना के मकसूदन टोला में एक व्यक्ति को उसके साले ने लकड़ी से मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट में घायल व्यक्ति दशरथ पिता अर्जुन यादव 32 वर्ष का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया औरबिरसा पुलिस ने इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर रामलाल पिता सुखलाल मरकाम के विरुद्ध मारपीट करने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भूतना के मकसूदन टोला निवासी दशरथ यादव मजदूरी करता है। 11 अक्टूबर की शाम 6:00 बजे दशरथ यादव भैंस चरा कर घर आया और भैंसों को घर के सामने रोड किनारे बांधकर अपने चाचा प्रीतमलाल यादव दहियान तरफ घूमने के लिए चला गया था। शाम 7:30 बजे दशरथ यादव अपने चाचा की दहियान तरफ से घर आया। तभी उसकी पत्नी बोलने लगी कि तुम कहा गए थे बोलकर, जोर-जोर से चिल्लाने लगी। उसने में दशरथ यादव का साला रामलाल मरकाम आया और अश्लील घटिया गालियां देते हुए बोलने लगा कि तूने मेरी बहन को मारपीट किया है। यह कहते ही रामलाल यादव ने रुहान की लकड़ी उठाकर अपने जीजा दशरथ यादव को मारपीट कर दिया। मारपीट करने से दशरथ यादव घायल हो गया। इस घटना को दशरथ की पत्नी बुधयारिन बाई एवं अंजू लाल यादव ने देखें और बीच बचाव किये मारपीट में घायल दशरथ यादव रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचा। बिरसा पुलिस ने दशरथ यादव का वहीं के अस्पताल में इलाज और मुलाहिजा करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके साले रामलाल पिता सुखलाल मरकाम के विरुद्ध मारपीट करने के आरोप में धारा 296 115(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार प्रकाशचंद बाघरेचा पिता कानमल बाघरेचा निवासी वार्ड न. 09 बालाघाट तहसील व जिलान बालाघाट के पक्ष में प्रताप केलकर पिता रामचंद राव केलकर निवासी वार्ड न. 16 मेनरोड बालाघाट के द्वारा अपने कब्जे मालकी एंव स्वामित्व की सम्पति मौजा बालाघाट नजूल पटवारी हल्का न. 13/1 राजस्व निरीक्षक मण्डल बालाघाट में स्थित नजूल सीट कंमांक 25ए प्लाट न. 22/9 में से 16.84 वर्गमीटर एंव नजूल सीट क्रमांक 25ए प्लाट न. 22/6 रकबा 41 वर्गमीटर में स्थित सम्पति विक्रय करने की संविदा दिनांक 29.05.2024 को की है तथा अभी तक उक्त सम्पूर्ण राशि बैंक के माध्यम से प्राप्त भी कर चुका है। तथा नजूल सीट क्रमांक 25ए प्लाट न. 22/6 रकबा 41 वर्गमीटर का नवीनीकरण हो जाने के पश्चात मेरे पक्षकार के हक में अनुबंध अनुसार रजिस्ट्री करने कई बार निवेदन किया गया किंतु अनुबंधकर्ता प्रताप केलकर आश्वासन देता जा रहा है किंतु रजिस्ट्री निष्पादित नहीं की है जबकि अधिपत्य भी सौप दिया है इस कारण से मेरे पक्षकार द्वारा उपपंजीयक कार्यालय बालाघाट में एंव सम्बिंधित विभाग में शिकायत / आपत्ति भी प्रस्तुत की है।

अत: सर्वसाधन को सूचित किया जाता है कि इस सम्बंध में यदि किसी भी अन्य व्यक्ति ने अनुबंध शुदा सम्पति की रजिस्ट्री करवायी तो मेरे पक्षकार को बंधनकारी नहीं होगी।

बालाघाट
दिनांक-12.10.2025

प्रेषक
सन्तोष शुक्ला अधिवक्ता
निवासी वार्ड न. 29 हनुमान
चौक बालाघाट तह. व जिला बालाघाट
मो.न. 9425892727

25 केन्द्रों पर आयोजित की गई राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट परीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
12 अक्टूबर को राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट परीक्षा-2025 जिले के 10 विकासखंड के 25 केन्द्रों पर आयोजित की गई। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि इस परीक्षा में 25 केन्द्रों पर 7262 परीक्षार्थी शामिल हुए। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए 7720 विद्यार्थियों ने फ़ार्म भरा था। 458 विद्यार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा शताब्दी वर्ष के विजयादशमी उत्सव के अवसर पर लामता में किया गया संगोष्ठी

पद्मेश न्यूज। लामता।
भारत देश भर मे राष्ट्रीय स्वयंसेवकों संघ द्वारा अपने अपने शाखाओ में विविध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है उसी तारतम्य लामता शाखा के द्वारा सरस्वती माध्यमिक शिशु मंदिर के प्रांगण में स्वयं सेवकों द्वारा

कार्यक्रम आयोजित किया गया, लामता शाखा के स्वयंसेवकों एवं आगंतुक स्वयंसेवकों द्वारा लामता नगर का पथ भ्रमण किया गया, तत्पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा आमंत्रित अतिथियों से शस्त्र पूजन कराया गया. ।संघ के स्वयं सेवको ने समाज सेवा अभियान संस्कार शिविर और राष्ट्र भक्ति कार्यक्रमो की शुरुवात की, इस अवसर पर संघ द्वारा विशेष संगोष्ठिया आयोजित की गई जिसके तहत आज दिनांक को लामता के सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में आयोजित किया गया, जिनमे संघ के वरिष्ठजनों द्वारा अपने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवकों का इतिहास, उद्देश और राष्ट्र निर्माण मे स्वयं सेवकों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया, स्वयं सेवको ने एकता अनुशासन,और सेवा की भाव जन जन तक पहुचाने का संकल्प लिया,वक्ताओ ने बताया की संघ का लक्ष्य राष्ट्र को सशक्त और आत्म निर्भर बनाना है आने वाले एक वर्ष तक शताब्दी समारोह के तहत विभिन्न सामाजिक शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम किये ताकि संघ के आदर्श जन जन तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाडली बहनों के खातों में राशि की अंतरित

बालाघाट जिले की 03 लाख 47 हजार 746 लाडली बहनों के खाते में पहुंची 41.96 करोड़ रुपये की राशि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 12 अक्टूबर को श्योपुर में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और गैस सिलेंडर उज्जवला योजना की 01 करोड़ 26 लाख 86 हजार हितग्राही बहनों के खातों में अक्टूबर माह की 1541 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई। लाड़ली बहना योजना की 29 वीं किश्त वितरण के इस कार्यक्रम का बालाघाट जिले के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में प्रसारण दिखाया गया। जिला स्तर पर कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया, बाल विकास परियोजना अधिकारी शैलेन्द्र चौकसे एवं हितग्राही महिलाओ की उपस्थिति में कार्यक्रम का लाईव प्रसारण देखा गया। लाडली बहना योजना के अंतर्गत बालाघाट जिले की 03 लाख 47 हजार 746 लाडली बहनों के खाते में माह अक ?टूबर की राशि के रूप में 41 करोड़ 96 लाख 12 हजार 750 रुपये की राशि जमा की गई। प्रत्येक लाडली बहन के खाते में 1250 रुपये की राशि अंतरित की गई है। लाडली बहना योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में विकासखंड बैहर की 19 हजार 594 बहनों के खाते में 02 करोड़ 36 लाख 13 हजार 200 रुपये, विकासखंड बालाघाट की 37 हजार 701 बहनों के खाते में 04 करोड़ 53 लाख 28 हजार 900 रुपये, विकासखंड बिरसा की 27 हजार 211 बहनों के खाते में 03 करोड़ 30 लाख 50 हजार रुपये, विकासखंड कटंगी की 34 हजार 977 बहनों के खाते में 04 करोड़ 21 लाख 71 हजार 650 रुपये, विकासखंड खैरलांजी की 31 हजार 626 बहनों के खाते में 03 करोड़ 83 लाख 01 हजार 100 रुपये, विकासखंड किरनापुर की 38 हजार 676 बहनों के खाते में 04 करोड़ 70 लाख 40 हजार 750 रुपये, विकासखंड लालबर्रा की 37 हजार 605 बहनों के खाते में 04 करोड़ 53 लाख 37 हजार 900 रुपये, विकासखंड लांजी की 38 हजार 622 बहनों के खाते में 04 करोड़ 69 लाख 20 हजार 650 रुपये, विकासखंड परसवाड़ा की 22 हजार 365 बहनों के खाते में 02 करोड़ 68 लाख 18 हजार 550 रुपये एवं विकासखंड वारासिवनी की 33 हजार 214 बहनों के खाते में 04 करोड़ 13 हजार 650 रुपये की राशि जमा हुई। इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका बालाघाट की 8930 बहनों के खाते में 01 करोड़ 06 लाख 15 हजार 950 रुपये, नगर पालिका मलाजखंड की 5864 बहनों के खाते में 69 लाख 47 हजार 400 रुपये, नगर पालिका वारासिवनी की 3802 बहनों के खाते में 45 लाख 07 हजार 700 रुपये, नगर परिषद बैहर की 2684 बहनों के खाते में 31 लाख 27 हजार 150 रुपये, नगर परिषद कटंगी की 2455 बहनों के खाते में 29 लाख 45 हजार 900 रुपये तथा नगर परिषद लांजी की 2420 बहनों के खाते में 28 लाख 72 हजार 300 रुपये की राशि जमा हुई है।

समन्वय की कमी के कारण महिला पत्रकारों को आमंत्रित नहीं किया

नई दिल्ली एजेंसी। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी का हालिया भारत दौरा विवादों में घिर गया है। दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को शामिल न करने को लेकर विपक्षी नेताओं और पत्रकारों ने केंद्र सरकार की आलोचना की है। इस घटना ने जेंडर समानता को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा कि यह प्रेस कॉन्फ्रेंस अफगान दूतावास में आयोजित की गई थी, जहां तालिबान शासन के नियम लागू होते हैं। मंत्रालय ने साफ कहा कि इस आयोजन में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। विवाद बढ़ने के बाद तालिबान का पक्ष भी सामने आया। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि तालिबान अधिकारियों ने स्वीकार किया कि समन्वय की कमी के कारण महिला पत्रकारों को प्रेस कॉन्फ्रेंस में आमंत्रित नहीं किया गया। तालिबान के एक अधिकारी ने कहा कि अगली बार यदि दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस होती है, तो महिला पत्रकारों को जरूर बुलाया जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को अनुमति देकर पीएम मोदी भारत की हर महिला को यह संदेश दे रहे हैं कि वह उनके लिए खड़े होने में असमर्थ हैं। एक एडिटर्स ने भी इस घटना पर चिंता जताते हुए सरकार से अपील की है कि भविष्य में ऐसे आयोजनों में जेंडर समानता का ध्यान रखा जाए। संगठन ने इसे प्रेस की स्वतंत्रता और समानता के सिद्धांतों के खिलाफ बताया। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने उन पुरुष पत्रकारों पर भी सवाल उठाए हैं जो इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। यूजर्स का कहना है कि यदि दूतावास में तालिबान के नियम लागू थे तो पुरुष पत्रकारों को इस आयोजन का बहिष्कार करना चाहिए था।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

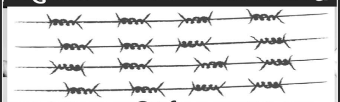

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

भारी यातायात के दबाव से अवंती बाई चौक से बैहर चौकी रोड ने दम तोड़ा

सड़क की गुणवत्ता पर सवाल, जगह-जगह उभर आए गड्ढे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

इन दिनों रानी अवंती बाई चौक से लेकर बैहर रेलवे क्रॉसिंग के आगे तक बैहर रोड की स्थिति खस्ताहाल होते जा रही है। जबकि बताया जा रहा है कि यह मार्ग अभी कुछ महीनों पहले ही बना था और इसे अभी बने हुए महज कुछ महीने ही पूरे हुए हैं, कि यह मार्ग अब धीरे-धीरे गड्ढों में तब्दील होना शुरू हो गया है। स्थानीय निवासियों की माने तो उनका कहना है कि जल्द ही संबंधित विभाग द्वारा मार्ग पर ध्यान देकर मार्ग का मरम्मतीकरण किया जाना चाहिए। नगर पालिका के विधायक प्रतिनिधि और पूर्व पार्षद शफकत खान द्वारा बताया गया की रोड बनाते समय संबंधित विभाग द्वारा रोड को गुणवत्ता युक्त नहीं बनाया गया था। जिसका विरोध वार्ड की जनता द्वारा किया गया था, किंतु विभाग ने कोई संज्ञान नहीं लिया, जिस कारण आज रोड़ धीरे-धीरे गड्ढों में तब्दील होता जा रहा है और दिन भर यहां धूल के गुब्बारे उड़ते रहते हैं, जिससे वार्ड वासी बहुत अधिक परेशान हो रहे हैं, उन्होंने पुनः संबंधित विभाग को संज्ञान लेने की बात कही है।

वैसे तो शहर की सड़के इन दिनों बहुत अधिक खस्ताहाल होते जा रही है। यातायात के दबाव से शहर के प्रमुख मार्ग धीरे-धीरे उखड़ने लगे हैं तो वहीं शहर के प्रमुख मार्ग बैहर रोड कि यदि बात करें, तो इन दिनों शहर के अवंती बाई चौक से लेकर संविधान चौक तक बैहर मार्ग धीरे-धीरे गड्ढों में तब्दील होना शुरू हो गया है। यहां के स्थानीय निवासी बताते हैं कि यह मार्ग को बने हुए अभी महज कुछ महीने ही हुए हैं, उसके बावजूद यह मार्ग यातायात के दबाव से कहे या फिर मार्ग के बनाते समय गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखे जाने के कारण कुछ ही महीनों में यह मार्ग खस्ताहाल होते-होते अब गड्ढों में तब्दील होना शुरू हो गया है। जबकि देखा जाए तो सरेखा ओवरब्रिज के निर्माण से पहले अधिकतर यातायात का दबाव इसी मार्ग पर हुआ करता था और यहां से गोंदिया रोड से लेकर बैहर की ओर जाने वाले सभी वाहन इसी मार्ग से होकर गुजरते थे, जिस कारण यातायात का दबाव इस ही मार्ग पर अधिक था। इस मार्ग से आवागमन भी बहुत अधिक होता है और आज रोड इतना अधिक खस्ताहाल हो गया है कि यहां से आवागमन करने में वाहन चालकों को बहुत अधिक परेशानी हो रही है। दिन के समय धूल के गुब्बारे हवा के साथ उड़ते रहते हैं, यहां के स्थानीय लोग का कहना है कि मार्ग जब से खस्ताहाल हुआ है तब से हवा के साथ धूल के गुब्बारे उनके घरों में आ रहे हैं। विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। जबकि मार्ग के निर्माण के समय वार्ड वासियों ने मार्ग को गुणवत्ता युक्त बनाए जाने की मांग करी थी किंतु संबंधित विभाग के अधिकारियों ने उनकी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया और आज कुछ ही महीने में मार्ग धीरे-धीरे गड्ढों में तब्दील होना शुरू हो गया है जबकि मार्ग को जल्द ही मरम्मत नहीं कराया गया तो यहां से आवागमन करने में काफी अधिक परेशानी होगी वार्ड वासियों ने मांग करी है कि मार्क को जल्द से जल्द मरम्मत किया जाए।

मार्ग बनते समय स्थानीय निवासियों ने किया था विरोध

जब यह मार्ग बनाया जा रहा था उसे समय बैहर चौकी के स्थानीय निवासियों को लग रहा था कि जो रोड बनाई जा रही है उसमें गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है, उस समय स्थानीय निवासियों के द्वारा रोड को लेकर अपना विरोध भी जताया गया था, किंतु प्रशासन द्वारा उस समय वार्ड वासियों को आश्वासन देकर कहा गया था कि निश्चित ही मार्ग पर पूरी गुणवत्ता का ध्यान रखा जाएगा किंतु आज कुछ ही महिनों में मार्ग जगह-जगह से गड्ढों में तब्दील होता जा रहा है। वार्ड नंबर 9 के पार्षद प्रतिनिधि शफकत खान द्वारा दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया गया कि निश्चित ही बैहर चौकी के मार्ग को कुछ ही महीने हुआ है और मार्ग जगह-जगह से उखड़ने लगा है और यदि जल्द ही मार्ग का मरम्मतीकरण नहीं किया गया तो यहां निश्चित ही दुर्घटनाएं होगी, क्योंकि इस मार्ग पर यातायात का अधिक दबाव रहता है और कई बार तो इस मार्ग पर जाम जैसी स्थिति भी निर्मित होती है उन्होंने स्वयं इस मार्ग को लेकर शिकायत किया है।

फीस जमा करने के नाम हुई धोखाधड़ी पर कोतवाली पुलिस ने किया मामला कायम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सरदार पटेल कॉलेज के लगभग 24 छात्र-छात्राओं द्वारा कोतवाली थाने में पहुंचकर कॉलेज के ही छात्र संतोष पिता बसंत मोहारे ग्राम मोहाटोला, महाराष्ट्र के खिलाफ शिकायत की थी, जिसमें सरदार पटेल कॉलेज के विधि संकाय की छात्रा ज्योति लिल्हारे सहित अन्य 23 छात्र-छात्राओं की शिकायत पर कोतवाली पुलिस द्वारा संतोष मोहारे के खिलाफ बीएनएस की धारा 316 (2) के तहत मामला पंजीबध्द कर लिया गया है। जहां छात्रों ने 11 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक को इस पूरे विषय की शिकायत की थी, जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। छात्रों ने बताया था कि सरदार पटेल कॉलेज के ही विधि के एक सीनियर छात्र संतोष द्वारा लगभग 25 से 30 छात्रों की फीस लेकर कॉलेज में जमा करने का कार्य करता था, जबकि संतोष का गर्रा में एमपी ऑनलाइन का सेंटर है, जिस कारण बच्चे उनके पास फीस जमा करवाते थे, संतोष द्वारा कुछ महीनो तक तो विधिवत कॉलेज में फीस जमा करवाई जाती थी, किंतु बीते कुछ महीनो से जब संतोष ने कॉलेज में फीस जमा नहीं करवाया, तब कॉलेज प्रबंधन ने बच्चों को फीस जमा नहीं होने पर फीस जमा करने की बात कही, इसके बाद बच्चों को समझ आया कि संतोष द्वारा उनसे पैसे तो ले लिए गए हैं, किंतु कॉलेज में फीस जमा नहीं की गई है। जब संतोष से संपर्क किया गया तो छात्रों को संतोष द्वारा अलग-अलग कारण बताकर गुमराह किया जाने लगा इसके बाद छात्रों ने इसकी शिकायत कोतवाली में की यहां लगभग 24 छात्रों की चार लाख दस हजार रूपये फीस संतोष द्वारा कॉलेज में जमा नहीं की गई है, तो वहीं कुछ लोग ऐसे हैं जिन्होंने संतोष को उधार पैसा भी दिया है इस पूरे विषय पर कोतवाली पुलिस जांच कर रही है और जल्द ही फरार संतोष को गिरफ्तार किए जाने की बात कही जा रही है।

सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 13 अक्टूबर को प्रातः 09 बालाघाट से सिवनी के लिए प्रस्थान करेंगी और पी जी कालेज सिवनी के आडिटोरियम हाल में प्रातः 11 बजे वन नेशन वन इलेक्शन छात्र सम्मेलन में शामिल होंगी। सांसद श्रीमती पारधी आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत दोपहर 01 बजे जिला भाजपा कार्यालय सिवनी में आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगी और अपराह्न 03 बजे बरघाट में आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगी। इसके पश्चात वे सांय 4.30 बजे बरघाट से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी।

अमाड़ी भाजी की सब्जी में चुहामार मिलाने का अंदेशा

माँ बेटी हुई जहरखुरानी की शिकार

दोनों मां बेटी की बिगड़ी हालत, जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

खैरलांजी के वार्ड नंबर 3 में रहने वाली मां बेटी जहरखुरानी का शिकार हो गई। 12 अक्टूबर को 10:30 बजे करीब खाने में अमाड़ी की सब्जी खाने के बाद अचानक उल्टी और चक्कर आने पर दोनों मां बेटी जिनमे इंद्रकला बाई पति कोसन लाल नगपुरे 45 वर्ष और उसकी बेटी रूपाली पिता कोसन लाल नगपुरे 17 वर्ष को खैरलांजी के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। जिला अस्पताल में भर्ती इंद्र कला बाई नगपुरे ने घरेलू विवाद के चलते अपने जेठ रोशन लाल नगपुरे के परिवार के विरुद्ध ही अमाड़ी कि सब्जी में चूहा मार दवाई डालने का संदेह व्यक्त किया है। बहरहाल इस मामले की जांच खैरलांजी पुलिस द्वारा की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोसन लाल नगपुरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा वे अपनी पत्नी इंद्रकलाबाई के साथ सी एम राइस स्कूल में काम करने जाते हैं। जिनके परिवार में चार बेटी और एक बेटा है तीन बेटी की शादी हो चुकी है। एक बेटा विजय नगपुरे 15 और एक बेटी रूपाली नगपुरे 17 वर्ष पढ़ाई करते हैं। बताया गया है कि कोसन लाल के घर से ही लगा उनके बड़े भाई रोशन लाल का मकान है और रोशन लाल अपने परिवार के साथ ही रहते हैं बताया गया है कि कोसन लाल और रोशन लाल के परिवार बीच घरेलू विवाद चल रहा है। दोनों परिवारों के बीच बोलचाल बंद है। बताया गया है कि 12 अक्टूबर को सुबह 6 बजे कोसन लाल और उसकी पत्नी इंद्रकलाबाई के साथ सी एम राइस स्कूल चले गए थे। घर में उनकी बेटी रूपाली थी जिसने माता-पिता के चले जाने के बाद घर की साफ सफाई के खाने में चावल आलू भटे की सब्जी के अलावा अमाड़ी की भी सब्जी बनाई ओर इसके बाद रूपाली पीने का पानी भी लाने गई। घर मे पानी भरने के बाद रुपाली चावल में अमाड़ी की सब्जी खाने के बाद अपनी मम्मी और पिता का टिफिन लेकर सी एम राइस स्कूल गई और टिफिन छोड़कर घर आ गई थी 10 बजे करीब सी एम राइस स्कूल में कोसन लाल ने चावल और आलू भटे की सब्जी खाया इसके बाद इंद्रकला बाई ने खाने में चावल और अमाड़ी की सब्जी खाई। खाना खाने के बाद इंद्रकला बाई स्कूल में काम पर लग गई थी किंतु कुछ देर बाद उसे चक्कर आने लगा और उल्टी भी होने लगी। तब उसने अपनी बेटी रूपाली को फोन लगाकर बताई थी मुझे खाना खाने के बाद चक्कर और उल्टी हो रही है तब रूपाली ने भी अपनी मां इंद्रकला को बताई की मुझे भी चक्कर आ रहे हैं और उल्टी हो रही है। शंका होने पर रूपाली ने चूल्हे के आसपास खोजबीन की तब उसे चूल्हे के पास पैकेट मिला जिसने मोहल्ले वाले को बताई तब मोहल्ले वालों ने उसे बताया कि यह चूहा मार दवाई का पैकेट है। इंद्रकला बाई जैसे तैसे अपने घर पहुंची। इस दौरान मोहल्ले पड़ोस के लोग भी जमा हो गये। इंद्रकलाबाई और उसकी बेटी रूपाली को गांव के ही एक व्यक्ति ने मोटरसाइकिल में खैरलांजी अस्पताल लाये। खैरलांजी के अस्पताल में दोनों मां बेटीको भर्ती किया गया था। जहाँ से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों मां बेटी को बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

इंद्रकलाबाई ने की जेठ के परिवार पर शक

जिला अस्पताल में भर्ती इंद्रकलाबाई ने सब्जी में चूहा दवाई डालने का शक अपने जेठ के परिवार पर करते हुए बताई की मेरी लड़की ने खाना बनाई थी और खाना खाने के बाद खान का टिफिन लेकर स्कूल आई थी। पति ने आलू भटे की सब्जी खाया और मैंने अमाड़ी की सब्जी खाई थी। खाने में सेंट आ रहा था मैं समझी की कि पुराने चावल की सेंट होगी यह समझ कर खाना खाने के बाद वह काम में लग गई थी। 11:00 बजे करीब चक्कर और उल्टी होने लगी तब लड़की को फोन लगाकर पूछी तब उसने बताई कि मुझे चक्कर आ रहे है और उल्टी हो रही है। लड़की ने चूल्हे के पास देखी तो टाटी के पास एक पुडिया पड़ी हुई मिली जिसने मोहल्ले वालों को बताई तो पता चला यह चूहा मार दवाई की पुड़िया थी। इंद्रकला भाई ने सब्जी में चूहा मार डालने का शक अपने जेठ के परिवार पर की है। और बताई कि उनके घर में कोई नहीं है आता सिर्फ जेठ रोशनलाल का ही घर है।

खोड़सिवनी और नाहरवानी गाँव से बकरियाँ चुराकर बेचने वालो को गायखुरी के नागरिको ने दबोचा

वार्डवासियों की सतर्कता से पकड़े गये बकरियों के साथ आरोपी, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के वार्ड क्रमांक 33 गायखुरी के वार्ड वासियों ने संदिग्ध रूप से वार्ड में खड़े कुछ युवकों को मोटरसाइकिल से बकरा - बकरी ले जाते हुए पकड़ लिया और पूछताछ की तो युवकों ने बकरा बकरी चोर कर गाड़ियों से उनका परिवहन करने की बात कही, जिसकी सूचना वार्ड वासियों द्वारा तुरंत कोतवाली पुलिस को दी गई और डायल 112 के पुलिसकर्मी वार्ड क्रमांक 33 पहुंचे, जहां पुलिस को देख कुछ युवक भाग गए, जिसमें एक युवक द्वारा बताया गया कि वहां हट्टा क्षेत्र के कुछ गांव से बकरा बकरियों को चोर कर ला रहे थे, जिससे ऑटो के माध्यम से वह अन्य स्थान पर लेकर जाते, इसके बाद कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किए गए युवक और बकरा बकरी को हट्टा पुलिस के हवाले कर दिया, जहां हट्टा पुलिस इस पूरे विषय को लेकर कार्रवाई कर रही है।

रविवार सुबह तीन बकरे चुराने वाले कुछ लोगों को कोतवाली थाना अंतर्गत वार्ड-33 गायखुरी के रहवासियों ने धरदबोचा। ये लोग हट्टा थाना क्षेत्र के दो गांवों में बकरे चुराकर दो पहिया वाहन से अपने गांव जा रहे थे। इससे पहले कि वह अपनी प्लानिंग में सफल होते, गायखुरी के स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने संदिग्धों से पूछताछ कर हट्टा पुलिस को मामले की जानकारी दी। अब हट्टा पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे विस्तृत पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने अभी आरोपितों के नामों का खुलासा नहीं किया है। संभावना है कि सोमवार को पुलिस मामले का खुलासा करेगी। बताया गया कि आरोपित हट्टा क्षेत्र के खोड़सिवनी और नहरवानी से बकरे चुराकर जा रहे थे, जिसमें कुल चार युवक शामिल थे। पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ जारी है। हट्टा थाना क्षेत्र में बीते कुछ महीनों में बकरा-बकरी चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। असामाजिक तत्व घरों के आंगन में बंधे बकरे-बकरियों को चुराकर बाजार में बेचते हैं। इससे पशु मालिकों को आर्थिक हानि हो रही है। चार महीने पहले भी ऐसा ही मामला हट्टा थाना में आ चुका है।

हट्टा क्षेत्र में बकरा बकरी की हो रही थी चोरियां

पुलिस सूत्रों की माने तो बीते कुछ महीनो से हट्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत अलग-अलग गांव में बकरा बकरी चोरी की घटनाएं बढ़ रही थी। जिसमें ग्रामीणों द्वारा बताया जा रहा था कि उनके घरों में बंधे बकरा बकरी को अज्ञात चोरों के द्वारा चुरा लिया जाता था, जिस पर कई बार इसकी शिकायत भी पुलिस में की गई थी, किंतु इसका अभी तक खुलासा नहीं हुआ था। बीती रात भी नहरवानी और एक अन्य गांव में बकरा बकरी की चोरी की घटना हुई थी। चोरो द्वारा यहां से बकरा बकरी चुरा कर अन्य दूसरे क्षेत्र के बाजारों में ले जाकर बेच दिया जाता था, वहीं पुलिस गिरफ्तार युवकों से कड़ी पूछताछ कर रही है।

उप संचालक कृषि ने ग्राम ढूटी में प्राकृतिक खेती का निरीक्षण किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत बालाघाट विकासखंड के ग्राम ढूटी को क्लस्टर ग्राम के रूप में चयनित किया गया है। इस ग्राम में कृषि सखी दीदी द्वारा अपने खेतों में जैविक खाद एवं कीटनाशकों का उपयोग कर प्राकृतिक खेती की गई है और धान की फसल लगाई गई है। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने 12 अक्टूबर को ग्राम ढूटी पहुंचकर धान की प्राकृतिक खेती का निरीक्षण किया और किसानों से चर्चा की। इस दौरान कृषि सखी दीदी ने बताया कि उनके द्वारा धान की फसल में यूरिया, डीएपी एवं अन्य रासायनिक खाद खाद का उपयोग नहीं किया गया है। उसके स्थान पर गोबर एवं अन्य प्राकृतिक खाद का उपयोग किया गया है। जिससे उनके खेत की धान की फसल बहुत अच्छी है और उसमें कीट व्याधि और बीमारी आदि का प्रकोप नहीं है। कृषि सखी दीदी के खेत में लगी फसल से गांव के अन्य किसानों को भी प्राकृतिक खेती करने की प्रेरणा मिली है।

जीएसटी टीम ने कर चोरी मामले में और दो वाहनों को किया जब्त

अब तक कुल 11 व्यवसाई वाहनों से वसूले गए 11 लाख 29 हजार रूपये का जुर्माना

पदमेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट जिले में जीएसटी की कार्यवाही से हड़कंप है। यहाँ पर बालाघाट व बालाघाट के बाहर बिना टैक्स की भरपाई किये वाहनों से सामग्री के परिवहन मामले में जीएसटी टीम ने आकस्मिक जांच करते हुये आज 12 अक्टूबर को और 2 वाहन को संदिग्ध दस्तावेज होने के चलते जप्त कर नवेगांव थाने में खड़ा कराया है। जिसको लेकर टीम जांच कर रही है। वही इसके पूर्व हुई लगेज वाहनों की धरपकड़ मामले में टैक्स की बड़ी चोरी पकड़ते हुये 11 लाख 29 हजार रूपये का जुर्माना वसूल किया है। जिसमें तंबाकू के परिवहन व टैक्स की चोरी में 4 वाहनों से 8 लाख 93 हजार 458 रूपये की जुर्माना वसूली की है। जो कि बड़ी जुर्माना वसूली मानी जा रही है। जानकारी में आया कि तंबाकू के वाहन बालाघाट के व्यापारी के अलावा अन्य दूसरे जिले के भी शामिल थे। जिनके खिलाफ यह कार्यवाही हुई और उन्हें चेतावनी दी गई है कि टैक्स की चोरी करते हुये भविष्य में इस तरह के वाहन पकड़ाये जाने पर बड़ी कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में जानकारी के मुताबिक केंद्र सरकार ने जीएसटी की दर को रिफार्म अर्थात कम किया है। 22 सितंबर से यह प्रक्रिया होने के पश्चात जीएसटी टीम को विविध सामग्री की दरों में कमी हुई या नहीं, सामनों के परिवहन में टैक्स चुकाया जा रहा है या नहीं को लेकर कार्यवाही करने के निर्देश हुये है। इसी के चलते बालाघाट में भी वस्तु वस्तु एंव सेवा कर अर्थात जीएसटी विभाग ने टैक्स चोरी के खिलाफ अभियान प्रारंभ किया। जिसके तहत टीम ने सहायक कमिश्नर सरिता सिरसाम के नेतृत्व में यहां की विभागीय टीम में अधिकारी डी.एल. पटले सहित अन्य ने आकस्मिक रूप से विविध स्थानों पर दबिश देकर माल ढोने वाले वाहनों की जांच कार्यवाही की। जिसमें किरनापुर, रजेगांव, नवेगांव, गर्रा, भरवेली और कटंगी सहित अन्य स्थानो पर टीम ने जांच की थी। इस जांच में 11 वाहनों को जप्त किया गया था। जिसमें चार वाहनों में तंबाकू, वारमर, पैकिंग, आरओ, खडडा, महुआ और सीमेंट, फारचून, और स्क्रैप जैसी सामग्री भरी हुई थी और उनका परिवहन किया जा रहा था। जानकारी में बताया गया था कि संबंधित वाहनों में 5 वाहन बालाघाट शहर की ओर आ रहे थे और 6 वाहन बालाघाट शहर के बाहर जा रहे थे। इन सभी को संबंधित थाना क्षेत्र में जप्त कर रखा गया था। जिसमें टैक्स के दस्तावेज में खामी पायी गई। जिसके चलते इन 11 वाहनों से जुर्माना वसूल करने की कार्यवाही हुई है। जानकारी में आया कि वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम के तहत सभी वाहनों पर पैनाल्टी लगायी गई है। जिसके तहत कुल 11 लाख 29 हजार 632 रूपये की वसूली की गई है। जिसमें तंबाकू के चार वाहनों से 8 लाख 93 हजार 458 रूपये का भारी भरकम जुर्माना शामिल है। इसके अलावा पैकिंग आरओ सामग्री से 1 लाख 21 हजार 600 रूपये और अन्य वाहनों से शेष राशि का जुर्माना वसूल किया गया है। इस कार्यवाही से संबंधित कारोबारियों में हड़कंप का माहौल है। दरअसल टैक्स की चोरी करने का मामला लंबे समय से चल रहा है। कई कारोबारी रात के अंधेरे में माल का अवैध रूप से परिवहन कर पहुंचाने का कार्य करते है। कई बार तो वे नाका को बचाने के प्रयास में पगडंडी मार्ग को चुनते हुये या छोटे लगेज वाहन से परिवहन कर सामग्री पहुंचाने का कार्य करते है। टैक्स चोरी को लेकर जीएसटी टीम की ओर से पहली बार इस तरह की कार्यवाही हुई है। जिसमें विगत सप्ताह में अलग-अलग स्थानो पर दबिश देकर 11 वाहनों को जप्त कर उनसे लगभग 12 लाख रूपये का जुर्माना वसूल किया गया है। यही नहीं यह कार्यवाही जारी है। इसी के तहत आज 12 अक्टूबर को जीएसटी की टीम ने दो और वाहनों को जप्त करने की जानकारी प्राप्त हुई है। जिसके दस्तावेज में खामी पाये जाने पर उन दोनों वाहनों को ग्रामीण थाना में जप्त कर खड़ा कराया गया है। इस संबंध में जीएसटी अधिकारी डी.एल. पटले ने बताया कि वस्तु एवं सेवा कर से जुड़ी हमारी एक टीम ने अलग-अलग रूप में सामग्री ढोने वाले वाहनों की जांच की कार्यवाही की है और आज 12 अक्टूबर को 2 वाहनों को जप्त किया गया है। जिसे नवेगांव थाने में खड़ा कराया गया है। जिसको लेकर जांच की जा रही है। उन्होने बताया कि मुख्यालय के निर्देश पर यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

3 परीक्षा केन्द्र में 941 विद्यार्थियों ने हल किया पर्चा, 20 विद्यार्थी रहे अनुपस्थित

राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा 12 अक्टूबर को संपन्न हुई। लालबर्रा विकासखण्ड में बनाये गये 3 परीक्षा केन्द्र सांदीपनी स्कूल लालबर्रा, शासकीय कन्या उमावि. अमोली, वैदिक कांवेट इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल लालबर्रा में 12 अक्टूबर को राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा में 941 विद्यार्थियों ने प्रात: 10.45 से दोपहर 2 बजे तक शांतिपूर्वक तरीके से पर्चा हल किये एवं 20 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। साथ ही किसी भी परीक्षा केन्द्र में किसी प्रकार का नकल प्रकरण नही बना है। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल को राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का केन्द्र बनाया गया था और इस परीक्षा केन्द्र में प्रात: 10.45 बजे से विकासखण्ड से पहुंचे कक्षा 8 वीं के पंजीकृत 428 में से 421 विद्यार्थी उपस्थित रहे एवं 7 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह अन्य दो परीक्षा केन्द्र में 13 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह कुल पंजीकृत 961 में से 941 विद्यार्थी शामिल हुए एवं 20 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद कक्षा 9 वीं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण होने पर उन्हे कक्षा 12 वीं तक पढ़ाई करने पर प्रतिवर्ष 12-12 हजार रूपये की छात्रवृत्ति मिलेगी। आपको बता दे कि प्रतिवर्ष शासन के द्वारा राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का आयोजन किया जाता है। इसी निर्देश के परिपालन में 12 अक्टूबर को भी राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड में स्थित स्कूलों के कक्षा 8 वीं के पंजीकृत 941 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में शामिल होकर पर्चा हल किया है। साथ ही राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा में चयनित छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष आगे की पढ़ाई करने के लिए 12 हजार रूपये प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति शासन के द्वारा प्रदान की जायेगी जिससे उन्हे पढ़ाई करने में मदद मिलेगी। चर्चा में सांदीपनी स्कूल लालबर्रा प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा 12 अक्टूबर को संपन्न हुई है। जिसमें 421 विद्यार्थी शामिल होकर शांतिपूर्वक तरीके से पर्चा हल किये एवं 7 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। साथ ही यह भी बताया कि इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद कक्षा 9 वीं में 60 प्रतिशत से उत्तीर्ण होने पर उन्हे कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक पढ़ाई करने पर 12 हजार रूपये प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति मिलेगी।

उत्तीर्ण होने पर विद्यार्थियों को मिलेगी 12 हजार रूपये की छात्रवृत्ति - श्रीराम

चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि शासन के निर्देश पर राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का आयोजन 12 अक्टूबर को किया गया और नगर मुख्यालय में तीन परीक्षा केन्द्र बनाये गये थे। जिसमें सांदीपनी स्कूल लालबर्रा, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमोली, वैदिक कान्वेंट इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल लालबर्रा शामिल है और पंजीकृत 961 विद्यार्थियों में से कुल 941 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, 20 अनुपस्थित रहे एवं परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई है। श्री तुरकर ने बताया कि राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा में विकासखण्ड के कक्षा आठवीं में अध्ययनरत विद्यार्थी शामिल हुए है और परीक्षा का परिणाम एक महीने बाद आयेगा। साथ ही यह भी बताया कि

जो छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण होगें और कक्षा नवमीं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण होने के बाद उन्हे कक्षा बाहरवीं तक की पढ़ाई करने पर 12 हजार रूपये प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति मिलेगी।

घोटी में मनाया गया आठवां राष्ट्रीय पोषण माह

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में महिला एवं बाल विकास लालबर्रा परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे व पर्यवेक्षक कामना वर्मा के मार्गदर्शन में गत दिवस आठवां राष्ट्रीय पोषण माह मनाया गया। यह कार्यक्रम सरपंच तीरथसिंह बिसेन, पूर्व जनपद सदस्य श्रीमती हेमलता गौतम, पूर्व जनपद सदस्य मानिक राम चौधरी, सेवानिवृत्त शिक्षक यादवराव अंगूरे, पंच हेमलता लानगे, जमुना गोले,सीताराम गजबे एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर पोषण प्रदर्शनी कार्यक्रम के माध्यम से नवाचार किया गया ताकि स्थानीय चीजों का उपयोग कर उनमें पोषण की समझ विकसित हो सके। साथ ही पोषक व्यंजन प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण भी किया गया। वहीं थीम मोटापा नियंत्रण, नमक, चीनी और तेल का उपयोग कम करना, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल, शिक्षा पोषण की पढ़ाई, गर्भवती और स्तनपान करने वाली माता के लिए समुदाय आधारित एलवायसीएफ परामर्श के तहत कार्यकर्ता उषा लानगे के द्वारा हितग्राहियों को समझाईश दी गई। साथ ही ब' चों को आयरन सिरप, खिलौना किट मिट्टी के खिलौने, दलिया, खिचड़ी एवं स्थानीय बगिया के मोटे अनाज से बने व्यंजन की प्रदर्शनी लगाकर समझाया गया एवं आंगनवाडी केन्द्र में आम के पौधों का रोपण भी किया गया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उषा लानगे, लक्ष्मी राहंगडाले, शकुन चौधरी, सहायिका सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

माँ सरस्वती महोत्सव समिति ने हाई स्कूल मैदान की सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माँ सरस्वती महोत्सव का आयोजन नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मैदान में धूमधाम एवं भक्तिभाव के मनाया गया। वहीं यह महोत्सव अपने भव्य स्वरूप और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कारण जिले में ही नहीं बल्कि अंर्तजिला स्तर पर भी विशेष पहचान बना चुका है। प्रतिमा स्थापना से लेकर 13 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। साथ ही मैदान में वृहद स्तर पर मेला लगा था, जिसमें दूर-दराज़ से आये दुकानदार और हजारों की संख्या में श्रध्दालु व दर्शक शामिल हुए। इस 13 दिवसीय महोत्सव समापन के बाद मैदान में जगह-जगह गंदगी एवं कचरों का ढेर लगा हुआ था जिससे खेल मैदान में स्कूली बच्चों सहित अन्य लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने गत दिवस मैदान की साफ-सफाई कर स्व' छता का संदेश दिया गया है। चर्चा में समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि स्वच्छता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी भक्ति और आयोजन है। साथ ही यह भी बताया कि महोत्सव के अवसर पर हाई स्कूल मैदान में मेला लगा था जिसके चलते गंदगी हो चुकी थी। जिसकी समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ मिलकर साफ-सफाई करवा दी गई है और हमारा प्रयास है कि पर्यावरण और साफ-सफाई के प्रति लोग जागरूक रहे। साथ ही नगर के नागरिकों से भी अपील है कि वे ऐसे आयोजनों के बाद स्वच्छता में सहयोग दें, ताकि मैदान और सार्वजनिक स्थान सुंदर व उपयोगी बने रहें। स्थानीय लोगों ने समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति सकारात्मक संदेश देते हैं।

बघोली में हर्षोल्लास से परमात्मा एक सेवकों ने मनाई कोजागिरी

अमृत रूपी खीर का हुआ वितरण, चर्चा बैठक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली में गत दिवस परमात्मा एक सेवक परिवार द्वारा कोजागिरी (शरद पूर्णिमा) हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। यह कार्यक्रम परमात्मा एक सेवक संघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर रंगोली, कुर्सी दौड़ सहित अन्य प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के द्वारा डांस एवं नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। साथ ही रात 12 बजे के बाद शरद पूर्णिमा की चंद्रकिरणों से प्रकाशित हुई अमृत रूपी खीर को तैयार किया गया और यह विशेष खीर को प्रसादी के रूप में सभी सेवक-सेविकाओं ने श्रध्दाभाव के साथ ग्रहण किये। वहीं प्रसादी वितरण के बाद बहेगांव भजन मंडल के द्वारा भक्तिगीतों की प्रस्तुतियां दी गई। आयोजित विशेष चर्चा बैठक में मार्गदर्शकों ने कोजागिरी पर्व के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला और महान त्यागी बाबा जुमदेव जी के उपदेशों पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बाबा ने समाज को अंधविश्वास, अंधश्रध्दा एवं बुरे व्यसनों से दूर रहने की शिक्षा दी है। मार्गदर्शकों ने जोर दिया कि मानव को सदैव सत्य, मर्यादा और प्रेम का जीवन भर आचरण करना चाहिए और अपने परिवार को सुखमय जीवन जीने की प्रेरणा देनी चाहिए। साथ ही सेवकों को बाबा जुमदेव जी के मार्ग पर चलने, जीवन को स' चाई और सेवा के पथ पर अग्रसर करने का संदेश दिया है। चर्चा में आगे यह भी बताया कि बाबा जुमदेव जी की शिक्षाऐं (शिकवण) आज भी समाज को नैतिकता और एकता के सूत्र में बांधने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। बघोली में कोजागिरी पर्व का यह आयोजन आध्यात्मिकता, सेवा और समरसता का अनोखा संगम बनकर सभी उपस्थितजनों के मन में सद्भावना और आनंद का भाव जगाने वाला सिध्द हुआ है। इस अवसर पर वरिष्ठ मार्गदर्शक धनीराम भोयर, मार्गदर्शक दिलीप बारेकर, सोमेश्वर उके, लाकेश सार्वे, एजेश बोरकर, फूलचंद बरैया सहित हजारों की संख्या मे सेवक, सेविकाएं उपस्थित रहे।

श्री विजयादशमी एवं संघ शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन कार्यक्रम संपन्न

सांदीपनी स्कूल मैदान में हुआ भव्य आयोजन, स्वयंसेवकों पर की गई पुष्पवर्षा, राष्ट्र भक्ति का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल के खेल मैदान में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ लालबर्रा खण्ड का रविवार को श्री विजयादशमी एवं संघ शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भारत माता, प्रथम सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, द्वितीय संघचालक 'गुरुजी' माधव सदाशिव गोलवलकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उन्हें स्मरण किया। इस पथ संचलन के अवसर पर लालबर्रा खंड क्षेत्र के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक बड़ी संख्या में गणवेश में एकत्रित हुए। जिन्हे मुख्य वक्ता के द्वारा संघ के उद्देश्यों के बारे में बताया गया। जिसके बाद परम पवित्र भगवा ध्वज लगाकर गणवेशधारी स्वयं सेवकों का पथ संचलन प्रारंभ हुआ। यह पथ संचलन लालबर्रा, अमोली ग्राम के मुख्य मार्गों से होते हुए देशभक्ति गीतों की धुन पर स्वयंसेवक कदम से कदम मिलाकर पथ संचलन में निरंतर चलते रहे। इस दौरान जगह-जगह स्वयं सेवकों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत भी किया गया। वहीं पथ संचलन पुन: कार्यक्रम स्थल पहुंचा जिसके बाद संघ घोष के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। साथ ही उपस्थित नागरिकों ने देश के प्रति समर्पण भाव व्यक्त किया है। वहीं स्वयं सेवकों ने पथ संचलन के माध्यम से अनुशासन, राष्ट्रसेवा और एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने संघ के उद्देश्यों के बारे में उपस्थित स्वयं सेवकों को बताते हुए कहा कि हिन्दु समाज में पौरूष तथा शक्ति का जागरण श्री विजयादशमी के पावन पर्व पर होता है। इसी पवित्र पर्व पर अपने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का 100 वर्ष पूर्ण हो चुका है एवं विश्व शांति और मानव कल्याण का उद्देश्य लेकर सदियों से हिन्दु समाज की चल रही प्रदीर्घ यात्रा का ही सांप्रत रूप है। आगे यह भी कहा कि संघ के स्वयंसेवकों को केवल शाखाओं तक सीमित न रखते हुए समाज परिवर्तन की दिशा में ले जाने की आवश्यकता है और जहां जैसी आवश्यकता लगी, संघ ने वैसे संगठन तैयार किए है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना 1939 में भारत की स्वतंत्रता और संघ की यात्रा बढ़ने के दौरान किया गया क्योंकि छात्रों को राष्ट्रवादी तैयार करना आवश्यक है, तो संघ ने 1939 में विद्यार्थी परिषद की स्थापना की। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रवाद पैदा करना था। साथ ही यह भी कहा कि विजयादशमी एवं संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संघ के द्वारा लालबर्रा में पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसलिए हम सभी को संगठित होकर हिन्दुत्व एवं राष्ट्र के हित में काम करना है। वहीं स्वयंसेवकों ने पारंपरिक गणवेश में अपने दल का अनुशासन व उत्साह प्रदर्शित किया जो नागरिकों व उपस्थित अतिथियों के लिए प्रेरणादायक रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी, स्वयं सेवक एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ददिया में रात्रिकालीन कबड्डी प्रतियोगिता 16 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत ददिया में वैनगंगा क्लब ददिया के तत्वाधान में आगामी 16 अक्टूबर से रात्रिकालीन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ददिया में 16 अक्टूबर से ग्राम स्तरीय एक दिवसीय रात्रिकालीन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 11000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 7000 रूपये, तृतीय पुरस्कार 5000 रूपये, चौथा पुरस्कार 2000 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 251 रूपये निर्धारित किया गया है। उक्त कार्यक्रम सरपंच ऋषि पंक्षी राजेन्द्र भलावी के मुख्य आतिथ्य, जनपद सदस्य श्रीमती केशरबाई मनीराम भोयर, उपसरपंच रूपेन्द्र भोयर, पं. अनिल दुबे, पं. राजेश दुबे, भूतपूर्व सरपंच मनीराम भोयर, कृष्णा महोबे, नेतलाल बिसेन, ज्ञानचंद माते, पूर्व जनपद सदस्य तुलसीराम बोपचे के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर ग्राम पंचायत स्तर की कबड्डी टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील आयोजन समिति अध्यक्ष जीतु आश्वले, राकेश भोयर, उपाध्यक्ष दिनेश कडौकर, रूपेन्द्र कडौकर, सचिव जितेन्द्र धार्मिक, खिलेश सपाटे, कोषाध्यक्ष बंटी भोयर, हेमराज भोयर, खेल समन्वयक लव पटेल सहित अन्य सदस्यगण एवं ग्रामीणों ने की है।

दीपावली पर ट्रेनों में वेटिंग, बसों में बढ़ा किराया

भोपाल। एजेंसी। दीपावली नजदीक आते ही घर लौटने वालों की जेब पर अतिरिक्त भार बढ़ गया है। अन्य शहरों में नौकरी या व्यवसाय करने वाले लोगों को भोपाल आने के लिए हवाई यात्रियों को टिकटों के दामों में रिकार्ड बढ़ोतरी झेलनी पड़ रही है। पिछले चार दिनों में किराया ढाई गुना तक पहुंच गया है। बेंगलुरु, मुंबई, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद और अहमदाबाद जैसे शहरों से इंदौर आने का हवाई किराया सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक बढ़ गया। त्योहारों के मौसम में जहां ट्रेन और बसों के टिकट पहले से ही फुल हैं। वहीं अब हवाई यात्रियों को भी जेब ढीली करनी पड़ रही है। 15 से 20 अक्टूबर के बीच भोपाल आने वाली फ्लाइटों के टिकट 12 से 15 हजार रुपये तक पहुंच चुके हैं, जबकि सामान्य दिनों में यही किराया चार से छह हजार रुपये रहता है। उदाहरण के तौर पर भोपाल से बेंगलुरु जाने का किराया जहां लगभग 5500 रुपये है, वहीं बेंगलुरु से भोपाल आने का किराया 14 हजार रुपये तक पहुंच गया है। इसी तरह, पुणे से भोपाल आने का किराया 13 से 14 हजार रुपये, जबकि जाने का मात्र 5300 रुपये है। हैदराबाद से आने वाले यात्रियों को 11 हजार रुपये से अधिक और चेन्नई से आने वालों को 13 से 15 हजार रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। त्योहार के दौरान परिवार के साथ दीपावली मनाने का उत्साह अब आम लोगों की जेब पर भारी पड़ रहा है। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन आफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन का कहना है कि इंदौर आने में यात्रियों को अधिक किराया चुकाना पड़ रहा है। दीपावली के त्योहार के कारण आने वालों की संख्या अधिक होती है, इसलिए किराया अधिक बढ़ा है।

मदनपुर रोड पर 11 एकड़ कृषि भूमि का विवादित आदेश, एसडीएम से हस्तक्षेप की मांग

मामला आदिवासी की भूमि की हेराफेरी का, नामांतरण पर सवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

तहसील कार्यालय में देवेन्द्र टेकाम ,ईश्वरी टेकाम और गोंविद टेकाम ने अनुविभागीय अधिकारी के नाम का ज्ञापन सौंपकर अनुचित ढंग से उनकी भूमि में हेराफेरी एवं दबाव पूर्वक तहसीलदार का निर्णय प्रभावित करने की शिकायत की है। ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत वारा अंतर्गत मदनपुर रोड़ पर शिवधाम मोहल्ला में ईश्वरी टेकाम, गोंविद टेकाम और देवेन्द्र टेकाम आदिवासी समाज से है। हमारी १०.७३ एकड़ जमीन है जो १९८३ के बंटवारे में मेरे नाना के नाम आई थी ।जिनकी मृत्यू के बाद यह जमीन १९९७ मेरे नाना की इकलौती संतान मेरी माँ यमुना बाई के नाम हुई थी। वर्ष २०२२ में मेरी मां यमुना बाई की मौत के बाद यह जमीन महेन्द्र, देवेन्द्र, गोविंद टेकाम एवं अन्य के नाम पर दर्ज हो गई थी। पिछले वर्ष तक किसी भी प्रकार का कोई वाद विवाद नहीं था किंतु कुछ लोगो की इस भूमि में पहले से ही नजर थी। कुछ लोगों को मेरी मृतक माँ के पूर्वजों के वंशज बताकर उन्हे लोभ लालच देकर उनके द्वारा १९८३ के बंटवारे को एसडीएम की कोर्ट में चैलेंज करवाया गया। राजस्व विभाग से मिली भगत कर इस भूमि में अवैध कब्जा बताया गया। जिसमें एसडीएम के द्वारा १९८३ का बटवारा खारिज कर तहसीलदार की कोर्ट में यह प्रकरण भेज दिया गया था। जिसमें तहसीलदार के द्वारा १३ जून को मामले में लगभग ४८ वर्ष से कब्जे में चली आ रही भूमि से महेन्द, देवेन्द्र, गोविंद टेकाम एवं अन्य के नाम हटाकर सनुला बाई वरकड़े ,मनोज वरकड़े, दिनेश वरकड़े,विनोद वरकड़े आसनबाई वकरड़े,धन्नु वरकड़े सहित अन्य परिवार का नाम चढ़ा दिया गया। मामले के निर्णय के पूर्व ही पक्षकारों के द्वारा कहते रहे कि फैसला हमारे पक्ष में आयेगा । फैसला देने वाले तहसीलदार इनरान मंसूरी का १० जून को स्थानांतरण हो चुका था। ऐसे में १३ जून को आदेश के बाद १६ जून को वरकडे परिवार का नाम चढ़ा कर पटवारी के द्वारा १६ जून को ही भूमि का बिक्री नक्शा काट दिया गया और १७ जून को जमीन की रजिस्ट्री हो गई। रजिस्ट्री की जानकारी मुझे मोबाइल पर आए मैसेज से पता चला तो मेने तत्काल समाज के लोगों को जानकारी देकर एसडीएम के यहां नामांतरण पर रोक लगाने के लिए शिकायत की थी क्योंकि इस मामले में मेरा पक्ष नहीं सुना गया

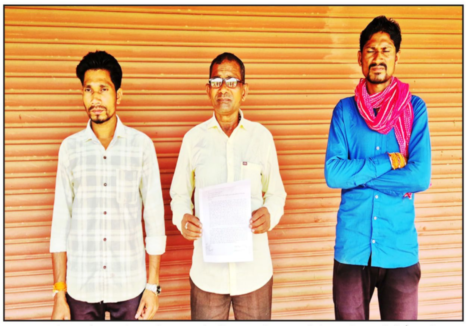

था। एसडीएम के यहां चली सुनवाई में तहसीलदार कोर्ट के द्वारा दिये गये फैसले पर ३ माह का स्थगन लगाया गया। बावजूद इसके नामांतरण मामले की सुनवाई तहसीलदार कोर्ट में जारी रही जो नियम विरूध्द है। क्योकि तहसीलदार कोर्ट एसडीएम कोर्ट के अधिनस्थ होता है जिसे एसडीएम कोर्ट के फैसले को मानना होता है। किंतु तहसीलदार ने नियमों को परे रखते हुए नामांतरण मामले की सुनवाई जारी रखी। हमारी मांग है कि तहसीलदार के इस फैसले पर तत्काल रोक लगाई जाए और इसमें बारीकी से जांच कर हमें न्याय दिया जाए।

हमारे नाम को हटाकर दूसरों के नाम पर यह भूमि चढ़ा दी गई है-देवेंद्र टेकाम

देवेंद्र टेकाम ने बताया कि एसडीएम को हमने ज्ञापन दिए हैं मदनपुर रोड़ पर करीब ११ एकड़ खेती हमारी है। इसी का विवाद चल रहा है जमीन मेरी मां को मिली थी उसकी मौत के बाद हमारे नाम पर आई और काफी वर्ष से हम यहां पर खेती कर रहे हैं। विवाद है कि हमारे नाम हटाकर दूसरों के नाम पर यह भूमि चढ़ा दी गई है हमारी जमीन पर यह कब्जा चाहते हैं तहसीलदार के यहां सुनवाई चल रही थी उनके पक्ष में तहसीलदार ने अचानक आदेश कर दिया।

अधिकारियों की मिली भगत से हो रही जमीन की हेराफेरी-गोंविद टेकाम

गोविंद टेकाम ने बताया कि हम कहीं भी जाते हैं कचहरी या अन्य स्थान पर तो हमारे पीछे २५ लोग लगे रहते हैं हमको डराते हैं धमकाते हैं वह हमारे खेतों पर कब्जा करना चाहते हैं । ऐसे में वह हमारे साथ मारपीट करेंगे मेरा एक भाई महेंद्र टेकाम इसी के चक्कर में उसकी मौत हो गई है । इसलिए हमने सीसीटीवी भी अपनी सुरक्षा को देखते हुए लगा लिए हैं अब यह लोग गुंडे लेकर आएंगे हमें न्याय अच्छे से नहीं मिला है यह जो घटना है इसमें पटवारी व सभी अधिकारी व अन्य लोगों की मिलीभगत है एसडीएम से हम मांग कर रहे हैं कि मामले में जांच की जाए और हमें न्याय दिया जायें।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि हमारे तहसील न्यायालय में ईश्वरी टेकाम का जो प्रकरण चल रहा था वह नामांतरण को लेकर चल रहा था। जिसमें हमारे द्वारा आदेश दिया गया है तो वहीं पूर्व आदेश को लेकर जो आपत्ति लगाई गई थी वह एसडीएम कोर्ट में लगाई गई है जहां पर इनका प्रकरण प्रारंभ है। हमारे द्वारा सभी पक्षों को सुनने के बाद यह आदेश जारी किया गया हैं।

वंदना कुशराम
तहसीलदार वारासिवनी

राष्ट्रीय मीन्स कम मेंरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा आयोजित

वारासिवनी खैरलांजी में १२५२ में से १२०१ परीक्षार्थियों ने हल किया पेपर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी किया गया। जिसमें १२ अक्टूबर को नगर के दो शासकीय विद्यालय एवं खैरलांजी के दो शासकीय विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया। जहां वारासिवनी के ६९४,

खैरलांजी के ५०७ इस प्रकार दोनों क्षेत्र के प्रतिभावान १२०१ छात्र छात्राओं के द्वारा पर्चा हल किया गया। इस दौरान उडन् दस्ते के रूप में परीक्षा की मानिटरिंग करने के लिए वरिष्ठ अधिकारी विद्यालयों में पहुंचकर परीक्षा का जायजा लिया जिससे वे खुश नजर आयें। यह परीक्षा सुबह १०.४५ बजे प्रारंभ की गई जो २.१५ तक चली इस दौरान समस्त प्रतिभागियों के द्वारा पेपर हल किया गया। उक्त परीक्षा वारासिवनी और खैरलांजी दोनों विकासखंड में शांति पूर्वक संपन्न हुई।

वारासिवनी में ७२६ में से ६९४ परीक्षार्थियों रहे उपस्थित

नगर के दो शासकीय विद्यालय में इस वर्ष परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें संदीपनि टिहलीबाई शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी में ४१७ परीक्षार्थी दर्ज थे। जिसमें से ३९८ परीक्षार्थियों ने उपस्थित होकर पेपर हल किया। वहीं १९ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे जिनकी बैठक व्यवस्था विभिन्न कमरों में की गई। इसी प्रकार कमला नेहरू शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ३०९ परीक्षार्थी दर्ज थे। इसमें से २९६ परीक्षार्थियों ने पेपर हल किया १३ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे इनकी बैठक व्यवस्था विभिन्न कमरों में की गई थी। इस प्रकार कुल ७२६ परीक्षार्थियों में से ६९४ परीक्षार्थियों ने पेपर हल किया ३२ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

खैरलांजी में ५०७ परीक्षार्थियों ने पेपर किया हल

खैरलांजी विकासखंड के दो शासकीय विद्यालय में राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें संदीपनि शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खैरलांजी में १९५ परीक्षार्थी दर्ज थे। उसमें से १९० परीक्षार्थियों ने उपस्थित होकर पेपर हल किया। वहीं ५ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे जिनकी बैठक व्यवस्था हाल एवं कमरों में की गई। इसी प्रकार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खैरलांजी में ३३१ परीक्षार्थी दर्ज थे। जिसमें से ३१७ परीक्षार्थियों ने पेपर हल किया १४ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल ५२६ परीक्षार्थियों में से ५०७ परीक्षार्थियों ने पेपर हल किया १९ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

बहेतर पढ़ाई करने मिलती है छात्रवृत्ति

राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा प्रतिवर्ष प्रतिभावान छात्र छात्राओं को शिक्षा सहायता के रूप में छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने के लिए आयोजित की जाती है। जिसमें कक्षा आठवीं के छात्र छात्राएं भाग लेकर परीक्षा पास होने पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाती हैं। उन्हें शासन के द्वारा प्रति वर्ष १२००० रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिससे वह आगे की शिक्षा अच्छे से प्राप्त कर सके। जिसमें वारासिवनी के ७२६, खैरलांजी के ५२६ इस प्रकार क्षेत्र के करीब १२५२ विद्यार्थियों के द्वारा पंजीयन कराया गया था। उक्त परीक्षा वर्ष में एक बार होती है जिसके लिए अधिकांश ऐसे निर्धन परिवार जो प्रतिभावान है वह रास्ता देखते रहते हैं कि वह इस परीक्षा में पास होकर छात्रवृत्ति प्राप्त करें और अपने आगे की शिक्षा बिना किसी बाधा के प्राप्त कर सकें। जिसका उदाहरण विद्यालयों के बाहर देखने मिला की क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों से अनेकों माता पिता अपने बच्चे को लेकर स्कूल पहुंचे और पूरी धूप बाहर खड़े हो कर परीक्षा खत्म होने का इंतजार करते रहे।

परीक्षार्थियों ने दो पेपर किया हल

राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा २०२५-२६ का आयोजन किया गया था। जिसमें निर्धारित समय सारणी के अनुसार परीक्षार्थियों के द्वारा उपस्थित होकर पेपर हल किया गया। जिसमें समस्त परीक्षार्थी सुबह १०.४५ बजे परीक्षा केंद्र में उपस्थित होकर ११ बजे से १२.३० तक मानसिक योग्यता परीक्षण का पेपर हल किया गया। तो वहीं तत्काल दोपहर १२.३० बजे के बाद १२.४५ बजे से २.१५ बजे तक दूसरा प्रश्न पत्र शैक्षिक योग्यता परीक्षण का हल किया गया। इस प्रकार पेपर हल करने के लिए मिलने वाले तीन घंटे में परीक्षार्थियों के द्वारा दो पेपर हल किए गए।

शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई परीक्षा- सतेंद्र शरणागत

चर्चा में बीआरसी सतेंद्र शरणागत ने बताया कि राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी किया गया। जिसमें सभी विकासखंड में परीक्षा केंद्र बनाए गए जहां पर विद्यार्थियों के द्वारा उपस्थित होकर अपना पेपर हल किया गया। इसी दौरान वारासिवनी विकासखंड में भी दो परीक्षा केंद्र शासकीय स्कूल को बनाया गया। जहां पर ७२६ में से ६९४ परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी ३२ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह परीक्षा शासन के द्वारा विद्यार्थियों को आगे निरंतर शिक्षा अध्ययन करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। जिसमें कक्षा आठवीं के अध्यनरत विद्यार्थियों के द्वारा भाग लिया जाता है जिसके तहत इन्हें वार्षिक छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाती है।

आंबेडकरवादियों ने रैली निकाल जताया आक्रोश

सड़कों पर नारेबाजी कर कार्यवाही ना होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

रविवार को समस्त अंबेडकरवादियों के तत्वाधान में आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। जिसमें वार्ड नंबर एक स्थित महामाया बौद्ध विहार से बौद्ध उपासक उपासिकाओं की रैली निकाली गई। जो नगर के दीनदयाल चौक ,बस स्टैंड ,जय स्तंभ चौक ,नेहरू चौक होते हुए डॉक्टर बी आर आंबेडकर चौक पहुंची। जहां पर बाबा साहब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर त्रिशरण पंचशील का पाठ किया गया। तत्पश्चात यह रैली वापस जय स्तंभ चौक पहुंची जहां विश्वरत्न डॉक्टर भीमराव आंबेडकर पर टिप्पणी करने वाले ग्वालियर निवासी अनिल मिश्रा पर जमकर आक्रोश व्यक्त कर प्रशासन से उक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी एवं कठोरता कार्यवाही करने मांग की गई। इसमें रैली के दौरान मुर्दाबाद सहित विभिन्न प्रकार के नारे लगाए जाते रहे। इसके बाद यह रैली एसडीएम कार्यालय पहुंची जहां महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार के नाम का ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी को सौंपा गया। ज्ञापन में बताया की हम सभी भारत के संविधान, न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्य की भावना में आस्था रखाने वाले नागरिक है। हाल ही में ग्वालियर निवासी वकील अनिल मिश्रा द्वारा भारत रत्न डॉण् भीमराव आंबेडकर जो भारत के संविधान मुख्य शिल्पकार एवं महान समाज सुधारक समाजशास्त्री और देश के पहले कानून मंत्री रहे

हैं। उनके विरुद्ध अत्यंत अपमानजनक, असंवेदनशील, निम्नस्तरीय एवं भड़काऊ वक्तव्य सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से दिए गए हैं। हमारी मांग है कि इस प्रकरण में आरोपी वकील अनिल मिश्रा निवासी ग्वालियर के विरुद्ध शीघ्र कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश जारी किए जाएँ तथा इसका वकालत का लायसेंस रद्द किया जाये। ऐसे आपत्तिजनक एवं समाज विभाजक वक्तव्यों की निष्पक्ष जाँच उच्चस्तरीय समिति से कराई जाए। भविष्य में इस प्रकार के अपराधों की पुनरावृत्ति रोकने हेतु कानूनी और प्रशासनिक सख्ती सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आंबेडकर अनुयाई मौजूद रहे।

अनिल मिश्रा की गरफ्तारी हो अन्यथा ब्राह्मण और दलित समुदाय में टकराव होगा-प्रवीण डोंगरे

पार्षद प्रवीण डोंगरे ने बताया कि ग्वालियर के अनिल मिश्रा जो अधिवक्ता है वह पहली बार जो हमारे समाज के सीजेआई बने है न्यायपालिका का मुख्य पद मिला है तो यह जलन है। जिससे वह बाबा साहब को ऐसा बोल रहा है पहली बार बाबा साहब की वजह से इतना बड़ा पद मिला है। वह पच नहीं रहा है तो अनिल मिश्रा का अपच बाहर निकल रहा है और गलत बयान दे रहे हैं। इनकी गिरफ्तारी हो अन्यथा ब्राह्मण और दलित समुदाय में टकराव होगा इस गड़बड़ बयान देने वाले की गिरफ्तारी होना चाहिए।

कार्यवाही नहीं हुई तो आंबेडकर अनुयाई आंदोलन कर रोड़ पर उतरेंगे- रितेश बोरकर

भीम आर्मी जिला अध्यक्ष रितेश बोरकर ने बताया कि ६ महीने से एक घृणित मानसिकता वाला व्यक्ति अनिल मिश्रा जो ग्वालियर का निवासी और तथाकथित वकील है। सोशल मीडिया पर वह लगातार डॉ.बी.आर आंबेडकर पर अनर्गल टिप्पणी कर रहा है। ५ तारीख को उसने हद पार कर दी डॉ. आंबेडकर को गंदा कहा अंग्रेजों का एजेंट और संविधान बनाने में उनका कोई हस्तक्षेप नहीं है। उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है तो पूरे देश में डॉक्टर आंबेडकर के करोड़ों अनुयाई है वह अकेला घूम रहा है गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लगना चाहिए यह हमारी मांग है कि उसे जेल में डाला जाए। उसी के विरोध में आज महामाया बौद्ध विहार से आक्रोश रैली निकाली गई थी दीनदयाल चौक से आंबेडकर चौक पहुंचे। जहां माल्यार्पण कर थाने में हमने एफआईआर करने मांग की है ,और एसडीएम कार्यालय में महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी दिया है। यदि कार्यवाही नहीं हुई तो आगे आंबेडकर अनुयाई बड़े आंदोलन कर रोड़ पर उतरेंगे।

गोंगपा नेता संजय भलावी ने थामा कांग्रेस का हाथ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के वार्ड नंबर ७ कृषि उपज मंडी परिसर स्थित प्रियंका राहुल गांधी विचार मंच के जिला अध्यक्ष जावेद अली के कार्यालय में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के नेता संजय भलावी कांग्रेस में शामिल हुए। जिसमें राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच जिलाध्यक्ष जावेद अली के द्वारा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, जिलाध्यक्ष संजय उईके ,विधायक विवेक पटेल के निर्देश पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के नेता संजय भलावी को कांग्रेस प्रवेश करवाया गया । जिसमें जावेद अली के द्वारा संजय भलावी को कांग्रेस का गमछा पहनाकर उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। विदित हो की संजय भलावी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के नेता रहे हैं ,उनके द्वारा वर्ष २०१३ में वारासिवनी खैरलांजी विधान सभा क्षेत्र क्रमांक ११२ से प्रत्याशी घोषित हुए थे। जिनके द्वारा चुनाव भी लड़ा गया था इनके द्वारा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी में लंबे समय तक कार्य किया गया और आदिवासी हितों की रक्षा की जाती रही । परंतु व्यक्तिगत कारणों से संजय भलावी ने कांग्रेस पार्टी से प्रभावित होकर सदस्यता ग्रहण की है । संजय भलावी ने बताया कि कांग्रेस बहुत पुरानी पार्टी है इसकी रीति नीति बहुत अच्छी है। जिसने मुझे प्रभावित किया है हमारे द्वारा लगातार कांग्रेस को मजबूत करने का कार्य किया जाएगा और जो भी कार्य मेरे लिए संगठन के माध्यम से दिया जाएगा उसे जमीन पर उतारने का कार्य हमारे द्वारा किया जाएगा। जावेद अली ने बताया कि संजय भलावी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के नेता थे वह कांग्रेस पार्टी के कार्यों से प्रभावित थे और सबसे ज्यादा राहुल गांधी से प्रभावित थे। ऐसे में उनके द्वारा मनसा जाहिर की गई थी जिसमें लगातार चर्चा के बाद उन्होंने आज हमारे कार्यालय में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है। हम सभी उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

संपादकीय

मतदान का असली हक और अदालत का हस्तक्षेप

बिहार में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अब भी मतदाता सूची से जुड़े सवालों के संतोषजनक जवाब सामने नहीं आ सके हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को इस संबंध में निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करने की जरूरत पड़ रही है। हालांकि अदालत की ओर से दिए गए निर्देश आयोग के अपने दायित्व में शामिल होने चाहिए थे। हाल ही में निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की कवायद के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की थी। अब उसमें बाहर किए गए मतदाताओं की संख्या और उनके अधिकारों को लेकर फिर से सवाल उठे हैं। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने साफ कहा कि अंतिम मतदाता सूची से जिन तीन लाख छियासठ हजार लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन सबको अपील करने का उचित अवसर दिया जाए।

अदालत के मुताबिक, प्रभावित लोगों के पास सिर्फ एक पंक्ति का कोई जटिल आदेश नहीं, बल्कि विस्तृत ब्योरा होना चाहिए कि उनके नाम क्यों शामिल नहीं किए गए।

अदालत के मुताबिक, प्रभावित लोगों के पास सिर्फ एक पंक्ति का कोई जटिल आदेश नहीं, बल्कि विस्तृत ब्योरा होना चाहिए कि उनके नाम क्यों शामिल नहीं किए गए।

देश में बहुत सारे लोगों के लिए सरकारी आदेशों की जटिल भाषा समझना कोई आसान काम नहीं है। सिर्फ इस वजह से कितने लोग अपने वाजिब और कानूनी अधिकारों से वंचित हो जाते हैं, यह शोध का विषय है। ऐसे में जब चुनाव के दिन अब बहुत कम रह गए हैं, निर्वाचन आयोग की ओर से आम लोगों को किसी ऐसी भाषा में आदेश दिया जाता है, जो उनकी स्थिति की सटीक और आसान व्याख्या नहीं करता है या वे उससे संतुष्ट नहीं होते हैं, तो उन्हें समझने के लिए आयोग ने क्या व्यवस्था की है। यों भी, अगर किसी व्यक्ति को यह जानकारी नहीं है कि उसका नाम मतदाता सूची से क्यों हटाया गया, तो इस मसले का हल नहीं निकल सकता। फिर अंतिम सूची से हटाए गए वैसे बहुत सारे लोग हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति या फिर जागरूकता का स्तर यह नहीं है कि वे कानूनी सहायता लेकर अपनी मुश्किल को दूर करने की कोशिश करें। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए शीर्ष अदालत ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से अपने जिला स्तरीय निकायों को यह निर्देश जारी करने को कहा कि वे मतदाता सूची से बाहर किए गए सभी मतदाताओं को निर्वाचन आयोग में अपील दायर करने के लिए मुफ्त कानूनी सहायता करें। विडंबना यह है कि मतदाता सूची में सिर्फ पात्र और वैध मतदाताओं का नाम बने रहने की जिस कवायद को पूरी तरह विवादरहित होना चाहिए था, वह कई तरह के आरोपों में घिरी दिखती है और एक तरह से यह राजनीतिक मुद्दा बन गई। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में विदेशियों के होने का भी मुद्दा उठा था। अब अंतिम सूची जारी होने के बाद निर्वाचन आयोग से अगर यह पूछा जा रहा है कि कितने विदेशी लोग पाए गए, तो यह अप्रत्याशित नहीं है। इसके अलावा, अब भी एक ही पते पर कई-कई मतदाताओं के नाम दर्ज होने से लेकर गलत मकान नंबर, अस्पष्ट नाम आदि प्रविष्टियों में गंभीर चूक को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में यह सोचने की जरूरत है कि मतदाता सूची के पूरी तरह शुद्धिकरण के दावे के साथ निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की जो कवायद की, उसका हासिल क्या रहा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि मतदाता सूची में बने रहने के लिए निर्वाचन आयोग ने जिस तरह आधार कार्ड को अमान्य कर दिया था, अगर सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से उसे एक स्वीकार्य दस्तावेज नहीं बताया गया होता, तो कितने और लोग मतदाता सूची से बाहर होते।

दिलचस्प किन्तु सच

जापानी लोग भारतीयों को अपने घर पर क्यों नहीं बुलाते हैं ?

जापान में साल भर से ज्यादा समय से रह रहे एक भारतीय व्यक्ति ने जापान में एक अजीब बात देखी कि उसके जापानी मित्र विनम्र और मददगार थे, किंतु उसे कोई भी अपने घर नहीं बुलाता था। एक कप चाय के लिए भी नहीं। हैरान और आहत होकर, आखिरकार उसने एक जापानी मित्र से पूछा कि ऐसा क्यों? काफी देर तक चुप रहने के बाद, उस दोस्त ने जवाब दिया कि, 'हमें भारतीय इतिहास पढ़ाया जाता है, किंतु प्रेरणा लेने के लिए नहीं, बल्कि एक चेतावनी के तौर पर।' उस भारतीय व्यक्ति ने हैरान होकर पूछा, 'चेतावनी ? भारतीय इतिहास चेतावनी के तौर पर पढ़ाया जाता है? प्लीज़ बताओ क्यों।' जापानी दोस्त ने उससे पूछा, 'कितने अंग्रेजों ने भारत पर राज किया ?' भारतीय व्यक्ति ने कहा, 'शायद... लगभग 10,000 ?' जापानी व्यक्ति ने गंभीरता से हाँ में सिर हिलाया और पूछा उस समय भारत में 30 करोड़ से ज्यादा भारतीय रहते थे। हैं ना ? तो फिर तुम्हारे लोगों पर अत्याचार किसने किया ? उन्हें कोड़े मारने, यातना देने और गोली मारने के आदेशों का पालन किसने किया ? उसने जोर देकर पूछा कि, 'जब जनरल डायर ने जलियांवाला बाग में गोली चलाने का आदेश दिया, तो ट्रिगर किसने दबाया था? क्या वे अंग्रेज़ सैनिक थे ? नहीं, वे भारतीय थे। किसी ने भी जनरल डायर पर अपनी राइफल क्यों नहीं तानी? उसने आगे कहा, तुम जिस गुलामी की बात करते हो ना यही तुम्हारी असली गुलामी थी। शरीर की नहीं, आत्मा की। वह भारतीय व्यक्ति जड़वत, मौन और शर्मिंदा खड़ा सुनता रहा। जापानी मित्र ने आगे कहा, मध्य एशिया से कितने मुगल आए थे? शायद कुछ हजार? और फिर भी उन्होंने सदियों तक तुम पर राज किया। मुगलों ने अपने संख्या बल से भारत में शासन नहीं किया बल्कि तुम्हारे अपने लोगों ने सिर झुका कर मुगलों को सलाम किया। अपने लोगों से द्रोह किया और मुगलों की वफादारी की। या तो जिंदा रहने के लिए या चाँदी के सिक्कों के लिए। तुम्हारे अपने ही लोगों ने अपना धर्म परिवर्तन कर लिया। अपनी बहन-बेटी मुगलों से ब्याह दी। तुम्हारे ही लोगों ने तुम्हारे अपने नायकों को अंग्रेजों को सौंप दिया। चंद्रशेखर आजाद के साथ विश्वासघात किसने किया? वे अल्फ्रेड पार्क में छुपे हैं ये खबर अंग्रेजों को किसने दी ? भगत सिंह को उन लोगों (गांधी-नेहरू) की अनुमति के बिना फाँसी पर चढ़ाना आसान था क्या ? जो कि खुद को देशभक्त कहते थे। तुम भारतीयों को विदेशी दुश्मनों की जरूरत नहीं है। तुम्हारे ही लोग सत्ता, पद और निजी लाभ के लिए बार-बार तुम्हें धोखा देते हैं। इसीलिए हम भारतीयों से दूरी बना कर रखते हैं। जब अंग्रेज हांगकांग और सिंगापुर आए तो एक भी स्थानीय व्यक्ति उनकी सेना में शामिल नहीं हुआ। लेकिन भारत में, तुम सिर्फ दुश्मनों की सेना में ही शामिल नहीं हुए बल्कि तुमने उनकी सेवा की। उनकी पूजा की। उन्हें खुश करने के लिए अपने ही लोगों को मार डाला। तुम भारतीय आज भी नहीं बदले हो। तुमने इतिहास से कोई सबक नहीं लिया है। आज भी थोड़ी सी मुफ्त की बिजली, एक बोतल शराब, एक कंबल दे दे दो और तुम्हारा वोट, तुम्हारा जमीर, तुम्हारी आवाज, सब बिना सोचे-समझे तुम बेच देते हो। तुम्हारी वफादारी तुम्हारे देश के साथ नहीं, बल्कि तुम्हारे पेट के साथ है। तुम नारे लगाते हो। तुम विरोध प्रदर्शन करते हो। लेकिन जब देश को तुम्हारे बलिदान की ज़रूरत पड़ती है, तब तुम कहाँ होते हो ? तुम्हारी पहली वफादारी अभी भी अपने घर-परिवार, पत्नी-बच्चों और धन-संपत्ति के प्रति है। बाकी देश और धर्म सब जाए भाड़ में। इतना कह कर वह जापानी वहाँ से चला गया और वह भारतीय शर्म के मारे सिर नीचा किए वहीं बुत की तरह खड़ा रह गया।

तालिबान के विदेश मंत्री की नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर भारत की महिला पत्रकारों ने कहा- हमें बाहर रखा गया!!

तालिवान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की नई दिल्ली में शुक्रवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर कई महिला पत्रकारों ने कहा है कि उन्हें वहाँ नहीं बुलाया गया। महिला पत्रकारों ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

मुत्तको गुरुवार को भारत पहुँचे हैं और शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक हुई है। 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के कब्जे के बाद यह पहली उच्चस्तरीय बैठक भारत में हुई है।

शुक्रवार की शाम मुत्तकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली स्थित अफगानिस्तान के दूतावास में थी। कई महिला पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि उन्हें इस प्रेस कॉन्फ्रेंस से बाहर रखा गया। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के पब्लिक कम्युनिकेशन के निदेशक हाफिज जिया अहमद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की जो तस्वीर एक्स पर पोस्ट की है, उसमें साफ दिख रहा है कि कोई महिला पत्रकार नहीं है।

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार पर मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन और लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने पर पहले भी विवाद हुए हैं। तालिवान लड़कियों की शिक्षा को गैर-इस्लामिक मानता है।

महिला पत्रकारों की गैरमौजूदगी को लेकर भारत की विपक्षी पार्टियों के नेता भी सवाल पूछ रहे हैं। कांग्रेस सांसद और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम के बेटे कार्ती पी चिदंबरम ने एक्स पर लिखा है, मैं जियोपॉलिटिकल मजबूरियां समझ सकता हूँ, जिसकी वजह से हम तालिवान के साथ बात कर रहे हैं लेकिन उनके भेदभावपूर्ण और आदिकालीन रीति-रिवाजों को स्वीकार करना पूरी तरह से हास्यास्पद है। यह बहुत ही निराशाजनक है कि तालिबान की प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकारों को बाहर रखा गया। कार्ती चिदंबरम ने इस पोस्ट में विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी टैग किया है।

वहीं तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने एक्स पर लिखा है, हमारी सरकार तालिबान के विदेश मंत्री अमीर मुत्तकी को न्यूज कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को बाहर रखने की अनुमति देने की हिम्मत कैसे कर सकती है। भारत की जमीन पर पूरे प्रोटोकॉल के साथ ऐसा करने की अनुमति कैसे दी जा सकती है? जयशंकर इससे सहमत कैसे हो सकते हैं? हमारे री?वहीन पुरुष पत्रकार इस न्यूज कॉन्फ्रेंस में कैसे रहे?

महिला पत्रकारों ने क्या-क्या कहा

कई महिला पत्रकारों ने इसे 'अस्वीकार्य' बताया और कहा कि किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में लैंगिक आधार पर भेदभाव लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। कुछ ने सवाल उठाया कि अगर तालिबान भारत में आकर भी महिलाओं को नजरअंदाज कर सकता है, तो यह अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति के प्रति उनकी सोच को और साफ करता है। विदेश मामलों को कवर करने वाली पत्रकार स्मिता शर्मा ने सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स पर पोस्ट किया कि मुत्तकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में किसी भी महिला पत्रकार को आमंत्रित नहीं किया गया था। उस दिन जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी नई दिल्ली स्थित अफगानिस्तान दूतावास में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। दुर्भाग्य से, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में देश विदेश की एक भी महिला पत्रकार को अनुमति नहीं दी गई। मैंने दूतावास के गेट पर सुरक्षाकर्मियों से इस मुद्दे पर बात की लेकिन उन्होंने मेरी एक न सुनी।

नई दिल्ली में अफगानिस्तान के दूतावास में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था-जिसमे देश की महिला पत्रकारों को नहीं बुलाया गया था।

'विदेश मंत्री जयशंकर और मुत्तकी के साथ बातचीत के बाद शुरुआती वक्तव्य में अफगानिस्तान की लड़कियों और महिलाओं की भयानक दुर्दशा का कोई उल्लेख नहीं किया गया।' हमारी सुरक्षा चिंताओं की वजह से मुत्तकी का रेड कार्पेट बिछाकर उस देश में स्वागत किया गया जो महिलाओं की उपलब्धि और नेतृत्व पर गर्व करते हैं। यह है आज की वैश्विक राजनीति।

स्मिता शर्मा के पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए पत्रकार निरुपमा सुब्रमण्यम ने सवाल किया कि 'महिला सहकर्मियों को अलग रखने के मुद्दे पर क्या पुरुष पत्रकारों ने अपना विरोध नहीं दर्ज कराया ?'

'प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिलाओं को शामिल कराने की कोशिश की'

एनडीटीवी के सीनियर एग्जीक्यूटिव एडिटर आदित्य राज कौल ने लिखा, अफगानिस्तान में तालिबान सरकार यह तब हुआ जब सभी महिला पत्रकारों ने ड्रेस कोड का सम्मान किया, खुद को पूरी तरह से ढका हुआ था। लेकिन तालिबान के लिए कुछ भी काम नहीं आया।

वहीं द हिंदू अखबार की डिप्लोमैटिक अफेयर्स एडिटर सुहासिनी हैदर ने स्मिता शर्मा के पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए लिखा, %सरकार पूरे आधिकारिक प्रोटोकॉल के साथ तालिबान प्रतिनिधिमंडल की मेज़बानी कर रही है। वहीं इससे भी अधिक हास्यास्पद बात यह है कि तालिबान के विदेश मंत्री को महिलाओं को लेकर उनके घिनौने और अवैध भेदभाव को भारत में लाने की अनुमति है।

वहीं पत्रकार गीता मोहन ने लिखा, अफगान तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को निमंत्रण नहीं दिया गया। अस्वीकार्य। हिंदू ग्रुप की डायरेक्टर मालिनी पार्थसारथी ने कहा, 'मैं सहमत हूं। बतौर समाचार संस्थान, हमें उन प्रेस कॉन्फ्रेंसों को कवर नहीं करना चाहिए जहां महिला पत्रकारों के प्रवेश को रोका जाता है। मीडिया को तालिबान के विदेश मंत्री की दिल्ली में हुई बैठकों की रिपोर्ट भी प्रकाशित या प्रसारित नहीं करनी चाहिए।'

इंडिपेंडेंट की पत्रकार अर्पण राय ने कौल के समर्थन में लिखा, 'आदित्य राज कौल उन दो पत्रकारों में से एक थे जिन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिलाओं को शामिल कराने की कोशिश की। उन्होंने वहीं खड़े होकर पूछा कि महिलाओं को अनुमति कैसे नहीं दी जा सकती।'

द हिंदू की डिप्टी एडिटर विजेता सिंह ने लिखा, मेरी राय में पुरुष पत्रकारों को विरोध के तौर पर उस प्रेस कॉन्फ्रेंस से निकल जाना चाहिए था। स्तंभकार और लेखक स्वाति चतुर्वेदी ने लिखा, 'पहले तो आप बर्बर तालिबान को हमारे देश में घुसने देकर भारत की धरती को अपवित्र करते हैं और फिर खुशी-खुशी उन्हें महिलाओं के प्रति अपने लैंगिक भेदभाव वाले कानूनों को लागू करने देते हैं, जो भारत में पाषाण युग से चले आ रहे हैं। अविश्वसनीय! आपको महिला पत्रकारों को प्रेस कॉन्फ्रेंस में जाने से रोकने के बजाय उन्हें लैंगिक समानता का पाठ पढ़ाना चाहिए था। क्या आप में हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खड़े होने की हिम्मत नहीं है?'

इतिहासकार रुचिका शर्मा ने लिखा, 'ये भारत है, अफगानिस्तान नहीं! उनकी हिम्मत कैसे हुई कि उन्होंने महिला पत्रकारों को भारतीय धरती पर तालिबान की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने की इजाजत नहीं दी? भारत सरकार को क्या हो गया है?'

तालिबान पर लगते रहे हैं मानवाधिकार उलंघन के आरोप

अगस्त 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। तब से देश में तालिबान की सरकार है। इस दौरान महिलाओं पर कई पाबंदियां लगाई गई हैं और मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगातार सामने आते रहे हैं। इससे पहले अफगान महिलाओं ने बीबीसी से कहा कि जब से 12 साल से बड़ी लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाया गया है, इंटरनेट उनके लिए बाहरी दुनिया से जुड़ने का एकमात्र सहारा बन गया है। महिलाओं के रोजगार के अवसरों में भी भारी कमी आई है। पिछले साल विश्वविद्यालयों से महिला लेखिकाओं की किताबें हटाई गई।

(बीबीसी से साभार)

इस दौर की दुश्वारियां और हमारा देश

अजीब दौर से गुजर रहा है अपना देश। इतना अजीब दौर है कि जिनका काम है शासन चलाना, वे उलझे हुए हैं इस चिंता में कि हम क्या खा रहे हैं, क्या पी रहे हैं, शादी किससे कर रहे हैं, प्यार किससे कर रहे हैं। इन चीजों के आधार पर हमारे शासक हमें आजकल प्रमाण-पत्र देने में लगे हुए हैं। सो, बिहार के मुख्यमंत्री ने पिछले सप्ताह फैसला सुनाया कि जो लोग शराब पीते हैं, उनको भारतीय नहीं कहा जा सकता। दक्षिणी दिल्ली के एक मामूली अफसर ने तय किया कि नवरात्रों में मीट-मुर्गे बेचने वाली दुकानें बंद रहेंगी, हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए। यह फैसला हजम ही कर रहे थे हम कि भारतीय जनता पार्टी के एक सांसद ने कहा कि इस फैसले को पूरे देश में लागू करना चाहिए।

हमको पूछना चाहिए ऊंची आवाज करके कि ये लोग होते कौन हैं इस तरह के फैसले लेने वाले। मगर माहौल कुछ ऐसा बन गया है %न्यू इंडिया% में कि लोग डर के मारे इस तरह के प्रश्न नहीं पूछते हैं। जानते हैं कि उल्टे-सीधे सवाल करने वालों का हश्र अक्सर यह होता है कि केंद्र सरकार की प्रवर्तन निदेशालय जैसी जांच एजेंसियां पहुंच जाती हैं आधी रात को आपसे पूछताछ करने या फिर किसी और तरह आपकी शामत आ सकती है। पिछले सप्ताह दो पत्रकारों को विदेश जाने से उस समय रोका गया, जब वे जहाज पर चढ़ने वाले थे। दोनों ने मोदी सरकार की नीतियों का विरोध किया है। जब शाहरुख खान के बेटे को एक पूरा महीना जेल में बंद किया जा सकता है झूठे आरोप लगा कर, तो हम आप का क्या हो सकता है?

मगर डर डर के ही सही, सवाल तो हमको पूछने चाहिए कि लोगों की निजी जिंदगी के फैसलों में क्यों आजकल सरकारी अधिकारी और राजनेता दखल दे रहे हैं, जब अपना काम नहीं कर पा रहे हैं। स्कूल अस्पताल बेहाल हैं, महंगाई का यह आलम है कि पिछले दो हफ्तों में हर दूसरे दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। और जिनका काम है इन चीजों को ठीक करना, वे उलझे हैं खाने-पीने के प्रतिबंधों में, ताकि प्रशासनिक विफलताओं से हमारा ध्यान भटका रहे।

पिछले दिनों मुझे विश्वास-सा हो गया कि सोची-समझी रणनीति के तहत हिंदुओं और मुसलमानों में तनाव फैलाया जा रहा है, ताकि असली मुद्दों से हमारा ध्यान हट जाए। कर्नाटक में चुनाव नजदीक आ रहे हैं, सो वहां पहले हिजाब को लेकर खूब हल्ला मचा, फिर आई बारी हलाल की और इतने में नवरात्रों में मीट की दुकानें बंद करवाने का ऐसे ही चलता रहा देश, तो वह दिन दूर नहीं, जब हममें और कट्टरपंथी इस्लामी मुल्कों में फर्क मिट जाएगा। जाएग हम भी उनकी तरह इतने प्रतिबंध लगा बैठेंगे खाने-पीने और पहनावे पर कि परिवर्तन तो आएगा जरूर, लेकिन ऐसा जो हमें पीछे की तरफ लेकर जाएगा, आगे नहीं। ऐसा अगर गर होता है, तो हमको भारत के महाशक्ति बनने का सपना भूलना होगा। सिलसिला शुरू हुआ।

इन मुद्दों के बीच डूब गया है शिक्षा का मुद्दा। स्कूल अब खुल गए हैं दो साल बंद रहने के बाद, लेकिन समस्या यह है कि लाखों की तादाद में बच्चे ऐसे हैं देश में, जो लिखना पढ़ना भूल कर वापस लौट रहे हैं स्कूलों में। अनुमान लगाया जाता है कि भारत के साठ फीसद बच्चे ऐसे हैं, जो पिछले दो वर्षों में आनलाइन पढ़ाई करने के काबिल नहीं थे, क्योंकि उनके माता-पिता स्मार्ट फोन खरीदने की क्षमता नहीं रखते हैं। इन बच्चों में कुछ ऐसे हैं, जो दस ग्यारह बरस के हैं, लेकिन अक्षर तक पहचान नहीं पाते हैं।

कोरोना ने हमें अगर सिखाया होता कि स्वास्थ्य सेवाओं में गंभीर खामियां हैं, तो कुछ तो इस महामारी से लाभ होता, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ है। आज भी 1445 भारतीयों पर सिर्फ एक डाक्टर उपलब्ध है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन

के हिसाब से एक हजार लोगों के लिए कम से कम एक डाक्टर होना चाहिए। मेडिकल कालेजों की कितनी कमी है, हमको तब मालूम हुआ जब यूक्रेन से हमारे बीस हजार मेडिकल छात्रों को वापस घर ले आने की नौबत आई। ऐसा क्यों है कि इन चीजों की बात करने के बदले हमारे शासक लगे रहते हैं ऐसे मुद्दों को उठाने में, जो बेमतलब हैं और जिनसे देश में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दरारें और गहरी हो जाती हैं? ऐसे सवाल करने को हम पत्रकार भी तैयार नहीं हैं %न्यू इंडिया% में डर इतना है हममें कि जब डब्ल्यूएचओ ने पिछले सप्ताह ऐलान किया कि हमारी देशी कोवैक्सीन में नुक्स हैं, जिनको सुधारे बिना उसका इस्तेमाल बंद हो जाएगा, तो शायद ही किसी अखबार या टीवी चैनल ने इसका जिक्र किया। और जहां किया गया, वहां दबी जबान में।

नतीजा यह कि निकट भविष्य में देश के बड़े मुद्दे यही रहेंगे कि नवरात्रों में हमको क्या खाना चाहिए और क्या शराब पीने से हम वास्तव में अपनी भारतीय पहचान खो देते हैं। ऊपर से है मुद्दा लव जिहाद का। इसकी चर्चा खूब होने वाली हैं उन राज्यों में, जहां इस साल चुनाव होने वाले हैं। ऐसे ही चलता रहा देश, तो वह दिन दूर नहीं, जब हममें और कट्टरपंथी इस्लामी मुल्कों में फर्क मिट जाएगा। हम भी उनकी तरह इतने प्रतिबंध लगा बैठेंगे खाने-पीने और पहनावे पर कि परिवर्तन तो आएगा जरूर, लेकिन ऐसा जो हमें पीछे की तरफ लेकर जाएगा, आगे नहीं। ऐसा अगर होता है, तो हमको भारत के महाशक्ति बनने का सपना भूलना होगा। अपने पड़ोसी दुश्मन मुल्क से हमको कम से कम इतना तो सीखना चाहिए कि किसी खोए हुए पुराने दौर की खोज करने से नुकसान होता है, लाभ नहीं।

इमरान खान ढेर सारी उम्मीदें लेकर बने थे प्रधानमंत्री 2018 में और अब जब जाने का समय आ गया है उनका, तो पीछे की तरफ जाने की बातें करते फिर रहे हैं। अपने देशवासियों से जब वोट मांगेंगे, तो उनका वादा होगा पाकिस्तान में रियासत-ए-मदीना कायम करने का। पीछे की तरफ वही देश जाते हैं, जिनको भविष्य से कोई उम्मीद नहीं रहती है, जिनका भविष्य रोशन नहीं दिखता है। दुआ करो कि ऐसा भारत में कभी न हो।

-तवलीन सिंह

जहां शब्द मौन हो जाते हैं

कभी-कभी जीवन एक ऐसे बिंदु पर आ खड़ा होता है जहां शब्द मौन हो जाते हैं, रास्ते धुंधले और मन किसी अनकहे उत्तर की तलाश में भटकता है। ऐसे ही क्षणों में भीतर कहीं कोई हल्की-सी रोशनी जलती है, कोई विचार, कोई बेचैनी, कोई चुप्पी, जो धीरे-धीरे हमें आगे बढ़ने के लिए कहती है। उसी मौन रोशनी का नाम है प्रेरणा। यह केवल कोई कोई मनोवैज्ञानिक उत्तेजना नहीं है। यह दरअसल वैसी जीवन-चेतना है, जो व्यक्ति को शून्यता से सृजन की ओर, संशय से संकल्प की ओर और निष्क्रियता से नवाचार की ओर ले जाती है। यह कोई ऊंचा आदर्श नहीं, बल्कि भीतर से उठती एक चिंगारी है, जो तमाम अंधेरों के बावजूद जलती रहती है।

प्रश्न यह है कि यह प्रेरणा आती कहां से है? क्या वह बाहर से किसी प्रेरक वक्तव्य, किसी आदर्श चरित्र या किसी सामाजिक प्रशंसा के रूप में आती है? या वह भीतर जन्म लेती है- एक मौन ज्योति के रूप में, जो संकल्प और संयम के अंधकार में भी प्रकाशित रहती है? आज के समय में जब हर ओर प्रतिस्पर्धा, प्रदर्शन और मान्यता की होड़ मची है, तो प्रेरणा को भी बाहरी मानकों से जोड़ दिया गया है। आज प्रेरणा भी एक %दृश्य उत्पाद% बन गई है। लोग केवल उतना ही करते हैं, जितना उन्हें दिखाई दे। उतना ही बोलते हैं, जितना उन्हें सराहा जाए। नतीजतन, प्रेरणा का स्रोत धीरे-धीरे बाह्य बनता जा रहा है। सोशल मीडिया पर समर्थकों, पसंदगी का चटका, पुरस्कार और प्रचार इसकी नई इकाइयां हैं। पर यह प्रेरणा नहीं, अपेक्षा है और अपेक्षा से उत्पन्न कर्म आमतौर पर अस्थायी होता है। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते %कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि।% यह श्लोक उस गहन सिद्धांत को प्रकट करता है, जहां प्रेरणा किसी फल की प्राप्ति से नहीं, बल्कि खुद कर्म की पवित्रता से जन्म लेती है। यह प्रेरणा भीतर से उठती है, जहां कोई दर्शक नहीं, कोई तालियां नहीं, फिर भी व्यक्ति अपने कार्य में रत रहता है, क्योंकि वह जानता है कि यही उसका धर्म है। यही भीतर से उपजी प्रेरणा है, जो फल की अपेक्षा किए बिना भी कर्मरत रहती है। भीतरी प्रेरणा आत्मबोध से जन्म लेती है, एक ऐसी स्थिति, जहां व्यक्ति न केवल यह जानता है कि वह क्या कर रहा है, बल्कि यह भी कि क्यों कर रहा है। यह प्रेरणा आत्मा की वह अग्नि है, जो बाहरी हवा से नहीं, भीतर की चिंगारी से जलती जब हर जगह प्रदर्शन और मान्यता की होड़ मची है, तो प्रेरणा को भी बाहरी मानकों से जोड़ दिया गया है। आज प्रेरणा भी एक 'दृश्य उत्पाद' बन गई है। है लोग केवल उतना ही करते हैं, जितना उन्हें दिखाई दे। उतना ही बोलते हैं, जितना उन्हें सराहा जाए। नतीजतन, प्रेरणा का स्रोत धीरे-धीरे बाह्य बनता जा रहा है। यह लौ वह शक्ति है, जो न देखे जाने पर भी जलती रहती है। इसी भीतर से उठती प्रेरणा ने बुद्ध को ज्ञान की ओर, विवेकानंद को समाजोत्थान की ओर और कल्पना चावला को अंतरिक्ष की ओर बढ़ने का संबल दिया। यही वह मौन शक्ति है, जो गांधी को सत्याग्रह की राह पर ले जाती है, अब्दुल कलाम को प्रयोगशालाओं में रातें गुजारने की शक्ति देती है और एक मां को थकावट की हर सीमा लांघने की हिम्मत देती है। भीतर से उपजी प्रेरणा निरंतर बहती है। वह किसी मान्यता की मोहताज नहीं होती। वह तब भी जीवित रहती है जब कोई देखने वाला नहीं होता, और तब भी गतिशील रहती है जब संसार मौन हो। भीतर से उपजी प्रेरणा हमें दूसरों की नकल नहीं करने देती, बल्कि हमारे अपने मौलिक स्वरूप को उजागर करती है। यह प्रेरणा हमें प्रतिस्पर्धा से परे, सृजन की ओर ले जाती है। इसलिए प्रेरणा का स्रोत तय करता है कि हमारा जीवन दिशा में बहेगा या दिशा-भ्रम में उलझेगा। हमने इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण देखे हैं, जहां व्यक्ति ने विपरीत परिस्थितियों में भी अद्भुत कार्य कर दिखाए, क्योंकि उनकी प्रेरणा बाह्य नहीं थी। हालांकि बाहरी प्रेरणा की भूमिका को भी पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। वह दिशा देती है, कभी-कभी गति भी। मगर यह प्रेरणा अक्सर क्षणिक होती है। जैसे ही वाहवाही का शोर थमता है, वह ऊर्जा भी धीमी पड़ने लगती है। ओर प्रतिस्पर्धा, बाहरी प्रेरणा तब तक प्रभावी है, जब तक उसका स्रोत हमारे सामने जीवित है। जैसे ही वह स्रोत छूटता है, चाहे वह पुरस्कार हो, प्रशंसा हो या लोकप्रियता-लोकप्रियत हमारा उत्साह भी मुरझाने लगता है। तब कर्म कोई रचनात्मक यात्रा नहीं रह जाता, बल्कि एक गणना बन जाता है- एक सौदेबाजी, जहां कर्म फल के लिए होती है, न कि कर्म के लिए। और जब संपूर्ण प्रेरणा बाहर से आने लगे, तो व्यक्ति एक तरह से 'दृश्य उपलब्धियों' का बंदी बन जाता है। वह जो करता है, वह इसलिए नहीं + करता कि वह ठीक है, बल्कि इसलिए कि वह प्रशंसनीय दिखे। धीरे-धीरे वह स्वयं से कटने लगता है। उसकी दिशा समाज तय करता है, संकल्प नहीं। बाहरी प्रेरणा रास्ता दिखा सकती है, लेकिन चलने की ताकत भीतर से ही आती है। फिर जब प्रेरणा भीतर से उठती है, तब व्यक्ति थमता नहीं, भले ही कोई देख रहा हो या नहीं। वह काम करता है, क्योंकि वही उसका धर्म है। वही उसका उत्तर है, अपने आपसे। आखिर प्रश्न यह नहीं कि प्रेरणा कहां से आती है बाहर से या भीतर से, बल्कि यह है कि हम किस प्रेरणा को अपनी जीवन-दिशा बनने देते हैं। जो प्रेरणा केवल दिखावे से संचालित हो, तो वह कब तक टिकेगी? और जो प्रेरणा आत्मा की भाषा में बोले, वह कैसे चुप रह सकती है?

-जय प्रकाश पांडेय

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर।एजेंसी। आयातित मालों में तेजी और ताजा लेवाली से आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार सुर्ख रहे। तिलहनों में सोयाबीन बाजार नरमी पर रहे। दलहनों में मूंग बाजार ढ़ीले रहे। किराना जिंसों में खोपरा गोला मजबूत बना रहा।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में ग्राहकी सामान्य रही। शक्कर में त्यौहारी माँग से 10-20 रू. प्रति क्विंटल का इजाफा रहा। शक्कर ऊँचे में सप्ताह के दौरान 4310 रू. प्रति क्विंटल पर आ गयी। खोपरा गोला लेवाली रहने से भावों में 20-30 रू. प्रति किलो का इजाफा देखा गया। खोपरा गोला बड़कर 320-390 रू. प्रति किलो पर आ गया। हरि इलायची में दिसावर बाजार कमजोर रहने से भावों में सुस्ती देखी गयी। बड़ी इलायची बाजार सप्ताह के दौरान 2650-3300 रू. प्रति किलो के बीच रहे। सूखे मेवों में ग्राहकी अच्छी रही। बादाम व काजू में ऊपरी स्तरों पर बाजार मजबूत देखे गये। नारियलों में आवकें कमजोर है। लेकिन सप्ताहंत में दिसावर कमजोर रहने व ट्रक हड़ताल समाप्ति के साथ आवकें बढ़ने से नारियलों में बाजार 100-300 रू. प्रति थैले तक कमजोर पड़े। नारियलों में 120 भरती मालों में बाजार 3700-3750 रू. प्रति थैले से घटकर 3500-3700 रू. प्रति थैले पर आ गये। अन्य किराना जिंसों में बाजार पूर्वस्तर पर मजबूत बने रहे।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार अच्छा रहा। सींगदाना तेलों में गुजरात लाइन पर 1350-1370 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। सोया व कपास्या तेलों में बाजार 25-45 रू. प्रति 10 किलो से सुधर गये और सोया तेल रिफाइंड मालों में बाजार 1260-1265 रू. प्रति 10 किलो पर मजबूत देखे गये। तिलहनों में सोयाबीन 50 रू. प्रति क्व?ंटल से सुधरकर 4350 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। सरसो व रायडे में बाजार मजबूती बनाये रहे।

दाल दलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चना 5900-5950 रू. प्रति क्विंटल पर टिका रहा। वहीं, तुअर में पूछपरख से भावों में 100-200 रू. प्रति क्विंटल का इजाफा रहा। उड़द में बाजार 7000-7500 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूती बनाये रहे। मसूर में छुटपुट लेवाली के बीच भावों में मजबूती कायम रही। मसूर में बाजार 6000-6100 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूती बनाये रहे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई रिपोर्ट के अनुसार

नई दिल्ली।एजेंसी। देश का व्यापार घाटा सितंबर में करीब 13 हजार करोड़ रुपए बढ़ सकता है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2025 में भारत का व्यापार घाटा 28.0 बिलियन डॉलर (2.48 लाख करोड़) तक पहुंचने का का अनुमान है। यह आंकड़ा अगस्त के 26.5 बिलियन डॉलर (2.35 लाख करोड़) से .1.5 बिलियन डॉलर ज्यादा है। इस भारी उछाल का सबसे बड़ा कारण देश में सोने का आयात बढना है। सितंबर में दाम बढने के बावजूद सोने का आयात लगभग दुगना हो गया। इस साल सोने की कीमत 45,363 रुपए बढ़ी है लेकिन लोगों ने खरीदारी कम नहीं की। सितंबर में सोने का आयात अगस्त के मुकाबले लगभग दुगना होने की उम्मीद है। इस मांग के पीछे मुख्य कारण त्योहारी सीजन और शादियों का मौसम है, जिसके शुरू होते ही भारतीय बाजारों में सोने की खरीददारी बढ़ जाती है।

भारत का सुस्त निर्यात भी घाटे का कारण

सोने के आयात के अलावा, भारत का निर्यात भी सुस्त बना हुआ है, जिसका एक बड़ा कारण वैश्विक मांग में कमी और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में देरी है। अमेरिका भारत के कुल माल निर्यात का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा खरीदता है। अमेरिका से द्विपक्षीय व्यापार की गति धीमी होने से भारतीय निर्यात पर सीधा असर पड़ा है। हालांकि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पुष्टि की है कि अमेरिका के साथ पहले चरण के व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है, जिसके नवंबर 2025 तक जारी रहने की उम्मीद है। यदि यह समझौता हो जाता है, तो टैरिफ कम होने से अमेरिका को निर्यात में तेजी आ सकती है।

एसबीआई की नई पहल- महिला कर्मचारियों की हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली।एजेंसी। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीति बनाई है। बैंक का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में अपने कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी को 27 फीसदी से बढ़ाकर 30 फीसदी करना है। एसबीआई के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने बताया कि अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों में महिला भागीदारी पहले से ही लगभग 33 फीसदी है, लेकिन कुल कार्यबल में यह केवल 27 फीसदी है। इस अंतर को पाटने के लिए बैंक ने कई कदम उठाए हैं। बैंक की एम्पावर हर पहल के माध्यम से महिलाओं को नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके तहत कोचिंग, मार्गदर्शन और नेतृत्व विकास सत्र आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा, मातृत्व अवकाश या बीमारी के बाद लौटने वाली महिला कर्मचारियों के लिए पुनर्वास प्रशिक्षण और पारिवारिक संपर्क कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कामकाजी माताओं को क्रेश भत्ता, गर्भवती महिलाओं को पोषण भत्ता और स्तन व गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जांच जैसी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। बैंक ने गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का टीकाकरण अभियान भी शुरू किया है। बैंक की 340 से अधिक शाखाएं केवल महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित की जा रही हैं, जो समावेशी कार्यस्थल की दिशा में एक मजबूत संकेत है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता बढ़ाएगा निर्यात और निवेश

नई दिल्ली।एजेंसी। भारत और ब्रिटेन के बीच वृहद आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) पर 24 जुलाई को हस्ताक्षर हुए हैं, जो अगले साल लागू होने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार यह समझौता भारत के निर्यात को बढ़ावा देगा और ब्रिटेन से निवेश आकर्षित करेगा। एक वैश्विक पेशेवर सेवा नेटवर्क के मुताबिक कपड़ा, वाहन कलपुर्जा, जूते-चप्पल और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्र इस समझौते से लाभान्वित होंगे, क्योंकि लगभग 99 फीसदी भारतीय निर्यात के लिए शुल्क-मुक्त बाजार मिलेगा। इसके साथ ही, भारतीय आईटी, वित्तीय, स्वास्थ्य सेवा और पेशेवर सेवा प्रदाताओं के लिए ब्रिटेन के बाजार में नए अवसर खुलेंगे। यह समझौता कुशल पेशेवरों की आवाजाही को आसान बनाएगा और शिक्षा, नवोन्मेषण व अनुसंधान में सहयोग को मजबूत करेगा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए रहेगा। आपको किसी योजना में अपेक्षा से अधिक धन मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा होना होगा। आप अपने जरूरी मामले पर गंभीरता से सोच विचार करें और आप अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालेंगे। आपको घर और बाहर के कामों में तालमेल बनाकर चलना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथियों से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आप किसी मकान की खरीदारी के लिए कोई लोन अप्लाई कर सकते हैं। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और परिवार में किसी सदस्य की आपको कोई बात बुरी लग सकती हैं। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है। आपको वाहनों के प्रयोग से थोड़ा सावधान रहना होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप दूसरों के मामले में बेवजह ना बोले, नहीं तो आपको बेवजह का तनाव बना रहेगा। आप संतान के करियर को लेकर अपने जीवनसाथी से सलाह मशवरा कर सकते हैं। आपका कोई काम लंबे समय से रुका हुआ होने से आपके मन में समस्या रहेगी, जिसे पूरा करने की कोशिश में आप लगे रहेंगे। आपको अपनी आय को बढ़ाने के सोर्स पर पूरा ध्यान देना होगा।

कर्क- आज आपको व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति से बातचीत करनी होगी। आपका किसी बात को लेकर मन परेशान रहेगा। आप बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें। आपका काम को लेकर मनोबल बढ़ेगा, लेकिन नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे लोगों को थोड़ा सावधान रहना होगा। आपके बॉस आपके कामों की सराहना करेंगे। आप कहीं बाहर घूमने-फिरने भी जा सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए प्रभाव और प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको अपने कामों को लेकर पूरी ईमानदारी दिखानी होगी। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी हो सकती है। भौतिक संसाधनों में वृद्धि होगी। आप अपनी शौक और मौज की चीजों पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे। आपको किसी पुरानी गलती को लेकर पछतावा हो सकता है।

कन्या- व्यापार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आपको काम थोड़ा सोच समझकर करने होंगे। नौकरी की तलाश में लगे लोगों को किसी मनचाही नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। आपको अत्यधिक फायदे के चक्कर में धन लगाने से बचना होगा। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से भी सबक लेना होगा। जीवनसाथी से आप संतान के करियर को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए कुछ नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहने की आवश्यकता है। यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी को लेकर परेशान थे, तो आपकी वह समस्या भी दूर होगी। आपको कानूनी मामलों में अपनी आंख और कान को खुले रखने होंगे। आप किसी काम को लेकर दूसरों पर डिपेंड ना रहें। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आपको अपने किसी बड़े लक्ष्य पर पूरा ध्यान देना होगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। मित्रों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ कुछ आनंदमय पल व्यतीत करेंगे। पेट से संबंधित कोई समस्या आपको परेशानियों दे सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा। आप अपनी पुरानी समस्याओं को लेकर परेशान रहेंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपकी कुछ पुराने लोगों से मुलाकात होगी। आपके कामों से आपकी एक नई पहचान मिलेगी। बिजनेस में आपका कोई प्रोजेक्ट लंबे समय से रुका हुआ था, तो उसके भी पूरा होने की संभावना है। आपको वाहनों के प्रयोग में सावधानी बरतनी होगी। भाइयों की मदद से आपको अच्छा फायदा मिलेगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है।

मकर- आज आपको भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा। आपके प्रतिद्वंदी भी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं। आप अपने खान-पान पर पूरा ध्यान दें। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अपने कामों से सफलता मिलेगी। आपकी किसी नए काम को करने की इच्छा जागृत हो सकती है। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अपने कामों को कल पर टालने से बचना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आप अपने कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड ना रहें। आपको आय और व्यय में तालमेल बनकर चलना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। यदि आपको किसी बात को लेकर कोई चिंता थी, तो वह भी दूर होगी। परिवार के सदस्यों के साथ कहीं घूमने-फिरने जा सकते हैं। आप अपने संतान को यदि कोई जिम्मेदारी देंगे, तो वह उस पर खरी उतरेगी और आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी।

शब्दजाल - 8048

शब्दजाल में अनिल कपूर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

ताल, विरासत, राम लखन, तेजाब, बेटा, मन, पुकार, नायक, बेवफा, बुलंदी.

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	वि	न	र	क
ना	य	क	को	ट	व	जी	रा	इ	ल	
आ	बे	दे	पू	ह	जी	स्म	स	क	मा	दि
पु	ची	व	श	ट	ज	प	त	पा	ल	र
का	त	ई	फ	मे	व	खें	जा	भा	ख	ते
र	मे	म	दे	ला	बे	ट	न	ई	न	जा
ट	जं	ब्स	मे	बु	क	ता	या	न	है	व
च	म	न	ए	सं	लं	प	र	ली	म	ए
ले	बो	र्न	य	त	चि	दी	री	ता	न	क्स
त	रा	जु	न	ज	बा	त्र	व	ल	म	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

शब्दजाल - 8047 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6992

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेंद्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6991

को	ह	रा		आँ	धी		आ	नं	द
ह		म		खें		जो	र	दा	र
रा	जा	जा	नी		ध	र	ती		मि
म		ने		क	र्मा			सा	या
	रा		आ		त्मा		सा	ज	न
रा	स्ते	प्या	र	के		श		औ	
	का		जू		मे	रा	ध	र	म
स	प	ने		दु	ला	रा		आ	ह
	त्थ		प्या				स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या		सू	र	ज	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

७ मंगल बुध; सूर्य शुक्र ६; केतु ५; ४; ८; ९; ३ चंद्र गुरु; १२ शनि; १०; ११ राहु; १; २

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.19 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृश्चिक	08.33 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.49 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.54 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.41 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.14 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.44 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.24 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.22 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.36 बजे से
7.30 से 9.00		सिंह	01.52 बजे से
बजे तक		कन्या	04.04 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 286 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 12.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 12.27 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 08.10 बजे तदनन्तर शिव 05.55 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 12.25 बजे तदनन्तर बालव 23.43 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 07° 47' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872496 **जूलियन दिन** 2460961.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 20 **विशेष** अहोई अष्टमी, राधा कुंड स्नान, कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सच्ची आध्यात्मिकता

एक व्यक्ति किसी फकीर के पास साधना सीखने गया। फकीर की चारों ओर बहुत ख्याति थी। उनके आशीर्वाद से बीमार स्वस्थ हो जाते थे और लोगों की परेशानियां दूर हो जाती थीं। दूर-दूर से पीड़ित लोग उनके यहां आते, दुआएं मांगते और प्रसन्न होकर जाते। जब वह आदमी संत के पास पहुंचा तो देखा कि फकीर एक टोकरी में से दाना निकालकर पक्षियों को चुगा रहे थे। उन्हें चुगते देख कर वे बच्चों तरह खुश हो उठते थे। इस तरह लंबा समय बीत गया। न फकीर ने उस व्यक्ति की ओर देखा और न दाना चुगाना ही बंद किया। आने वाला परेशान हो गया। वह फकीर की ओर बढ़ा। उसे सामने देखते ही फकीर ने टोकरी उसके हाथों में थमा दी और कहा, अब तुम पक्षियों के साथ आनंद का अनुभव करो। वह व्यक्ति सोचने लगा, कहां तो मैं इनसे आध्यात्मिक साधना का रहस्य जानने आया हूं और ये हैं कि मुझे पक्षियों को दाना चुगाने को कह रहे हैं। फकीर ने उसके मन की बात पढ़ ली। वह बोले, स्वयं की परेशानियों को भूल कर दूसरों को आनंद पहुंचाने का प्रयत्न ही जीवन की हर सिद्धि और आनंद का राज है। यदि तुम स्वयं सुख और आनंद पाना चाहते हो, तो वही दूसरे को भी देना सीखो। तुम यदि यह साध सकोगे तो तुम्हारी सारी साधना हो जाएगी। जो लोग आध्यात्मिकता को किसी खास नियम और जीवन शैली में देखते हैं, वे उसके नैसर्गिक पक्ष से वंचित रह जाते हैं। खरा आध्यात्मिक जीवन दूसरों को सुख बांटने में होता है। उसमें आनंद और खुलेपन का अनुभव होता है। एक छोटे से उदाहरण से वह व्यक्ति आध्यात्मिकता के रहस्य को समझ गया।

सूडोकु नवताल- 7301

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7300 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 8516

बाएँ से दाएँ

1. चोगा, गाऊन-3
3. पायजामा, शलवार-4
6. भाग्य, लक-3
7. सूर्य, भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता, निम्नता-5
12. मैडल, पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक, लेस-2
22. विलंब, लेट-2
23. जाँच, निरीक्षण-3
24. श्मशान, शवदाहगृह-4
25. साफ, बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता, उदारता-5
3. पाठ, शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन, मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप, लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा, हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8515 का हल

	दा	वा	न	ल		ज		
	ग		मी		ना	मा	कू	ल
म	दा	री		स	ज	ना		बा
	र	स	ना		न		जा	ल
आ		ना	म	र	ख	ना		ब
म	य		क		रा	श	न	
रा		का	र	ण		क	म	रा
य	की	न	न		श		की	
		न		सा	व	धा	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अमेरिका-चीन तनाव, महंगाई आंकड़े और तिमाही नतीजे तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई।एजेंसी। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा कई प्रमुख कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें अमेरिका-चीन व्यापार तनाव, घरेलू महंगाई के आंकड़े और प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ये घटनाएं निवेशकों की धारणा को निर्णायक रूप से प्रभावित करेंगी। अमेरिका और चीन के बीच शुल्क को लेकर बढ़ते तनाव ने वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट देखी गई नैस्डैक 3.56 फीसदी, एसएंडपी 500 में 2.71 फीसदी और डॉव जोन्स में 1.90 फीसदी की गिरावट आई। इससे वैश्विक निवेशक जोखिम लेने से कतरा सकते हैं, जिसका असर भारतीय बाजारों पर भी पड़ेगा। इस बीच घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर खुदरा और थोक मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर होगी। सरकार 13 अक्टूबर को सितंबर महीने की खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) और 14 अक्टूबर को थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़े जारी करेगी। इन आंकड़ों से भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति का रुख स्पष्ट हो सकता है। इसके अलावा, निवेशकों की निगाहें इंफोसिस, एचसीएल टेक, विप्रो, टेक महिंद्रा जैसी आईटी कंपनियों के तिमाही नतीजों पर टिकी होंगी। साथ ही, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक जैसे दिग्गजों के नतीजे भी बाजार की चाल में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वैश्विक स्तर पर, 14 अक्टूबर को फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पावेल का भाषण निवेशकों के लिए खास रहेगा। उनकी टिप्पणियों से ब्याज दरों और मुद्रास्फीति को लेकर फेड की रणनीति का संकेत मिल सकता है। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 1.59 फीसदी और एनएसई निफ्टी में 1.57 फीसदी की तेजी रही, लेकिन आने वाला सप्ताह अस्थिरता और सतर्कता से भरा रह सकता है। विश्लेषकों ने सलाह दी है कि निवेशक इस सप्ताह सतर्क रणनीति अपनाएं और महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर करीबी नजर बनाए रखें।

भारत बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के अनुसार भारत अब 125 गीगावाट (जीडब्ल्यू) स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। इस उपलब्धि के साथ भारत ने जापान (96 जीडब्ल्यू) को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2025 के अंत तक भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता 192 जीडब्ल्यू तक पहुंच गई है। इसमें सौर, पवन, बायोमास और जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक यह क्षमता 500 जीडब्ल्यू तक पहुंच जाए। 2025 में भारत ने केवल अप्रैल से सितंबर के बीच 25 जीडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ी है। इसमें 21.7 जीडब्ल्यू सौर ऊर्जा और 3.09 जीडब्ल्यू पवन ऊर्जा शामिल है। जुलाई 2025 तक देश की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 119.02 जीडब्ल्यू थी, जिसमें से 90.99 जीडब्ल्यू जमीन आधारित सौर संयंत्रों और 19.88 जीडब्ल्यू रूफटॉप सिस्टम से आई है। वहीं तापीय ऊर्जा की हिस्सेदारी में गिरावट दर्ज की गई है। अब देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता 485 जीडब्ल्यू है, जिसमें तापीय (कोयला व गैस) बिजली सिर्फ 49.9 फीसदी रह गई है। 2015 में यह आंकड़ा 70 फीसदी था। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है जो भारत के हरित ऊर्जा की ओर बढ़ते कदम को दर्शाता है। इंटरनेशनल थिंक टैंक एम्बर के अनुसार इस वर्ष की पहली छमाही में भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन में 17 टेरावाट-घंटे की वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। यह परिवर्तन भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ा रहा है।

दिवाली पर मोमबत्ती का बिजनेस कम निवेश में मुनाफे का सुनहरा मौका

नई दिल्ली।एजेंसी। दिवाली की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और बाजार रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाने लगे हैं। अगर आप इस त्योहार पर अपना बिजनेस शुरू करने का सोच रहे हैं, तो मोमबत्ती (कैण्डल) का कारोबार आपके लिए बेहतरीन अवसर साबित हो सकता है। भले ही इलेक्ट्रिक लाइट्स की बिक्री बढ़ गई है, लेकिन दिवाली पर रंग-बिरंगी मोमबत्तियों की मांग अभी भी जबर्दस्त रहती है। महज 10,000 रुपये के शुरुआती निवेश से आप कैंडल मेकिंग बिजनेस शुरू कर सकते हैं और मोटा मुनाफा कमा सकते हैं। दिवाली पर घर के हर कोने को रोशन करने वाली मोमबत्तियों की मार्केट काफी बढ़ जाती है। त्योहारी सीजन में व्यापारी महज कुछ दिनों में अच्छी कमाई कर लेते हैं। कैंडल की मांग सिर्फ दिवाली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जन्मदिन, पार्टियों और धार्मिक आयोजनों के लिए सालभर बनी रहती है। आज यह बिजनेस सिर्फ छोटी दुकानों तक सीमित नहीं है, बल्कि रिटेल, थोक और ऑनलाइन मार्केट में भी धड़ल्ले से बिक रहा है। छोटे स्तर पर इसे शुरू करने के लिए महज 10,000 से 15,000 रुपये निवेश की जरूरत होती है और आप इसे घर के किसी छोटे कोने से भी चला सकते हैं। इस बिजनेस में किसी महंगी मशीन की आवश्यकता नहीं होती। मोमबत्ती बनाने का मैटेरियल आसानी से मार्केट में उपलब्ध है। शुरुआत में आप सांचों का इस्तेमाल कर अलग-अलग डिज़ाइन की मोमबत्तियां बना सकते हैं। इसके लिए मोम, धागा, रंग और ईथर तेल की जरूरत होती है। सुगंधित मोमबत्तियां बनाने के लिए सेंट का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इन सामग्रियों को स्थानीय बाजार या ऑनलाइन आसानी से खरीदा जा सकता है।

ग्यारह माह बीत जाने के बाद भी नहीं हुआ माँ पांढरीपाट देवीधाम पंहुच मार्ग का निर्माण कार्य

पद्मेश न्यूज। लांजी।
लांजी भिलाई मार्ग से क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल माँ पाढ़री पाट देवी धाम वारी पंहुच मार्ग का निर्माण कार्य लगभग विगत 1 वर्ष से कार्य प्रारंभ है जिसका लाभ अभी तक आवागमन करने वाले लोगो को नही मिल पा रहा है। जबकि पूर्व मे ऐसा विभाग के द्वारा एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा कहा गया था कि नवरात्रा पर्व के पूर्व ही इस मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा ताकि देवी धाम आने जाने वाले हजारो भक्त को सहुलियत होगी लेकिन कही दिखाई नही दिया तथा महज 2.75 किमी के मार्ग निर्माण के लिये ठेकेदार के द्वारा लगभग 10 से 11 माह बीत जाने के बाद भी कार्य पूर्ण नही किया ना ही कार्य में कोई प्रगति दिखाई दे रही है और साथ ही स्थानीय लोगो ने इस मार्ग निर्माण के गुणवत्ता को लेकर विभाग से शिकायत की गई है।

1 करोड़ 80 लाख की लागत से निर्मित हो रही सड़क

लांजी जनपद पंचायत के अन्तर्गत ग्राम पंचायत वारी में मेन रोड़ से लेकर देवी धाम वारी तक लगभग 2.75 किमी मार्ग लागत 1 करोड़ 80 लाख से निर्मित हो रही है। जो कि विधायक के अनुशंसा पर मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना द्वारा संचालित है। जिसकी कार्य एजेंसी कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक 02 बालाघाट के द्वारा निर्मित करवाया जा रहा है तथा उक्त कार्य निविदाकार बी एण्ड के इन्फ्रास्ट्रक्चर बालाघाट के द्वारा कार्य किया जा रहा है। उक्त निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणो ने गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य कि शिकायत की है। साथ ही शिघ्रता से निर्माण कार्य करने के लिये कहा गया है लेकिन ठेकेदार के द्वारा क्यों लेट लतीफी की जा रही है यह अज्ञात है जबकि लगभग 10 से 11 माह बीत चुके है महज लगभग 3 किमी की सड़क निर्माण कार्य में इतना समय नही लगना चाहिये।

सूचना पटल पर आधी अधुरी जानकारी अंकित

उक्त मार्ग निर्माण को लेकर विभाग के द्वारा या निविदाकार के द्वारा आधा अधुरा सूचना बोर्ड लगाया गया है। अव्वल तो जब मार्ग का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था तब निविदाकार या विभाग के द्वारा सूचना बोर्ड नही लगाया गया, जब ग्रामीणों ने शिकायत की तब मार्ग संबधी सूचना बोर्ड लगाया गया है वह भी आधा अधूरा है। बोर्ड पर निर्माण कार्य से संबधित किसी भी प्रकार की राशि का उल्लेख नही किया गया। कितने किलोमीटर मार्ग का निर्माण होना है यह भी अंकित नही है। कार्य पूर्णता दिनांक भी गायब है। तकनीकी स्वीकृति राशि, प्रशासकीय स्वीकृति राशि, कार्य कि मुल्यांकित राशि भी दर्ज नही है। इसके अलावा मार्ग किसी प्रकार निर्मित होगा, कौनसा मटेरियल उपयोग किया जायेगा, कितने लेयर बनेंगे क्या क्या उपयोग में लाना है यह भी उक्त बोर्ड में अंकित नही है। जबकि किसी भी कार्य के निर्माण से संबधित सभी आवश्यक जानकारी मार्ग संबधित सूचना पटल में अंकित होना चाहिये। यह कार्य विभाग के अधिकारी या कर्मचारी को देखना चाहिये की क्यों उक्त मार्ग पर आधा अधूरा सूचना बोर्ड लगाया गया है।

नवरात्रा पर्व पर हुई अत्यधिक परेशानी

बतादे कि माँ पांढरी पाट देवी धाम वारी क्षेत्र का सुप्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल है। संपूर्ण जिले की बात की जाये तो यहां सर्वाधिक मनोकामना ज्योति कलश स्थापित किये जाते है। साल के 365 दिन वर्ष भर श्रृद्धाुल भक्त गणो का आना जाना लगा रहता है जो कि बडी संख्या बडे बडे वाहनो से भी पंहुचते है साथ ही केवल नवरात्रा पर्व पर ही लाखो भक्त गण इन नौ दिनो में मातारानी के दर्शनो के लिये पंहुचते है ऐसे में स्थानीय लोगो, मंदिर समिति, जनप्रतिनिधि तथा समाचार पत्रो के माध्यम से भी यह कहा गया था विभागीय अधिकारियों को कि इस मार्ग का निर्माण अतिशिघ्र नवरात्रा पर्व के पूर्व किया जाये लेकिन ना तो ठेकेदार के द्वारा इस ओर ध्यान दिया गया और ना ही विभाग के अधिकारी, इंजीनियर ठेकेदार से काम ले पा रहे है जिसका खामियाजा दर्शनार्थियो को तथा स्थानीय ग्रामीण जनो को भुगतना पड़ा है बडी मशक्कत से दर्शनार्थी मंदिर तक इस मार्ग से पंहुच पा रहे थे। मार्ग पर बडे वाहनो तो छोडिय मोटर सायकल से भी चलना दुभर हो गया था जाम जैसे हालत उत्पन्न हो रहे थे तथा मार्ग पर सने कीचड़ के चलते दुर्घटनाऐं भी हुई है। इन सभी विषयों को विभाग के द्वारा संज्ञान में लेना चाहिये। ग्रामीणो ने कहा कि है अब इस मार्ग को लेकर कलेक्टर बालाघाट से शिकायत की जावेगी कि महज लगभग 3 किमी मार्ग के निर्माण के लिये लगभग 1 वर्ष का समय लगता है क्या।

मोहझरी में हुआ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भव्य पथ संचलन

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर पुरे देश भर विजयदशमी उत्सव एवं पथ संचलन के आयोजन किए जा रहे हैं, इसी कड़ी में भानेगांव उपखण्ड के मोहझरी मंडल में 12 अक्टूबर को

अपराह्न 3 बजे से बाजार चौक में विजय दशमी उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम बाजार चौक में सभी स्वयं सेवको के एकत्रीकरण पश्चात मुख्य अतिथि कृष्ण अवसरे, मुख्य वक्ता पंकज बिसेन विभाग मंत्री विहिप, खण्ड कार्यवाह योगेन्द्र दहीकर द्वारा भारत माता के छायाचित्र के समक्ष पूजन कर शस्त्र पूजन किया गया। तत्पश्चात आचार पद्धति अनुसार सर्वप्रथम शाखा लगाई गई एवं ध्वज प्रणाम किया व अमृत वचन पश्चात सामूहिक गीत, अवतरण एवं एकल गीत हुआ। मुख्य वक्ता पंकज बिसेन ने अपने बौद्धिक में संघ स्थापना से लेकर आज पर्यन्त तक की सम्पूर्ण यात्रा का उल्लेख किया। साथ ही पंच परिवर्तन को लेकर समाज आधारित कार्य करने का आव्सहान किया, जिसमे पंच परिवर्तन के बिंदु, सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, स्व का बोध एवं नागरिक कर्तव्य का उल्लेख रहा। बौद्धिक के पश्चात मोहझरी में कार्यक्रम स्थल से भव्य पथसंचलन प्रारंभ किया गया जो कि ग्राम के देवी चौक, महावीर चौक, झाड़ी मोहल्ला होते हुए पुन: कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर सम्पन्न हुआ। इस दौरान 107 गणवेशधारी स्वयं सेवक एवं 67 सज्जन शक्ति उपस्थित थे। इस संपूर्ण पथ संचलन मार्ग पर जगह जगह मातृ शक्तियों एवं ग्राम वासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने भानेगांव एवं लांजी होटलों में की छापामार कार्यवाही

खाद्य सामग्री के लिये नमूने व स्वच्छता के लिए दिया नोटिस

पद्मेश न्यूज। लांजी।
आमजन को मिलावट रहित, स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की आकस्मिक जांच कर खाद्य सामग्री के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने 11 अक्टूबर को भानेगांव एवं लांजी की होटलों में छापामार कार्यवाही कर विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य सामग्री के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भोपाल भेजे हैं। इसके साथ ही कुछ प्रतिष्ठानों के संचालकों को साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाये रखने के लिए नोटिस जारी किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे, वाजिद मोहिब एवं श्रीमती गीता टांडेकर की टीम ने 11 अक्टूबर को भानेगांव स्थित अंबिका ट्रेडर्स से ड्राई फरूट बादाम, आयोडाइज्ड नमक, गुलाब जामुन मिक्स के

नमूने जांच एकत्र किये हैं और लांजी स्थित जयकारा होटल को स्वच्छता के लिए नोटिस जारी किया गया है तथा यहां से चॉकलेट, बर्फी, पेड़ा, मलाई पेड़ा के नमूने एकत्र किये गये । लांजी बस स्टैंड स्थित कृष्णा बीकानेर होटल की जांच के दौरान मिल्क केक, मैसूर पाक एवं चमचम के नमूने जांच के लिए एकत्र किये गये। नैवेद्यम स्वीट्स की जांच के बाद उसके संचालक को स्वच्छता के लिए सूचना नोटिस दिया गया है और वहां से गुलाब जामुन, खोवा, पेड़ा तथा नमकीन के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए एकत्र किये गए हैं । बस स्टैंड लांजी स्थित शिवराज होटल से कुकिंग ऑयल, मैसूर पाक के नमूने जांच के लिए एकत्र किये गए । लक्ष्मी बीकानेर होटल लांजी की जांच की गई तथा शीतल उपहार गृह से काजू कतली, मिल्क केक, खोवा बर्फी के नमूने लिए गए एवं उन्हें भी सुधार सूचना नोटिस दिया गया। शर्मा स्वीट्स लांजी से पनीर एवं कलाकंद के नमूने जांच के लिए एकत्र कर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए हैं । इस प्रकार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने भानेगांव एवं लांजी के विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य सामग्री के नमूने एकत्र कर जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे हैं। पांच प्रतिष्ठानों को साफ-सफाई, स्वच्छता एवं सुधार के लिए सूचना नोटिस जारी किए गए हैं । प्रयोगशाला जांच में खाद्य सामग्री के नमूनों में मिलावट पाये जाने एवं अमानक पाये जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के संचालक के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर दंडात्मक कार्यवाही के लिए न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया जायेगा।

साडरा में सूखा आम का पेड़ दे रहा दुर्घटनाओं को न्यौता

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी आमगांव पर ग्राम साडरा बस स्टैण्ड के समीप देशी विदेशी शराब दुकान के सामने लगा सूखा आम का पेड़ इन दिनों दुर्घटनाओं को आमंत्रण देते दिखाई दे रहा है। बतादे कि लांजी आमगावं मार्ग जो कि अति व्यस्त मार्ग है इस मार्ग पर छोटे से लेकर बडे तथा भारी वाहनो का रोजाना आवागमन होते रहता है। ग्राम साडरा के बस स्टैण्ड से महज 200 मीटर क दुरी देशी विदेशी शराब दुकान के सामने यह आम का वृक्ष पूर्ण रूप से सुख चुका है जो कि कभी भी हवा तुफान के चलते धराशायी हो सकता है ऐसे में यह भी संभावना व्यक्त की जा रही है कि यदि यह आम का वृक्ष किसी घटना का शिकार हुआ तो निश्चित यह मार्ग के उपर आकर गिरेगा जिसकी चपेट में कोई भी छोटा बडा वाहन या राहगीर आ सकते है। जिसको लेकर स्थानीय ग्रामीणो के द्वारा

लोक निर्माण विभाग तथा पंचायत को शिकायत की गई है कि उक्त मार्ग पर स्थित यह सुखे आम के वृक्ष को अतिशिघ्र सुरक्षित अवस्था में काटा जाकर अग्रिम समय मे होने वाली दुर्घटना को रोका जा सकता है। इस संबध में प्रशासनिक अधिकारी, पंचायत को संज्ञान में लेना चाहिये तथा एमपीईबी के अधिकारियों एवं लाईनमेनो को भी इस संबंध संज्ञान लेला चाहिये कि यह वृक्ष किसी विद्युत लाईन को तो बाधित नही कर रहा है क्योंकि यदि यह किसी विद्युत लाईन की चपेट आता है और किसी घटना में यह वृक्ष धराशायी होता है तो वह विद्युत लाईन को भी साथ मे लेकर टूटेगा जिससे भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस हद तक बडी दुर्घटना घटित हो सकती है इन सभी पहलुओ को ध्यान मे रखते हुये अतिशिघ्र उक्त वृक्ष को समय रहते सुरक्षित काटा जाये ताकि आने वाले समय में किसी भी प्रकार से होने वाली दुर्घटना से बचा जा सके।

कल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का भव्य पथसंचलन

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वारा अपने संगठन का शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है जिसके तहत विजयादशमी पर्व के चलते सभी खण्डो में राष्ट्रीय स्वयं संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है इसी कड़ी लांजी नगर में कल 14 अक्टूबर को भव्य पथ संचलन कार्यक्रम स्वयं सेवको के द्वारा आयोजित किया गया है। आयोजित कार्यक्रम के अनुसार 14 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से पथ संचलन नगर के

हृदय स्थल नेताजी सुभाष चौक लांजी से प्रारंभ होकर, सालेटेकरी मार्ग, गुजरी चौक, माँ लंजकाई मंदिर होते हुये मेन रोड़ से दोबारा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस चौक पंहुचकर पथ संचलन का विधि वत सभी स्वयं सेवको की उपस्थिती में समापन किया जायेगा। पथ संचलन का मुख्य उद्देश्य संगठन की एकता और अनुशासन को प्रदर्शित करना है। यह आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और देश के प्रति समर्पण की भावना को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है। पथ संचलन आरएसएस के महत्वपूर्ण आयोजनों में से एक है, जो संगठन की शक्ति और एकता को प्रदर्शित करता है। यह आयोजन समाज में जागरूकता फैलाने और लोगों को एकजुट करने के लिए आयोजित किया जाता है। आरएसएस का नारा संगठन गढ़े चलो, सुपंथ पर बढ़े चलो इस आयोजन का मूल मंत्र है। यह नारा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और देश के प्रति समर्पण की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लांजी द्वारा सभी स्वयंसेवकों से अनुरोध किया गया है वे समय से 15 मिनट पहले आयोजन स्थल पर पहुंचें।

कारंजा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी उत्सव- पथसंचलन में दिखी एकता और अनुशासन की झलक

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर 12 अक्टूबर रविवार को कारंजा नगर में एक भव्य पथसंचलन का आयोजन किया गया। नगर की सड़कों पर अनुशासित ढंग से मार्च करते हुए लगभग 250 पूर्ण गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने एकता और अनुशासन का शानदार

प्रदर्शन किया। इस दौरान मातृशक्ति ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया, जबकि नागरिकों के जयघोष ने माहौल को देशभक्ति की भावना से सराबोर कर दिया। पथसंचलन में प्रांत प्रचार प्रमुख विनोद दिनेश्वर, खंड संघ चालक विजय रामटेक्कर, उप खंड कार्यवाह सुरेश चूटे, कार्यक्रम प्रमुख रवि पांचे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित सभा में बौद्धिक, गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि संघ के सौ वर्षों का इतिहास देश सेवा, संगठन और समाज निर्माण की प्रेरणा का प्रतीक है। नगरवासियों ने इस आयोजन को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में एकता, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना को और सशक्त करते हैं। यह शताब्दी उत्सव न केवल संघ के गौरवशाली इतिहास को दर्शाता है, बल्कि समाज को संगठित और प्रेरित करने का एक अनुपम उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

एनएमएमएस छात्रवृत्ति हेतु परीक्षा आयोजित

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर शासकीय विद्यालयों में 12 अक्टूबर को एनएमएमएस छात्रवृत्ति 2025 परीखा का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 899 छात्र छात्राऐं सम्मिलित हुये। इस परीक्षा के विषय जानकारी देते हुये बताया गया कि एनएमएमएस छात्रवृत्ति जो कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा प्रदान की जाती है। शिक्षा मंत्रालय के द्वारा प्रतिवर्ष एनएमएमएस छात्रवृत्ती परीक्षा आयोजित की जाती है। एनएमएमएस छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिये छात्र छात्राओं को न्यूनतम आवश्यक अंको के साथ आठवीं कक्षा उतीर्ण करना अनिवार्य है। परीक्षा में दो खण्ड होते है सैट एवं मैट इनमें से प्रत्येक पश्न को पूरा करने में 90 मीनट का समय अंतराल दिया जाता है एवं

प्रत्येक पश्न पत्र 90 अंको का होता है। एनएमएमएस छात्रवृत्ति परीक्षा उतीर्ण करने वाले छात्र छात्राओ को कक्षा नवमी से बारहवीं तक प्रत्येक वर्ष 12 हजार रूपये की छात्रवृत्ति राशि प्रदान की जावेगी। उक्त परीक्षा का आयोजन 12 अक्टूबर को क्षेत्र के 4 केन्द्र जिनमें शासकीय उत्त्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी में 335 विद्यार्थियों ने फार्म भरा था जिसमे 314 छात्रों ने परीक्षा दी। दुसरे केन्द्र शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी जिसमें 292 दर्ज संख्या तथा 279 विद्यार्थियों ने परीक्षा में सम्मिलित हुये। तीसरा केन्द्र शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय लांजी जिसमें दर्ज संख्या 100 मे से 100 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये। चौथा केन्द्र सरस्वती शिशु मंदिर लांजी 207 दर्ज संख्या मे से 206 छात्र छात्राऐं सम्मिलित हुये। बतादे कि इस परीक्षा मे कुल क्षेत्र के 934 छात्र छात्राओ ने फार्म जमा किया था जिसमे से 899 छात्र छात्राऐं सम्मिलित होकर एन एमएमएस परीक्षा दी गई।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बालाघाट डीएसपी अडलक के साले की पीट-पीटकर हत्या करने वाले दोनों आरक्षक गिरफ्तार

- पुलिस की एफआईआर को लेकर परिवार वालो में असंतोष - सीएम से मिलकर करेंगे सीबीआई जॉच की मांग

भोपाल, एजेंसी। राजधानी भोपाल के पिपलानी थाना इलाके में बालाघाट में पदस्थ डीएसपी केतन अडलक के साले उदित की बेरहमी से पीटकर हत्या करने वाले दोनों आरक्षक संतोष बामनिया और सौरभ आर्य पर शनिवार की तड़के सुबह हत्या का केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने देर रात दोनों आरक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी तलाश में थाने की तीन टीमें जुटी थी। एफआईआर से पहले पुलिस ने उन्हें निलंबित कर दिया गया था। जानकारी के मुताबिक बैंक कॉलोनी बाग दिलकुशा निवासी उदित गायकी पुत्र राजकुमार (22) पेशे से इंजीनियर था। उसके पिता एमपीईबी में असिस्टेंट इंजीनियर हैं, जबकि मां संगीता सेमरा के शासकीय स्कूल में टीचर हैं। उदित अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था, उससे बड़ी दो बहने हैं। एक की शादी डीएसपी केतन अडलक के साथ हुई है, जो इन दिनों बालाघाट हॉक फोर्स में पदस्थ हैं।

शराब पार्टी करते हुए पुलिस ने पकड़ा और जमकर पीटा

गुरुवार रात उदित अपने दोस्त अक्षत भार्गव और दीपक बरकड़े के साथ इंद्रपुरी में बीयर पार्टी कर रहा था। तभी चार्ली पर तैनात आरक्षक संतोष बामनिया और आरक्षक सौरभ आर्या ने तीनों को पकड़ लिया था। इस दौरान दोनों पुलिसकर्मियों ने पहले उदित के कपड़े उतरवाए और फिर डंडे पिटाई की थी। दोस्त उसे पहले सांई अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उसे गंभीर हालत देखने के बाद एम्स पहुंचा दिया गया। एम्स में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। आरोप है की आरोपी पुलिसकर्मियों ने दस हजार रुपए की मांग की थी, लेकिन जब रकम नहीं मिली तो दबाव बनाने के लिये केतन को जमकर पीटा गया था।

एफआईआर पर परिवार वालो में नाराजगी

इसके उलट, पिपलानी थाने में दर्ज एफआईआर से पुलिसकर्मियों द्वारा पिटाई की बात गायब है। एफआईआर के अनुसार, कॉन्स्टेबल संतोष बामनिया और सौरभ आर्य ने बताया कि रात डेढ़ से दो बजे के बीच इंद्रपुरी में लाल कार संदिग्ध हालत में खड़ी थी। उसमें दो लड़के बैठे थे, एक बाहर खड़ा था। तीनों नशे में थे। पुलिस ने उन लड़कों से वहां खड़े होने का कारण पूछा, फिर वहां से जाने को कहा। कॉन्स्टेबल संतोष बामनिया ने बताया कि कार में बैठे एक लड़के ने बदतमीजी की। बाहर खड़ा लड़का भागा, जिसके पीछे सौरभ दौड़ा। लड़का एक गाड़ी से टकराकर गिर गया। उसने गाली दी, वर्दी उतरवाने की धमकी दी। सौरभ ने बताया कि शांत करने की कोशिश में लड़के की टी-शर्ट फट गई। लड़का झगड़ा कर रहा था, इसलिए हल्का बल प्रयोग किया। फिर उसे दोस्तों के हवाले कर गए। सुबह मौत की सूचना मिली। उधर, उदित का दोस्तों के साथ डांस करता वीडियो भी सामने आया है। इसमें उदित टी-शर्ट उतारकर नाचता दिख रहा है।

आरोपी पुलिसकर्मियो को लाभ पहुचांने की कोशिश

उदित की हत्या करने वाले पुलिसकर्मियों को पुलिस बचाने के प्रयास करती नजर आ रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक उदित हत्याकांड में मौके पर मौजूद दोस्तों ने पुलिस को बताया था, कि उस समय आरक्षक संतोष बामनिया के पास सरकारी इंसास रायफल राइफल थी, उस रायफल के बट से उदित की पिटाई की गई थी। उसे पुलिस ने अब तक जब्त तक नहीं किया है। इतना ही नहीं सूत्रो के अनुसार पुलिस आरोपी पुलिस कर्मियो को कोर्ट में पेश कर बिना रिमांड लिये जेल भेजने की तैयारी कर रही है। ऐसे में पिपलानी पुलिस की जांच पर परिवार वालो में नाराजगी नजर आ रही है। अधिकारियो का कहना है की इस संबंध में डॉक्टरों से रिपोर्ट मांगी गई है कि किस वस्तु की चोट से पेनक्रियाज डैमेज हुए हैं। उस वस्तु की पुष्टि होने के बाद उसे जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। वहीं लिखी गई एफआईआर को लेकर भी अधिकारियो का अपना तर्क है, उनका कहना है की अभी केवल एफआईआर दर्ज की गई है, आगे की जॉच के आधार पर केस डायरी में पूरा विवतरण लिखा जाएगा। जिससे आरोपियों कोर्ट में सजा मिल सके। वहीं पुलिस की एफआईआर को लेकर मृतक छात्र उदित के परिजन पुलिस कार्रवाई पर भरोसा नहीं कर रहे है। मामले में अब परिजनों ने सीबीआई जांच की मांग की है। मृतक के रिश्तेदारो का कहना है की पुलिस ने दोनों आरक्षकों को संरक्षण देने का काम कर रही है। इसका खुलासा खुद एफआईआर की भाषा में दिखाई दे रहा है। इसलिए, अब पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराना चाहिए। इस संबंध में उनका परिवार मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलकर करेगा।

घटना का सीसीटीवी जप्त

घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वीडियो में एक पुलिसकर्मी उदित को पकड़कर खड़ा है, और दूसरा उसे डंडे से मार रहा है। आरोप है, कि डंडे के वार से ही छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसके कारण बाद में उसकी मौत हो गई। सीसीटीवी में दो अन्य लोग भी एक वाहन पर दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों के फुटेज जब्त कर लिए हैं। इन्हें जांच में मुख्य साक्ष्य के तौर पर रखा गया है। इन फुटेज को हत्या के अहम साक्ष्य के तौर पर कोर्ट में पेश किया जाएगा। साथ ही पुलिस ने हत्या के मामले में मृतक उदित के साथ मौजूद उसके दो दोस्तों को गवाह बनाया है, जिनके के बयान दर्ज किए जाएंगे।

तीन दिन पहले ही बेंगलुरु से आया था भोपाल

मिली जानकारी के अनुसार बैंक कॉलोनी बाग दिलकुशा निवासी उदित गायकी पुत्र राजकुमार(22) पेशे से इंजीनियर था। उसके पिता एमपीईबी में असिस्टेंट इंजीनियर हैं, जबकि मां संगीता सेमरा के शासकीय स्कूल में टीचर हैं। उदित अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था, उससे बड़ी दो बहने हैं। एक की शादी डीएसपी केतन अडलक के साथ हुई है, जो इन दिनों बालाघाट हॉक फोर्स में पदस्थ हैं। उदित ने सीहोर में स्थित कॉलेज से बीई की पढ़ाई की थी।

गिर सकती है थाना प्रभारी और जांच अधिकारी पर गाज

पुलिस सूत्रों की माने तो हत्या के मामले में दर्ज की गई एफआईआर की भाषा को लेकर पिपलानी थाना प्रभारी और जांच अधिकारी पर गाज गिर सकती है। सूत्र बताते है की जिस तरह से एफआईआर लिखी गई है, उसको लेकर डीजीपी ने भी नाराजगी जाहिर की है।

पोलियो की दो बूंदें हैं आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण की नींव

- 18 चयनित जिलों में 39.19 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो रोधी दवा

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीन दिवसीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई। प्रदेश के 18 चयनित जिलों में 39.19 लाख बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। इस अवसर पर डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पोलियो की दो बूंदें न सिर्फ किसी बच्चे को जीवनभर के लिए सुरक्षित करती हैं, बल्कि यह एक स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण की नींव भी हैं। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी बच्चा पोलियो रोधी खुराक पीने से वंचित न रह जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोलियो जैसी बीमारी एक बच्चे को आजीवन पराश्रित बना सकती है, इसलिए इसका पूर्णतः उन्मूलन हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 18 जिलों में चलाए जा रहे इस तीन दिवसीय अभियान में 64 हजार से अधिक वैक्सीनेटर्स 24 हजार से अधिक पल्स पोलियो बूथों के माध्यम से दवा पिलायेंगे। साथ ही अनिवार्य रूप से घर-घर जाकर भी बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी, जिससे हर बच्चा पोलियो से सुरक्षित होकर ताउम्र स्वस्थ रह सके।

पोलियो के विरुद्ध हमारी जीत आगे भी जारी रहेगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 18 चयनित जिलों में लक्षित आयु वर्ग के 39 लाख 19 हजार से अधिक बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार की सुबह मुख्यमंत्री निवास में तीन दिवसीय (12 से 14 अक्टूबर) पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 12 छोटे बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो-दो बूंदें पिलाकर टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सभी हर बार अपने छोटे बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाते रहे, तभी पोलियो के विरुद्ध हमारी जीत आगे भी जारी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वस्थ और सशक्त भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में मध्यप्रदेश दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ रहा है। उन्होंने जनसहभागिता को इस अभियान की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि हर घर से सहयोग मिलेगा, तो हमारा प्रदेश निश्चित ही 'पूर्णतः पोलियो मुक्त मध्यप्रदेश' बनेगा। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. सौरभ पुरोहित सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

इन 18 जिलों में पिलाई जाएगी पोलियो की दवा

रविवार को प्रारंभ हुए अभियान में इन 18 जिलों में पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। 12 से 14 अक्टूबर तक प्रदेश के अनूपपुर, बैतूल, भिंड, भोपाल, छिंदवाड़ा, दतिया, देवास, ग्वालियर, नर्मदापुरम, जबलपुर, कटनी, खण्डवा, खरगौन, मंडला, मंदसौर, मुरैना, नरसिंहपुर एवं नीमच जिले में पल्स पोलियो अभियान के तहत छोटे बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी।

जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत पर कमल नाथ बोले...

दवाओं की जांच नहीं करने के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार

भोपाल। कोल्ड्रिफ कफ सिरप से हुई मौतों पर बोलते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमल नाथ ने कहा, यह बहुत दुखद है। मैं राज्य सरकार को दवाओं की कभी जांच न करने के लिए जिम्मेदार मानता हूं। अभी भी पता नहीं है कि कितनी दवाओं की जांच नहीं हो रही है। मैंने मुख्यमंत्री से बात की है। मुख्यमंत्री और सरकार को मिलकर कुछ करना चाहिए, और मुझे जो भी करना होगा, मैं करूंगा।

जहरीले कफ सीरप से अब तक 23 बच्चों की मौत हो चुकी है, जिसमें छिंदवाड़ा के 20, पांढुर्णा के दो और बैतूल के एक बच्चे हैं, लेकिन ताज्जुब की बात ये है कि अब तक महज 14 बच्चों के स्वजनों को ही 4-4 लाख की सहायता राशि मिल सकी है, सबसे ज्यादा 15 मौतें परासिया ब्लाक में ही हुई है। मोरडोंगरी के पंचढार गांव में मयंक सूर्यवंशी की मौत हुई है, इस प्रकार गर्विक पवार, दिव्यांश यदुवंशी के नाम भी इस सूची में नहीं हैं। दूसरी ओर वेदांत काकोडिया और श्रेया यादव की भी मौत हुई है, लेकिन अब तक उन्हें शासकीय रिकार्ड में शामिल नहीं किया गया है। लगातार मासूम बच्चों की मौत हो रही है, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार और छिंदवाड़ा कलेक्टर आंकड़ों का सही से अंदाजा ही नहीं लगा पा रहे हैं। खुद उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला छिंदवाड़ा जिले में 17 मौत सहित प्रदेश में 20 मौत का आंकड़ा बता चुके हैं। वहीं, छिंदवाड़ा प्रशासन के पास अब तक सिर्फ 14 मौतों का आंकड़ा ही उपलब्ध है।

मप्र के पूर्वी हिस्से में अगले 4 दिन हल्की बारिश

भोपाल, इंदौर, उज्जैन-ग्वालियर की रातें ठंडी रहेंगी; राजगढ़ सबसे ठंडा

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से में अगले 4 दिन हल्की बारिश का अलर्ट है। सिवनी, मंडला, बालाघाट, अनूपपुर और डिंडोरी में पानी गिर सकता है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और ग्वालियर संभाग के शहरों में रातें ठंडी रहेंगी। इससे पहले शनिवार को भी पूर्वी हिस्से में बूंदाबांदी रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी हिस्से में लोकल सिस्टम की एक्टिविटी होने की वजह से बारिश होने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि अगले चार दिन तक हल्की बारिश हो सकती है। बता दें कि प्रदेश के सिंगरौली, सीधी, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, जबलपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा आदि जिलों से मानसून अभी नहीं लौटा है।

मौसम वैज्ञानिक शर्मा ने बताया कि अभी कई शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम है। उत्तरी हवा की वजह से रातें ठंडी रहेंगी। पश्चिमी हिस्से यानी- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और नर्मदापुरम संभाग में असर ज्यादा रहेगा। यहां से मानसून वापसी भी कर चुका है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ों में बर्फबारी की वजह से हवा का रुख बदला है। उत्तर से ठंडी हवा आने से मध्यप्रदेश में भी ठंडक बढ़ी है। इधर, प्रदेश में ठंड का असर बढ़ने लगा है। शुक्रवार-

शनिवार की रात में 25 से ज्यादा शहरों में पारा 20 डिग्री से नीचे रहा। राजगढ़ में सबसे कम 13.5 डिग्री दर्ज किया गया। धार में 15.6 डिग्री, इंदौर में 15 डिग्री, भोपाल में 17.8 डिग्री, ग्वालियर में 18.2 डिग्री, उज्जैन में 17.2 डिग्री और जबलपुर में 21.2 डिग्री रहा।

अब तक 40 से ज्यादा जिलों से लौटा मानसून

प्रदेश के 40 से अधिक जिलों से मानसून वापसी कर चुका है। इनमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, सीहोर, विदिशा, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल भी शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अभी प्रदेश में बारिश होने का कोई स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव नहीं है। इन वजहों से पूरे प्रदेश से मानसून के लौटने की परिस्थितियां अनुकूल हुई है। एक-दो दिन में बाकी के हिस्से से भी मानसून लौट सकता है।

फार्मेसी काउंसलिंग के दूसरे चरण में 16 तक लेना होगा प्रवेश

भोपाल। मध्य प्रदेश के तकनीकी शिक्षा विभाग ने फार्मेसी कॉलेजों में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए दूसरे चरण की काउंसलिंग का परिणाम जारी कर दिया है। इस चरण में बीफार्मा, एमफार्मा, फार्मा-डी समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों में करीब 7,000 छात्रों को सीटें आवंटित की गई हैं। अलॉटमेंट प्राप्त छात्र 16 अक्टूबर तक संबंधित कॉलेजों में शुल्क जमा कर प्रवेश ले सकेंगे। प्रदेश में इस वर्ष कुल 179 कालेजों में बीफार्मा की करीब 16 हजार 640 सीट और 194 कालेजों में डीफार्मा की करीब 12 हजार 180 सीट, एमफार्मा के करीब 60 कालेजों की दो हजार सीटों पर प्रवेश देने काउंसलिंग करा रहा है। प्रथम राउंड में 53 कालेजों में बीफार्मा और डीफार्मा में एक भी प्रवेश नहीं हुआ था। प्रथम राउंड में दोनों कोर्स के लिए करीब 14 हजार विद्यार्थियों का अलाटमेंट जारी किया गया। बीफार्मा में 8 हजार 838 और डीफार्मा की तीन हजार 331 सीटों पर विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। बीफार्मा में सात हजार 802 और डीफार्मा में आठ हजार 849 सीटें अभी भी रिक्त हैं। विभाग के पास दोनों कोर्स में 28 हजार 820 सीटें हैं, जिसमें से प्रथम राउंड में 12 हजार 269 प्रवेश हुए हैं।

ऑनलाइन हाजिरी में आ रही तकनीकी समस्या

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को हमारे शिक्षक एप से ऑनलाइन हाजिरी लगाना अनिवार्य है। हालांकि इसमें अतिथि शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी में आगे हैं। मध्य प्रदेश के 80 फीसदी अतिथि शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी लगा रहे हैं। इसके बावजूद भी तीन माह से अतिथि शिक्षकों को मानदेय नहीं मिला। इसका कारण यह है कि ऑनलाइन हाजिरी में आ रही तकनीकी समस्या आ रही है।

इसका खामियाजा अतिथि शिक्षकों को भुगतना पड़ रहा है। विगत तीन माह से इन्हें मानदेय का भुगतान नहीं हो सका है। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि नेटवर्क और अन्य तकनीकी समस्याओं के कारण अतिथि शिक्षक स्कूल में समय पर उपस्थित नहीं लगा पा रहे हैं। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग का आदेश है कि ऑनलाइन हाजिरी के आधार पर ही अतिथि शिक्षकों को माह में उपस्थिति का ऑनलाइन बिल जनरेट होगा। अब ई-उपस्थिति नहीं होने से पोर्टल पर मानदेय का भुगतान नहीं हो पा रहा है। अतिथि शिक्षक स्कूल में उपस्थित रहें हैं, इसका उपस्थित पंजी में विधिवत हस्ताक्षर हैं, लेकिन नेटवर्क और तकनीकी समस्याओं के कारण अतिथि शिक्षक ई-अटेंडेंस नहीं लगा पाए।

सरकार को आउटसोर्स कंपनियों से खास प्रेम

- समान काम-समान वेतन की मांग पर भोपाल में रैली, आंबेडकर पार्क में जुटे आउटसोर्स कर्मचारी, बोले

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के बैंक मित्र, पंचायत चौकीदार, पंप ऑपरेटर, अंशकालीन भृत्य, राजस्व सर्वेयर, आउटसोर्स और अस्थायी कर्मचारी रविवार को भोपाल में एक मंच पर जुटे। सभी संगठनों ने मिलकर तुलसी नगर स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क में प्रदर्शन किया। आल डिपार्टमेंट आउटसोर्स, अस्थायी, अंशकालीन, ग्राम पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश के बैनर तले हो रहे इस आंदोलन को 'महाक्रांति रैली' नाम दिया है।

संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि यह आंदोलन किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के उन कर्मचारियों की साझा आवाज है जो वर्षों से अस्थिर रोजगार और आर्थिक अन्याय झेल रहे हैं। सरकार को यह समझना होगा कि कर्मचारियों की मेहनत और निष्ठा का सम्मान ही सुशासन की पहचान है। हम केवल वादे नहीं, अपने अधिकार की गारंटी चाहते हैं। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश में पूरा सरकारी सेक्टर अब ठेकेदारों और आउटसोर्स कंपनियों के हवाले कर दिया गया है। सरकारी व्यवस्थाएं स्थायी कर्मचारियों के बजाय अस्थायी आउटसोर्स कर्मचारियों से चलाई जा रही हैं। क्लास 3 और क्लास 4 जैसे पद, जिन पर सबसे ज्यादा सरकारी नौकरियां होती थीं, अब सभी आउटसोर्स कर दिए गए हैं। बैंक सेवा केंद्रों में भी निजी कंपनियां काम कर रही हैं। पंचायतों में जो चौकीदार तैनात हैं, उन्हें मात्र तीन हजार रुपए प्रतिमाह वेतन मिलता है। इसी तरह सीएम राइज स्कूलों, वल्लभ भवन और सतपुड़ा भवन जैसी प्रमुख जगहों पर भी सभी नियुक्तियां आउटसोर्स के जरिए की जा रही हैं।

हाईकोर्ट में लगाएंगे याचिका

वासुदेव शर्मा ने कहा कि सरकार को ठेकेदारों और आउटसोर्स कंपनियों से खास प्रेम है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार, सभी कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन मिलना चाहिए। मध्यप्रदेश में न्यूनतम वेतन देश में सबसे कम है, जिसे बढ़ाकर 21,000 प्रति माह किया जाना चाहिए। लाखों कामगारों के साथ जो अन्याय हो रहा है, उसी के विरोध में हम इकट्ठा हुए हैं।

25 साल से नौकरी में, आज भी तनख्वाह सिर्फ 25 हजार

प्रदर्शन में आए रामनिवास केवट ने बताया कि वे पिछले 25 सालों से ग्राम पंचायत में चौकीदारी का काम कर रहे हैं। उन्होंने मात्र 300 महीने की तनख्वाह से शुरुआत की थी और आज 25 साल बाद भी उन्हें केवल 2000 महीना वेतन मिलता है। वह भी समय पर नहीं दिया जाता। आमतौर पर 5-6 महीने की देरी से भुगतान होता है। रामनिवास के परिवार में पत्नी, तीन बच्चे और बुजुर्ग पिता हैं। वो कहते है, बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना और पूरे परिवार का भरण-पोषण करना बेहद कठिन हो गया है। चौकीदारी के साथ-साथ मजदूरी भी करनी पड़ती है। कई बार खाने-पीने में भी संकट आ जाता है। एक बार तो ऐसा भी हुआ जब घर मेहमान आ गए थे और घर में आटा तक नहीं था।

राजधानी में ब्लिंकिट कर्मचारियों का उपद्रव

15 से 20 डिलीवरी बॉय ने कस्टमर को जमकर पीटा, महिलाओं के कपड़े फाड़े

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पॉश इलाके में ब्लिंकिट कर्मचारियों ने जमकर उत्पात मचाया। 15 से 20 डिलीवरी बॉय ने कस्टमर की लाठी डंडों से जमकर पिटाई की। महिलाओं को भी पीटने और उनके कपड़े फाड़ने का आरोप है। मारपीट की घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

यह पूरा मामला कोलार थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, दानिश हिल्स कॉलोनी में ब्लिंकिट डिलिवरी कर्मचारियों ने खूब उपद्रव मचाया। बताया जा रहा है कि एक कस्टमर के साथ अभद्रता की और फिर 20 से 25 डिलिवरी बॉय जमा हो गए। देखते ही देखते मारपीट शुरू कर दी। लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि ब्लिंकिट डिलिवरी बॉय कर्मचारी एक साथ मिलकर कुछ युवकों को लाठी डंडों से मारते हुए नजर आ रहे हैं। मारपीट से युवकों को चोट भी आई है। महिलाओं से भी मारपीट और उनके कपड़े फाड़ने का आरोप है। वहीं इस घटना से इलाके समेत पूरे शहर में दहशत का महौल है। इधर, दानिश हिल्स के रहवासियों ने कोलार थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की है। हालांकि मारपीट क्यों की गई है, इसका कारण अभी तक अज्ञात है।

सड़क हादसे में मृत दंपति के परिवार से मिलने के बाद पटवारी बोले

सिंधिया की चमड़ी मगरमच्छ जैसी मोटी हो गई

भोपाल, एजेंसी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने रविवार को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सिंधिया की चमड़ी मगरमच्छ से भी मोटी हो गई है और अब उन्हें हराना भी पड़ेगा। पटवारी यहां करवा चौथ के दिन हुए सड़क हादसे में मृत हुए पति-पत्नी के परिवार से मिलने गुना बायपास पर रुके थे। वे भोपाल से शिवपुरी एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे।

पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी रविवार को शिवपुरी में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान वे गुना बायपास पर रुके और शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में मारे गए दीपक और प्रियंका कुशवाह के परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। परिवार ने उन्हें बताया कि घायल दीपक को भोपाल ले जाने के लिए एम्बुलेंस वाले ने 9.5 हजार रुपए लिए थे। इस पर जीतू पटवारी ने कहा कि सोमवार को जयवर्धन सिंह आपसे मिलने आपके घर आएंगे।

करवा चौथ पर तो परिवार घर रहता है

जीतू पटवारी ने सिंधिया पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरा निवेदन ये है कि सिंधिया जी का सांसद बनना, वोट लेकर जाना, करवा चौथ के दिन आना। करवा चौथ पर तो परिवार घर पर रहता है। ये इनकी असंवेदनशीलता है। उन्होंने आगे कहा कि अभी आप देख रहे होंगे 25 बच्चों की मौत हो गई गलत दवा पिलाने से। भाजपा के लोगों को इतने वोट दे दिए। सिंधिया को भी चेहरा देख देख कर अपन वोट दे देते हैं। इनकी मगरमच्छ से चमड़ी मोटी हो गई है। अब हराना भी पड़ेगा इन लोगों को।

बता दें कि शुक्रवार सुबह आकाशवाणी केंद्र के पास एक तेज रफ्तार स्कार्पियो कार ने बाइक पर सवार दीपक और प्रियंका कुशवाह को टक्कर मार दी थी। हादसे में प्रियंका कुशवाह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दीपक कुशवाह ने भोपाल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया था। मृतक दंपति की दो वर्ष की एक मासूम बच्ची है। शनिवार सुबह दीपक का पोस्टमार्टम होने के बाद दोनों के शव उनके बूढ़े बालाजी क्षेत्र स्थित घर लाए गए थे। यहां से जब पति-पत्नी की अर्थी एक साथ उठी, तो वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गई। शनिवार दोपहर को श्रीराम मुक्ति धाम में एक साथ दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर रहेंगी सबकी निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के हिटमैन रोहित शर्मा पर एक बार फिर पूरी क्रिकेट दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। टीम इंडिया की कप्तानी छिनने के बावजूद उन्होंने अपने खेल और फिटनेस पर पूरा ध्यान केंद्रित किया है। सूत्रों के मुताबिक, रोहित ने पिछले कुछ महीनों में करीब 15 किलो वजन घटाया है और अब पहले से कहीं अधिक फिट और फुर्तीले नजर आ रहे हैं। उनकी यह नई ऊर्जा और समर्पण बताती है कि वह अब भी मैदान पर कुछ साबित करने के इरादे से उतरने वाले हैं।

आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरा रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह श्रृंखला उनके लिए 'करो या मरो' जैसी साबित हो सकती है। यदि रोहित वहां शानदार प्रदर्शन करते हैं, तो चयनकर्ताओं के लिए उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि इस दौरे के बाद रोहित अपने अंतरराष्ट्रीय करियर से संन्यास ले सकते हैं। हालांकि, उनके अनुभव, बल्लेबाजी की समझ और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए क्रिकेट विशेषज्ञ अब भी मानते हैं कि रोहित के पास टीम इंडिया को देने के लिए बहुत कुछ बाकी है।

टी20 प्रारूप में भी रोहित शर्मा को एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में देखा जाता है। उनका शांत स्वभाव, मैच सिचुएशन को समझने की क्षमता और टीम को संतुलित रखने की कला उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है। कप्तानी भले ही उनसे चली गई हो, लेकिन उनकी उपस्थिति टीम के लिए अब भी प्रेरणादायक मानी जाती है। फिटनेस पर ध्यान देकर उन्होंने यह संदेश दिया है कि उम्र या पद नहीं, बल्कि मेहनत और अनुशासन ही किसी खिलाड़ी को महान बनाते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा द्वारा चुनी गई एक विशेष टीम में भी रोहित शर्मा को शामिल किया गया है। इस चयन ने यह दिखा दिया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी और विश्लेषक अब भी रोहित के अनुभव, नेतृत्व और मैच जिताने की क्षमता को ऊंचा दर्जा देते हैं। यही वजह है कि भारतीय फैंस के बीच भी यह चर्चा जोरों पर है कि क्या रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया में अपने बल्ले से एक बार फिर इतिहास रचेंगे। रोहित का यह नया रूप फिट, केंद्रित और दृढ़ यह साबित करता है कि वह अब भी क्रिकेट के सबसे ऊर्जावान खिलाड़ियों में से एक हैं। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उनका प्रदर्शन यह तय करेगा कि आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण

बनी रहती है।

जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने बनाई ड्रीम टी20 टीम

रोहित शर्मा बने कप्तान, विराट और धोनी को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने हाल ही में अपनी 'ऑल टाइम बेस्ट टी 20 इलेवन' का ऐलान किया, जिसमें उन्होंने रोहित शर्मा को कप्तान चुना। इस टीम में कई दिग्गज क्रिकेटरों को पीछे छोड़ते हुए रोहित को प्राथमिकता दी गई, जबकि विराट कोहली और एमएस धोनी जैसे बड़े नामों को टीम में जगह नहीं मिली।

सिकंदर रजा की ड्रीम टीम में ओपनिंग जोड़ी के रूप में क्रिस गेल और रोहित शर्मा, विकेटकीपर के तौर पर निकोलस पूरन, और मिडिल ऑर्डर में एबी डिविलियर्स, हेनरिक क्लासेन और काइरन पोलार्ड शामिल हैं। ऑलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा और शाहिद अफरीदी को स्थान दिया गया है। गेंदबाजी विभाग में विश्व स्तरीय

खिलाड़ियों के रूप में राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, मिचेल स्टार्क और शाहीन अफरीदी को टीम में जगह मिली है। पूरी टीम में कुल मिलाकर संतुलित संयोजन है, जिसमें आक्रामक बल्लेबाजी, प्रतिभाशाली ऑलराउंडर और अनुभवी गेंदबाज शामिल हैं।

सिकंदर रजा की टी20 ड्रीम टीम ओपनिंग- क्रिस गेल और रोहित शर्मा

विकेटकीपर- निकोलस पूरन

मिडिल ऑर्डर- एबी डिविलियर्स, हेनरिक क्लासेन, काइरन पोलार्ड

ऑलराउंडर- रवींद्र जडेजा, शाहिद अफरीदी

बॉलिंग अटैक- राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, मिचेल स्टार्क, शाहीन अफरीदी

पूरी टीम- क्रिस गेल, रोहित शर्मा (कप्तान), निकोलस पूरन, एबी डिविलियर्स, हेनरिक क्लासेन, काइरन पोलार्ड, शाहिद अफरीदी, रवींद्र जडेजा, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, शाहीन अफरीदी, मिचेल स्टार्क।

शंघाई मास्टर्स में मोना को के वाशरो ने किया उलटफेर, जोकोविच को हराकर फाइनल में पहुंचे

शंघाई। मोनाको के वेलेंटिन वाशरो ने सर्बियाई टेनिस स्टार और विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-4 से हराकर सनसनी फैला दी। इस जीत के साथ ही वाशरो शंघाई मास्टर्स 2025 के फाइनल में पहुंच गये हैं। वाशरो इस टूर्नामेंट में क्वालीफाइंग के जरिये आये थे पर उन्होंने इसमें अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल की है। वाशरो ने कहा, 卐कोर्ट पर जोकोविच जैसे शीर्ष खिलाड़ी को देखना मेरे लिए अलग अनुभव था।卐 फाइनल में वाशरो का मुकाबला अब उनके ही देश के आर्थर रिंदरनेश से हो सकता है, रिंदरनेश ने एक अन्य सेमीफाइनल में रुसी के दानिल मेदवेदेव को हराया है। जोकोविच इस मैच में कूल्हे की चोट के कारण शुरुआत में ही 3-4 से पीछे हो गये।

इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराया, ब्रंट पांच शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनी

कोलंबो, एजेंसी। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप मुकाबले में 117 रनों की शतकीय पारी खेलते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। वह इसी के साथ ही महिला विश्वकप में लगातार पांच शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं। ब्रंट की शतकीय पारी से इंग्लैंड ने इस मैच में जीत हासिल की। इससे पहले न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के अलावा इंग्लैंड की जेनेट ब्रिटिन और चार्लोट एडवर्ड्स ने भी इस टूर्नामेंट में 4-4 शतक लगाये हैं। वहीं ब्रंट ने पांच शतक लगाकर सभी का रिकार्ड तोड़ दिया है।

महिला विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकार्ड भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम है। हरमनप्रीत ने इस टूर्नामेंट में 3 जबकि स्मृति मंधाना और मिताली राज ने 2-2 शतक लगाये हैं।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम ने ब्रंट के शतक से 50 ओवर में 9 विकेट पर 253 रन बनाये। ब्रंट के अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहीं। कोई भी अन्य गेंदबाज 35 रन तक नहीं पहुंच पायीं। श्रीलंका की ओर से इनोका राणावीरा ने 3 विकेट लिए। जीत के लिए 254 के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम 164 रनों पर ही सिमट गयी। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए।

विजय हज़ारे ट्रॉफी में नजर आएंगें विराट और रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। दोनों खिलाड़ी 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हज़ारे ट्रॉफी में हिस्सा लेंगे। यह फैसला मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के निर्देश पर लिया गया है, जिन्होंने हाल ही में सभी केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों को स्पष्ट संदेश दिया था कि फिट और उपलब्ध खिलाड़ी अब घरेलू टूर्नामेंटों से दूरी नहीं बना सकते। अगरकर के इस सख्त रुख का उद्देश्य 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों के तहत टीम चयन को पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बनाना है।

अजीत अगरकर ने पहले ही संकेत दिया था कि अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के बीच लंबा ब्रेक लेने वाले खिलाड़ियों को विजय हज़ारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंटों में भाग लेना होगा। उन्होंने कहा था कि घरेलू क्रिकेट भारतीय टीम की नींव है, और जो खिलाड़ी चयन की दौड़ में बने रहना चाहते हैं, उन्हें अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। चयन समिति ने यह भी माना कि घरेलू क्रिकेट में अनुभवी खिलाड़ियों की भागीदारी से न सिर्फ प्रतियोगिता का स्तर बढ़ेगा बल्कि युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

सूत्रों के मुताबिक, कोहली और रोहित दोनों ने बीसीसीआई को अपनी उपलब्धता की जानकारी दे दी है और वे कम से कम तीन से चार मैच खेलने के लिए तैयार हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 6 दिसंबर को होने वाले आखिरी वनडे और 11 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के बीच करीब पांच हफ्तों का अंतर है, जिसे दोनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहने के लिए चुना है। कोहली दिल्ली के लिए मैदान में उतरेंगे, जबकि रोहित मुंबई की टीम की अगुवाई करेंगे।

विजय हज़ारे ट्रॉफी का कार्यक्रम 24 दिसंबर से 8 जनवरी तक चलेगा। मुंबई टीम के मैच 24, 26, 29 और 31 दिसंबर को निर्धारित हैं, जबकि दिल्ली के मैच भी इसी अवधि में खेले जाएंगे। बीसीसीआई चाहता है कि दोनों खिलाड़ी न्यूजीलैंड सीरीज़ से पहले कम से कम तीन राउंड खेलें ताकि वे मैच फिटनेस बनाए रखें और घरेलू स्तर पर युवाओं के साथ अनुभव साझा कर सकें।

इस कदम को भारतीय क्रिकेट में अनुशासन और जवाबदेही की दिशा में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में वरिष्ठ खिलाड़ियों के घरेलू क्रिकेट से दूरी बनाने के कारण युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा की कमी महसूस हो रही थी। अब जब भारतीय टीम 2027 विश्व कप की तैयारियों में जुटी है, तो बीसीसीआई की यह पहल टीम में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और खिलाड़ियों की फिटनेस व प्रदर्शन को बरकरार रखने की दिशा में अहम साबित होगी। कोहली और रोहित की भागीदारी से टूर्नामेंट की प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी और घरेलू क्रिकेट को नया उत्साह मिलेगा।

न्यूजीलैंड से मिली हार को नहीं भूलना चाहते हैं गंभीर

बोले, कभी-कभी अतीत को याद रखना होता है जरुरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने आक्रामक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। गंभीर के कोच बनने के बाद से ही टीम को शुरुआत में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करारी हार मिली थीं। जिसके बाद वह आलोचना का शिकार हुए थे। इसके बाद गंभीर टीम को चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जिताने में

सफल हुए हैं पर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर मिली हुई हार को नहीं भूल पा रहे। तब भारतीय टीम को टेस्?ट सीरीज में अपनी ही धरती पर 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था। ये पहला अवसर था जब न्?यूजीलैंड की टीम भारत की धरती पर टेस्?ट सीरीज जीती थी। इस हार के कारण ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल की दौड़ से भी बाहर हो गयी थी। आकाश चोपड़ा से बातचीत के दौरान गंभीर ने कहा है कि कोचिंग करियर में मिले इस झटक से वह कभी नहीं उबर पायेंगे। साथ ही कहा कि वह इस प्रकार की हार को भूलना भी नहीं चाहते। यही बात उन्होंने टीम से भी कही है। गंभीर ने कहा कि कभी-कभी अतीत को याद रखना भी जरूरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो आप चीजों को हल्के में लेने लगते हैं. आपको कभी भी किसी चीज को हल्के में नहीं लगते हैं।

ऑल फॉर्मेट के बादशाह: धोनी, कोहली, रोहित और बुमराह का धमाल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम में कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने चाहे टेस्ट हो, वनडे हो या टी20 तीनों फॉर्मेट में अपनी छाप छोड़ी है और सभी फॉर्मेट में कम से कम 50 मैच खेलने का गौरव हासिल किया है। एमएस धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे नाम हैं जो इस सूची में सबसे ऊपर रहते हैं, और अब जसप्रीत बुमराह भी इस खास क्लब में शामिल हो गए हैं। बुमराह वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने 50वें टेस्ट मैच में खेल रहे हैं, जिससे वह सभी फॉर्मेट में कम से कम 50 मैच खेलने वाले सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। जसप्रीत बुमराह वनडे में 89 और टी20 में 75 मैच खेल चुके हैं। वे अपना 50वां टेस्ट दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेल रहे है। इससे पहले, एमएस धोनी इस लिस्ट में पहले शामिल हुए थे। धोनी ने अपने

इंटरनेशनल करियर में 90 टेस्ट, 350 वनडे और 98 टी20 मैच खेले थे। उन्होंने 15 अगस्त 2020 को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन उनके योगदान को भारतीय क्रिकेट में हमेशा याद किया जाएगा।

विराट कोहली और रोहित शर्मा भी इस सूची में दिग्गजों के रूप में शामिल हैं। विराट कोहली ने 123 टेस्ट, 302 वनडे और 125 टी20 मैच खेले हैं, जबकि रोहित शर्मा ने 67 टेस्ट, 273 वनडे और 159 टी20 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया। दोनों खिलाड़ियों ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है, लेकिन वनडे फॉर्मेट में वे अब भी सक्रिय हैं। रवींद्र जडेजा और आर अश्विन की जोड़ी भी सभी फॉर्मेट में कम से कम 50 मैच खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों में शामिल है। अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है और उन्होंने 106 टेस्ट, 116 वनडे और 65 टी20 मैच खेले। वहीं जडेजा अब भी वनडे और टेस्ट में सक्रिय हैं और उन्होंने 86 टेस्ट, 204 वनडे और 74 टी20 मैच खेलकर टीम इंडिया को सेवा दी है।

केएल राहुल इस क्लब में छठे भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक 64 टेस्ट, 85 वनडे और 72 टी20 मैच खेले हैं और लगातार भारत के लिए योगदान दे रहे हैं। इस सूची से स्पष्ट है कि एमएस धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन और केएल राहुल जैसे खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट के हर फॉर्मेट में अपनी शानदार छवि बनाए हुए हैं। इनके अनुभव और प्रदर्शन ने टीम इंडिया को विश्व क्रिकेट में एक अलग पहचान दिलाई है और ये खिलाड़ी आने वाले वर्षों में भी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे।

शुभमन ने की विराट के एक रिकार्ड की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शतक लगाने के साथ ही अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही शुभमन कप्तान के तौर पर एक साल में पांच शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड केवल विराट कोहली के नाम था।

इस क्लब में सुनील गावस्कर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ भी शामिल नहीं हो पाये हैं। शुभमन ने टेस्ट कप्तान बनने के चार महीने के अंदर ही विराट के इस रिकार्ड की बराबरी की है। शुभमन के पास अब विराट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का भी अच्छा अवसर है। भारतीय टीम अगले माह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसमें अगर शुभमन एक भी शतक लगाते हैं तो वह विराट को पीछे छोड़ देंगे। शुभमन ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ 196 गेंदों पर 129 रना बनाये।

वहीं विराट ने एक कप्तान के रुप में अपने करियर में दो-दो बार एक कैलेंडर ईयर में पांच शतक का रिकार्ड बनाया है। पहले साल 2017 में विराट ने एक कैलेंडर ईयर में पांच टेस्ट शतक लगाये थे। इसके बाद साल 2018 में भी उन्होंने यही रिकार्ड दोहराया।

फॉलोऑन खेलते हुए वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 173 रन बनाये

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भी अपना शिकंजा कस दिया है। दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने फॉलोआन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में 173 रनों के अंदर ही दो विकेट गंवा दिये। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय जॉन कैम्पबेल 87 रन पर जबकि शे होप 66 रन बनाकर खेल रहे थे। इस मैच में मेहमान टीम अब भी 97 रन से पीछे है। भारतीय टीम ने पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन पर घोषित की थी। वहीं वेस्टइंडीज टीम अपनी पहली पारी में सिर्फ 248 रनों पर ही सिमट गयी थी। इससे भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 270 रन की बढ़त मिल गयी थी।

दूसरी पारी में वेस्टइंडीज टीम शुरुआती झटकों के बाद संभली। शाई होप और जॉन कैंपबेल ने भारतीय गेंदबाजों का अच्छी तरह से सामना किया।

वहीं इससे पहले स्पिनर कुलदीप यादव के पांच विकेट से भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज की पहली पारी को 248 के स्कोर पर समेट दिया। कुलदीप यादव के अलावा रवींद्र जडेजा को 3 और बुमराह-सिराज को 1-1 विकेट मिला। वेस्टइंडीज ने टी ब्रेक तक 2 विकेट खो दिए। वेस्टइंडीज ने तीसरे सत्र में अच्छा खेल दिखाया। कैम्पबेल ने अर्धशतक लगाया। यह इस सीरीज में किसी भी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज का पहला अर्धशतक था। वहीं इससे पहले भारत ने पहली पारी में यशस्वी जायसवाल 175 और शुभमन गिल के नाबाद शतक 129 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 518 रन बनाए थे।

जडेजा का लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं ले रहे और उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना है। वेस्टइंडीज़ के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में 3 विकेट लेने वाले जडेजा ने कहा, मैं 2027 विश्व कप खेलने के लिए तैयार हूं।

वहीं उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। जिसके बाद से ही कहा जा रहा था कि अब वह इस प्रारुप के लिए चयन समिति के पसंदीदा नहीं रहे। वहीं ये भी कहा गय कि अब उन्हें केवल लंबे प्रारुप में ही जगह मिलेगी। वहीं जडेजा ने इन सभी संभावनाओं को सिरे से नकार दिया है। उन्होंने कहा, यह मेरे हाथ में नहीं है कि चयनकर्ता क्या सोचते हैं। उन्होंने मुझे ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर रहने का कारण बताया था पर मेरा ध्यान इस प्रारुप पर बना हुआ है। ।जब भी अवसर मिलेगा मैं अपनी ओर से अच्छा प्रदर्शन करुंगा।

जडेजा ने यह भी कहा कि एकदिवसीय विश्वकप जीतना उनका लक्ष्य है। इससे पहले साल 2023 में टीम फाइनल में पहुंचकर भी ये खिताब नहीं जीत पायी थी। इसलिए उन्हें लगता है कि अभी कुछ अधूरा काम बाकी है। उन्होंने कहा, अगली बार जब मौका मिलेगा, मैं पूरी तैयारी के साथ उतरूंगा। पिछली बार हम थोड़ा पीछे रह गए थे, इस बार जो अधूरा रह गया, उसे पूरा करना चाहूंगा।

बिहार में सीएम चेहरे को लेकर हुए सर्वे में नीतीश खिसके, तेजस्वी बने पहली पसंद

प्रशांत ने भी लोगों में बनाई पैठ, इस बार मुकाबला त्रिकोणीय होने के चांस

पटना, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव का खुमार चढ़ रहा है। इस बार चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय होने की उम्मीद जताई जा रही है। एक तरफ नीतीश कुमार की अगुआई में सत्तारूढ़ एनडीए है तो दूसरी तरफ तेजस्वी की लीडरशिप में महागठबंधन। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी भी अपनी छाप छोड़ रही है। इन सबके बीच सी-वोटर के एक सर्वे का नतीजा सामने आया है। ये नतीजे चौंकाने वाले हैं। इसके मुताबिक एक समय में सुशासन बाबू कहलाए जाने वाले सीएम नीतीश कुमार लोकप्रियता के मामले में पिछड़ गए हैं। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव बिहार की जनता की पहली पसंद बन गए हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर प्रदेश की राजनीति में हलचल लाने वाले प्रशांत किशोर हैं, जबकि नीतीश इस मामले में तीसरे पायदान पर हैं। चिराग पासवान और सम्राट चौधरी भी इस सूची में जगह बना चुके हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के लिए पहले फेज में 6 नवंबर को मतदान होना है। इसे देखते हुए गतिविधियां अपने चरम प गहमागहमी के बीच सी-वोटर के नतीजों ने दिलचस्पी और ब है। मुख्यमंत्री पद के लिए पसंदीद को लेकर कराए गए सर्वेक्षण में वाले नतीजे सामने आए हैं। मौजूद नीतीश कुमार लोकप्रियता के इं नीचे खिसक गए हैं, जबकि तेजस्व सीएम चेहरे के लिए जनता की पसंद बन गए हैं।

इससे भी चौंकाने वाली बात यह है कि पहली बार लोकतांत्रिक चुनावी संग्राम में हिस्सा ले रहे प्रशांत किशोर ने भ लोगों के बीच अपनी गहरी पैठ बन ली है वह बिहार के लोगों की दूसरी पसंद बन गए हैं। बिहार में कानून-व्यवस्था को पटरी पर लाने का श्रेय हासिल करने वाले नीतीश इस मामले में तीसरे पायदान पर हैं। मतलब सुशासन बाबू लोकप्रियता के मामले में नीचे खिसक गए

करीब आ रहे हैं, राज्य की सियासत में गर्मी बढ़ रही है। नवीनतम ओपिनियन पोल के मुताबिक सीएम पद के लिए मतदाताओं की पहली पसंद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान को 8.8फीसदी समर्थन मिला है। यह परसेंटेज सर्वे में हिस्सा लेने वाले लोगों के आधार पर आया है।

जब मतदाताओं से पूछा गया कि बिहार की समस्याओं का समाधान कौन कर सकता है, तो 36.5 फीसदी लोगों ने महागठबंधन पर भरोसा जताया, 34.3फीसदी ने एनडीए को, जबकि 12.8फीसदी ने जन सुराज और 9.4फीसदी ने कहा कि कोई भी हल नहीं कर सकता।

बीजेपी और जनता दल (यूनाइटेड) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बिहार विधानसभा चुनाव में दोबारा सत्ता में आने की 40 फीसदी संभावना है। यह अनुमान सी-वोटर के एक जनमत सर्वेक्षण के नतीजों में सामने आया है। सर्वे के मुजाबिक राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन को सरकार बनाने की 38.3 फीसदी संभावना है। वहीं, बिहार की राजनीति में नई एंट्री करने वाले प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को 13.3 फीसदी लोगों ने अपनी पसंद के रूप में तीसरा स्थान दिया है।

शीर्ष 10 सोना उत्पादक देशों की लिस्ट जारी, चीन है नंबर-1 पर

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और बाजार में उथल-पुथल के बीच निवेशक सोने को सुरक्षित विकल्प मानकर इसमें निवेश कर रहे हैं। भारत में 10 ग्राम सोने की कीमत 1.22 लाख रुपये तक पहुंच गई है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने 2025 में दुनिया के शीर्ष 10 सोना उत्पादक देशों की लिस्ट जारी की है। सबसे पहले नंबर पर चीन है, जिसने 380.2 टन सोना उत्पादन किया। देश के शांडोंग, हेनान और जियांग्झी प्रांत इस उत्पादन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। चीन घरेलू और विदेशी सोना संपत्तियों में भारी निवेश कर रहा है और वैश्विक सोना बाजार में अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है। दूसरे नंबर पर रूस है, जिसने 330 टन सोने का उत्पादन किया। साइबेरिया और दूर पूर्व के विशाल भंडार और राजनीतिक अलगाव ने खनन पर निर्भरता बढ़ा दी है। तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया है, जहां 284 टन सोने का उत्पादन हुआ। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खदान क्षेत्रों में एडवांस टेक्नोलॉजी और स्थिर नियमों के कारण उत्पादन लगातार मजबूत रहा है। चौथे नंबर पर कनाडा है, जिसने 202.1 टन सोना उत्पादन किया। ओंटारियो, क्यूबेक और ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत यहां की प्रमुख खदानें हैं। पांचवें स्थान पर अमेरिका है, जहां 158 टन सोना निकला। नेवाडा राज्य अमेरिकी सोने का मुख्य केंद्र है और ऊंची कीमतों का लाभ अमेरिकी उत्पादकों को मिला। छठे नंबर पर अफ्रीका का सबसे बड़ा उत्पादक घाना है, जिसने 140.6 टन सोना निकाला। सरकार ने छोटे स्तर के खनन को वैध बनाने और विदेशी निवेश लाने के लिए सुधार किए हैं। सातवें नंबर पर मैक्सिको है, 140.3 टन उत्पादन के साथ, जबकि आठवें नंबर पर इंडोनेशिया है, जिसने 140.1 टन सोना निकाला। पापुआ के ग्रासबर्ग माइन ने इसमें खास योगदान दिया। नौवें नंबर पर पेरू है, जिसने 136.9 टन सोना उत्पादित किया। हालांकि राजनीतिक अस्थिरता और विरोध प्रदर्शनों ने उद्योग को झटका दिया, लेकिन सोना अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ बना हुआ है। दसवें नंबर पर उज्बेकिस्तान है, जिसने 132 टन सोना उत्पादन किया। नावोई माइनिंग जैसी सरकारी कंपनियों और विदेशी साझेदारियों से देश अपनी खनिज संपदा का फायदा उठा रहा है। वैश्विक बाजार में प्रमुख खिलाड़ियों में चीन, रूस और ऑस्ट्रेलिया का दबदबा साफ नजर आता है, जबकि भारत घरेलू मांग के बावजूद उत्पादन में शीर्ष 10 में जगह बनाने में पीछे है। फिलहाल, इस लिस्ट में भारत शामिल नहीं है।

गुजरात में नकली कोलगेट टूथपेस्ट बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी गई, 4 गिरफ्तार

कच्छ, एजेंसी। गुजरात के कच्छ ज़िले के कपुष्ठी इलाके में गोडोदर पुलिस ने रापर तालुका के चितरोड क्षेत्र में एक बड़ी नकली टूथपेस्ट फैक्ट्री पकड़ी है। इस फैक्ट्री में कोलगेट के साथ-साथ सेंसोडाइन और क्लोज़-अप जैसे मशहूर ब्रांड्स के नकली टूथपेस्ट बनाए जा रहे थे। पुलिस के छापे में लाखों रुपये मूल्य के नकली टूथपेस्ट, ट्यूब, पैकेट और लेबलिंग सामग्री जब्त की गई है। इस दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी गई है। फैक्ट्री में देखने पर उत्पाद की पैकेटिंग और लेबलिंग असली जैसी दिख रही थी, लेकिन जब सामग्री की जांच की गई तो रंग और खुशबू में भारी मिलावट सामने आई। इस नकली टूथपेस्ट में हानिकारक सामग्री होने की आशंका जताई गई है, जो उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। रेडिड जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यूजर्स ने इस घटना पर गहरी चिंता जताई है। एक यूजर ने बताया कि फैक्ट्री में सिर्फ कोलगेट ही नहीं, बल्कि अन्य बड़े ब्रांड्स के भी नकली उत्पाद बनाए जा रहे थे। कई लोगों ने उपभोक्ता सुरक्षा के लिए कड़े नियमों और जांच की मांग की है। एक यूजर ने लिखा ?कि टूथपेस्ट हर दिन इस्तेमाल होने वाली वस्तु है, इसे लेकर डर लगता है कि हम जो भरोसा करते हैं वह नकली और खतरनाक हो सकता है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और इस नकली उत्पाद की सप्लाई नेटवर्क को ढूंढ़ने में लगी है।

चुनाव आयोग ने शुरु की तैयारी-पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से लागू होगा वोटर वेरिफिकेशन

2026 में पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में होगा एसआईआर

नई दिल्ली। चुनाव आयोग देश में चरणबद्ध तरीके से मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम शुरू कर सकता है। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत उन राज्यों से हो सकती है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। आयोग उन राज्यों में मतदाता सूची संशोधन अभियान नहीं चलाएगा जहां स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं या हो रहे हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि चुनाव मशीनरी, निकाय चुनाव में व्यस्त है और इसके चलते वे एसआईआर पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएंगे।

गौरतलब है कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन पांच राज्यों के अलावा पहले चरण में कुछ अन्य राज्यों में भी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। बिहार में एसआईआर का काम पूरा हो गया है, जहां 30 सितंबर को लगभग 7.42 करोड़ नामों वाली अंतिम सूची प्रकाशित की गई थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि सभी राज्यों में मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण शुरू करने का काम चल रहा है और इसे शुरू करने पर अंतिम फैसला चुनाव आयोग द्वारा लिया जाएगा।

राज्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश

अधिकारियों के अनुसार, चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में एक सम्मेलन में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) से अगले 10 से 15 दिनों में एसआईआर शुरू करने के लिए तैयार रहने को कहा था। मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने राज्यों की मतदाता सूचियों को अंतिम एसआईआर के बाद प्रकाशित रखें। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची है, जब राष्ट्रीय राजधानी में अंतिम बार गहन पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में, अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था, और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर है। अधिकांश राज्यों में मतदाता सूची की अंतिम एसआईआर 2002 और 2004 के बीच थी। एसआईआर का प्राथमिक उद्देश्य अवैध मतदाताओं के जन्म स्थान की जांच करके उन्हें मतदाता सूची से बाहर निकालना है।

अब यूज़रनेम की मदद से भी चैट कर सकेंगे वॉटसएप के लाखों यूजर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉटसएप अब एक नया फीचर टेस्ट कर रहा है। इसके तहत यूज़र अब यूज़रनेम की मदद से भी चैट कर सकेंगे। इसका मतलब है कि आपको किसी का मोबाइल नंबर जानने की जरूरत नहीं होगी, बस उसका यूज़रनेम और 4 अंकों का कोड देना होगा। इससे आपकी प्राइवेसी सुरक्षित रहेगी और कोई अजनबी सिर्फ नाम देखकर आपको मैसेज नहीं कर पाएगा। अब तक वॉटसएप पर किसी को मैसेज भेजने के लिए मोबाइल नंबर जरूरी होता था, लेकिन अब यह नियम बदलने वाला है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह फीचर लाखों यूजर्स के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है, क्योंकि अब उन्हें हर बार नंबर सेव करने की जरूरत नहीं होगी और वे आसानी से नए लोगों से सुरक्षित तरीके से जुड़ सकेंगे। इससे न सिर्फ यूज़र का समय बचेगा, बल्कि उनकी प्राइवेसी भी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। यूज़र्स अपने पसंदीदा या यूनिक यूज़रनेम पहले से रिज़र्व कर सकेंगे। यह फीचर ट्विटर और इंस्टाग्राम की तरह काम करेगा। फिलहाल यह फीचर व्हाट्सएप बीटा यूज़र्स के लिए ही उपलब्ध है। कंपनी इसे टेस्ट कर रही है और यूज़र्स की राय जानना चाहती है। अगर सब ठीक रहा, तो यह फीचर जल्द ही सभी यूज़र्स के लिए लॉन्च किया जाएगा। इसके अलावा, व्हाट्सएप एआई फीचर्स, कॉल शेड्यूलिंग और प्राइवेसी अपडेट्स पर भी काम कर रहा है।

मप्र में 20 से ज्यादा बच्चों की जान लेने वाले कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर पश्चिम बंगाल में प्रतिबंध

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (बीसीडीए) ने राज्यभर के दवा विक्रेताओं को इस सिरप की बिक्री और खरीद तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्देश दिया है। ये वही कोल्ड्रिफ कप सिरप है जिसे बच्चों की जान का दुश्मन माना जा रहा है। मध्य प्रदेश में गुरुवार को तीन और बच्चों की मौत के बाद मरने वालों की कुल संख्या 20 पर पहुंच गई है। पांच बच्चे अब भी नागपुर में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं। जिसके बाद अब एहतियात बरतते हुए पश्चिम बंगाल में भी इस दवा की बिक्री और खरीद पर बैन लगा दिया गया है।

बंगाल राज्य औषधि नियंत्रण बोर्ड ने इन रसायनों की खरीद केवल अनुमोदित विक्रेताओं से करने और प्रमाणित प्रयोगशालाओं में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। तमिलनाडु स्थित कंपनी द्वारा निर्मित इस सिरप से जुड़ी मौतों के बाद कई राज्यों में दहशत फैल गई है। जांच में पाया गया है कि सिरप में प्रोपिलीन ग्लाइकॉल, ग्लिसरीन और सोर्बिटॉल जैसे रसायन हैं, जिनकी गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। बीसीडीए के सचिव पृथ्वी बसु ने बताया कि जिस बैच को मध्यप्रदेश की घटना से जोड़ा जा रहा है, वह पश्चिम बंगाल में नहीं पहुंचा है, लेकिन एहतियातन सभी दवा विक्रेताओं को इस ब्रांड की बिक्री रोकने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि 11 अक्तूबर को दवा विक्रेताओं के साथ बैठक बुलाई गई है, जिसमें इस सलाह को सख्ती से लागू करने पर चर्चा होगी। इससे पहले अरुणाचल प्रदेश सरकार ने कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री व उपयोग पर रोक लगा दी। अरुणाचल प्रदेश औषधि नियंत्रण ने श्रीसन फार्मास्युटिकल से निर्मित कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री, वितरण और भंडारण पर प्रतिबंध लगाने संबंधी परामर्श जारी किया है।

स्मार्ट मीटर बना 'जी' का जंजाल, बिलिंग और पारदर्शिता पर उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर के कई राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम बड़े पैमाने पर हो रहा है। इसके चलते बिजली उपभोक्ताओं में भारी चिंता और विरोध भी बढ़ गया है। विशेषज्ञ और उपभोक्ता संगठन कह रहे हैं कि स्मार्ट मीटर के कारण बिलिंग और पारदर्शिता का नियंत्रण निजी कंपनियों के हाथ में चला गया है। जहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं वहां के अधिकांश उपभोक्ताओं को अनजाने में कम बिजली खपत के बावजूद अधिक शुल्क देना पड़ रहा है।

विभिन्न राज्यों की मीडिया रिपोर्टों और उपभोक्ता शिकायतों के अनुसार, स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद कई जगहों पर बिल असामान्य रूप से बढ़ने के मामले सामने आए हैं। नैनीताल में कुछ उपयोगकर्ताओं को हजारों रुपये की बजाय लाखों रुपये के बिल थमाए जा रहे हैं। पुणे, नोएडा और मध्य प्रदेश के भोपाल सहित अन्य शहरों में भी सैकड़ों उपभोक्ताओं ने अचानक बढ़े बिलों पर विरोध जताया है। मुंबई में जबरदस्त विरोध के चलते कई क्षेत्रों में मीटर बदलने का काम रोकना पड़ गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि पारंपरिक मैकेनिकल मीटर में उपभोक्ता खुद बिजली की रीडिंग और बिलिंग की जांच कर सकते थे और गड़बड़ी होने पर शिकायत दर्ज कराकर सुधार करवा सकते थे। लेकिन स्मार्ट मीटर की रियल-टाइम कनेक्टिविटी और सर्वर-आधारित बिलिंग के कारण उपभोक्ताओं के लिए जांच करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। उपभोक्ता अब यह तय नहीं कर सकते कि बिल गलत है या सही, और स्मार्ट मीटर की रीडिंग, डेटा और बिलिंग लॉजिक का कोई स्वतंत्र ऑडिट नहीं है। ऊर्जा नीति विशेषज्ञों का कहना है कि स्मार्ट मीटर में ऑडिट और रेगुलेशन का कोई स्पष्ट नियम नहीं है। वर्तमान में निजी कंपनियों के लिए जो नियम बने हैं, उनके तहत मीटर सीधे सर्वर से जुड़े हैं, और थर्ड-पार्टी ऑडिट की कोई व्यवस्था नहीं है। इससे उपभोक्ताओं की शिकायतों और पारदर्शिता पर गंभीर असर पड़ रहा है।

स्मार्ट मीटर का लगातार हो रहा विरोध

स्मार्ट मीटर लगाने वाले क्षेत्रों में उपभोक्ता समूह लगातार विरोध कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि सॉफ्टवेयर, डेटा-हैंडलिंग और बिल निर्माण प्रक्रिया का स्वतंत्र, मानकीकृत ऑडिट तंत्र और कानूनी मॉनिटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके बिना स्मार्ट मीटर लगाना जोखिम भरा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बिजली बाजार में निजी कंपनियों की भागीदारी से टैरिफ और सेवा मॉडल में अराजकता बढ़ सकती है। 卐डायनेमिक प्राइसिंग卐 के कारण मांग बढ़ने पर कीमतें बढ़ सकती हैं, और उपभोक्ता को इसकी जानकारी पहले नहीं मिलेगी। इससे विशेष रूप से कम और मध्यम आय वाले वर्ग प्रभावित होंगे।

सरकार का कहना होगा सुधार

सरकार का कहना है कि निजी भागीदारी से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और विद्युत क्षेत्र में सुधार आएगा, लेकिन आलोचक कहते हैं कि जब तक मजबूत नियामक, उपभोक्ता संरक्षण और स्वतंत्र ऑडिट तंत्र नहीं होगा, तब तक स्मार्ट मीटर प्रक्रिया उपभोक्ताओं के लिए जोखिम भरी होगी। उपभोक्ता अधिवक्ताओं और नागरिक संगठनों ने सरकार से मांग की है कि बिजली वितरण, बिलिंग, डेटा सुरक्षा और उपभोक्ता शिकायत निवारण तंत्र को सुनिश्चित किए बिना स्मार्ट मीटर लगाने का काम बंद किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी की गई, तो इसके दुष्परिणाम कानून-व्यवस्था और सामाजिक असमानता पर भी पड़ सकते हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार का ऐतिहासिक फैसला

ग्राम पंचायतों में क्लस्टर प्रणाली खत्म, अब पंचायतें बनेंगी स्वतंत्र इकाइयाँ

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने ग्रामीण प्रशासन के ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए ग्राम पंचायतों में चल रही क्लस्टर प्रणाली को समाप्त करने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री चंद्राबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। यह कदम उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के सुझाव पर उठाया गया है, जिनका मानना है कि ग्राम पंचायतों को सशक्त और स्वायत्त बनाए बिना ग्रामीण विकास को गति नहीं दी जा सकती।

क्लस्टर प्रणाली के तहत पहले कई पंचायतों को एक साथ जोड़कर प्रशासनिक इकाई बनाई जाती थी, जिससे स्थानीय निर्णयों में देरी और जटिलता बढ़ जाती थी। अब इस व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है, और राज्य की 7,244 क्लस्टरों की जगह अब 13,351 ग्राम पंचायतें स्वतंत्र रूप से काम करेंगी। इस निर्णय के साथ ही हर ग्राम पंचायत को अपना स्वतंत्र सचिवालय, प्रशासनिक कर्मचारी और

विकास कोष मिलेगा। इससे स्थानीय जरूरतों के अनुसार निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी।

कैबिनेट ने ग्राम सचिवों के कोटा और वेतन वृद्धि को भी मंजूरी दी है। इससे न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि पंचायत स्तर पर कार्यकुशलता में भी सुधार होगा। सरकार का मानना है कि वेतन वृद्धि से स्थानीय कर्मियों की जवाबदेही और सेवा भावना दोनों मजबूत होंगी।

-चार स्तरों में पंचायत पुनर्गठन

गठबंधन सरकार ने पंचायत प्रणाली को चार स्तरों में पुनर्गठित करने का भी निर्णय लिया है —

ग्राम स्तर (स्थानीय पंचायतें)
मंडल स्तर (प्रशासनिक समन्वय)
जिला परिषद स्तर
राज्य स्तर पर पंचायत संचालन समिति

इस पुनर्गठन से शासन व्यवस्था को सरल और कुशल बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

आंध्र प्रदेश सरकार का कहना है कि यह फैसला ग्राम स्वराज्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। राज्य सरकार का उद्देश्य पंचायतों को फिर से उनके पुराने गौरव पर वापस लाना है। जहाँ स्थानीय जनता खुद अपने विकास की दिशा तय कर सके। उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि, 卐यह सिर्फ प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि ग्रामीण आत्मनिर्भरता का पुनर्जागरण है। हर पंचायत अब अपने क्षेत्र की योजना, विकास और सामाजिक पहल के लिए स्वतंत्र रूप से जिम्मेदार होगी। नई प्रणाली में पंचायतों के खर्च, योजनाओं और निर्णयों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जाएगी। इससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की उम्मीद है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह निर्णय ग्रामीण क्षेत्रों में गठबंधन सरकार की साख बढ़ाएगा। स्थानीय स्तर पर लोगों को अधिक अधिकार मिलने से प्रशासन में जनता की भागीदारी भी बढ़ेगी।

फिर शुरू हो गया एक नया विवाद

कांग्रेस नेता ने आरएसएस पर कसा तंज, कहा नामर्द लोग आरएसएस में गए प्रदेश अध्यक्ष ने अपने कंधे पर उठाया

कल्याण, एजेंसी। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले मुंबई से सटे डोंबिवली के कांग्रेस नेता प्रकाश उर्फ मामा पगारे ने फिर एक विवादित बयान दिया है। शनिवार को कल्याण में आयोजित कांग्रेस पार्टी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना की। मगर आलोचना करते हुए उनकी जुबान फिसल गई। इस वजह से फिर एक नया विवाद शुरू हो गया है। दरअसल कार्यक्रम में बोलते हुए पगारे ने कहा कि नामर्द लोग आरएसएस में गए। जब उन्होंने यह आलोचना की तब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल मौजूद थे। इस मौके पर बोलते हुए पगारे ने हिंदी में एक कविता सुनाई। उस दौरान उन्होंने कहा,

आजादी की लड़ाई में दो तरह के लोग थे
जो बहादुर थे वे जेल गए, जो कायर थे वे संघ में गए

उनकी इस तीखी आलोचना की मंच पर मौजूद कांग्रेस नेताओं ने खूब सराहना की। इससे पहले कल्याण स्थित कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में एक विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक बातें पोस्ट करने पर वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी मामा पगारे को भाजपा पदाधिकारियों ने साड़ी पहना दी थी। इस कृत्य के विरोध में कल्याण पुलिस उपायुक्त कार्यालय के सामने कांग्रेस पार्टी की ओर से धरना प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष सपकाल शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष सपकाल कांग्रेस के विरोध स्थल पर पहुंचे। उन्होंने मामा पगारे को अपने कंधों पर उठा लिया। उन्होंने उन्हें अपना कोट पहनाकर सम्मानित भी किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोबाइल फोन पर पगारे से पूछताछ की थी और पगारे ने कहा था कि वह कांग्रेस पार्टी का समर्थन करते हैं। इसके बाद सपकाल ने पगारे को अपने कंधों पर उठाया और मंच पर ले गए। सपकाल ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर जमकर निशाना साधा। लेकिन उनके भाषण से ज्यादा मामा पगारे द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आलोचना चर्चा का विषय बन गई है और इस बयान को लेकर फिर एक नया विवाद शुरू हो गया है।

ब्रिटिशकालीन आईसीएस अफसरों की बेशकीमती स्मृतिस्थल बालाघाट बर्बाद!

पुरखों की थाती और स्मृतियाँ गायब, दलाल और नेताओं का खतरनाक गठजोड़ इस कृत्य में संलिप्त

पदमेश न्यूज। बालाघाट।

कभी बालाघाट जिला अपनी अस्मिता, शांतिप्रिय माहौल और बेशकीमती धरोहरों के लिए जाना जाता था। यह पराधीनता के दिनों में ब्रिटिश सरकार द्वारा नियुक्त नए नवेले आईसीएस (यानि इंडियन सिविल सर्विस,तब के डिप्टी कमिश्नर)अफसरों के प्रशिक्षण पोस्टिंग का पहला डिस्ट्रिक्ट हुआ करता था। जहां पर देश के किसी भी भूभाग में पोस्टिंग के पहले ट्रेनिंग के लिए भेजा जाता था. यहां प्रशासन का पाठ सीखा हुआ अफसर कहीं भी
बेहतर एडमिनिस्ट्रेटर हुआ करता था।

लंदन से पोस्टिंग हासिल कर आइसीएस अफ्सर सीधे यहाँ भेजे जाते थे

यह भी किंवदंती है कि तत्कालीन नवस्थापित जिला बालाघाट नए अफसरों के लिए हनीमून पीरिएड भी हुआ करता था. इतना बेशुमार प्राकृतिक सम्पदा से परिपूर्ण था यह जिला मुख्यालय। किन्तु प्रकारान्तर से देखा जा रहा है कि आज यहाँ दलालों, नामाकूलों का लगभग हर क्षेत्र में कब्जा हो गया है है। बालाघाट जिले के निवासियों के पुरखों की सारी स्मृतियाँ, थातियों का बेशुमार और बेधड़क चीरहरण कर लिया गया है। बालाघाट शहर की पहचान के रूप में देखा जाने वाले देवीतालाब को व्यावसायिकता की अंधाधुंध लालसा बेसाख्ता लील रही है। सरकारी सम्पत्तियों को दलाल मालिकान बनकर बेच रहे हैं। मोतीतालाब का सौन्दर्ययीकरण महज रस्म अदायगी भर है। चौक-चौराहों को राजनीति और अन्य धतकर्मो में संलिप्त राजनेता अपनी तस्वीर चमकाने का साधन बना रहे हैं। बूढ़ी तालाब पर दबंगों का कब्जा है। नजूल की

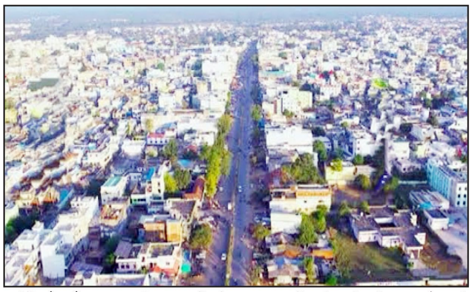

जमीनें साँठ-गाँठ कर सत्तासीन हुक्मरानों को बेची जा रही हैं। शालीनता और शांति के टापू इस शहर में गली गली यही आलम है। सभी राजनीतिक पार्टियों में यही हाल हैं और यही लोग इस शांतिप्रिय शहर पर बदनुमा दाग लगा रहे हैं।अब लगता है कि इस शहर की आबोहवा सचमुच किसी की नजर लग गयी है।

अब बालाघाट वो शहर नहीं रहा जहाँ कभी स्वामीनाथन जैसे कलेक्टर स्कूल ग्राउंड में फुटबाल खेलते बच्चों के बीच खेलने पहुँच जाते। किसी आम रिक्शे वाले को बाकायदा पैसे देकर पूरा शहर घुमाने को कहते। ताकि अपनी खुली आँखों से शहर का मिजाज का जायजा ले सकें।

आज यहाँ अपवादस्वरूप कुछ अफसरों को छोड़ दें तो कोई भी अफ्सर ईमानदारी से अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं करता है। महज अपने दायित्वों की खाना पूर्ति करते वे दिखते हैं।

कभी इस शहर की बसाहट बेमिसाल थी

बरतानिया हुकूमत ने ब्रिटिश सरकार द्वारा संचालित आईसीएस अफसरों के लिये हनीमून स्थल के रूप में था, जहाँ शस्य श्यामल वातावरण और वन्य जीवों की कलरव ध्वनियों के सिवा कुछ सुनाई नहीं देता था इतना शांत। इतना नीरव! इतना अद्धुत था बालाघाट का मिजाज और बसाहट!

प्रकृति की बेहद बेशकीमती नेमत को हमारे पुरखों ने सहेज संवार कर रखा था। बीते बरसों में इसे इसी के कुछ बाशिंदों ने लूटा है।

अपराध जिस तेजी से बढ़ रहा है वह चिन्ताजनक है. दुर्घटनायें हर चौक चौराहे पर मुंह बाए खड़ा है, किन्तु अभी भी यह शहर विकास के धुंधलके में जी रहा है।

सारे अन्य शहर नये सिरे से बसाए जा रहे हैं। प्राकृतिक वातावरण पुर्नस्थापित किया जा रहा है, वहीं यहाँ पर शहरी बाशिंदों के लिए व्यवस्थापन करने वाली स्थानीय निकाय के कानों में जूँ तक नहीं रेंग रही हैं।

फरार आरोपियों वनपाल टीकाराम हनोते और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे को शासकीय सेवा से हटाया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा क्षेत्र के सोनेवानी अभ्यारण्य क्षेत्र में रहस्यमय तरीके से हुई बाग की मौत के मामले में वन विभाग ने वनकर्मी डिप्टी रेंजर और वन आरक्षक को बर्खास्त कर दिया है। वन विभाग ने बीते दिनों आरोपी वन कर्मियों की गिरफ्तारी के लिए इनाम भी घोषित किया था। 2 महीने बीत जाने के बाद जब वन आरक्षक और डिप्टी रेंजर की गिरफ्तारी नहीं हुई तो विभाग ने दोनों ही वन कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। जिसका विभाग के द्वारा एक पत्र भी जारी कर दिया गया है। जबकि इन दोनों ही वन कर्मियों की जानकारी देने वालों को विभाग ने पांच-पांच हजार रूपये का इनाम भी घोषित किया था ।2 अगस्त को सोनेवानी अभ्यारण्य क्षेत्र में रहस्यमय तरीके से बाघ की मौत और उसे बिना प्रोटोकॉल के जला दिए जाने का मामला सामने आया था। जिसके बाद इस मामले में वनविभाग ने 6 सुरक्षा श्रमिकों को गिरफ्तार किया था। जबकि इसी मामले में, दो माह से फरार चल रहे आरोपी वनकर्मी डिप्टी रेंजर टिकाराम हनोते

और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। हालांकि दो माह से फरार चल रहे, दोनो वनकर्मियों को मामले की जांच कर रही स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स गिरफ्तार नहीं कर सकी है। वन अपराध के गंभीर प्रकरणो को सुलझाने वाली एसटीएसएफ के अब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने पर कई सवाल भी खड़े हो रहे है। हालांकि प्रक्रिया अनुसार दक्षिण सामान्य वनमंडल के वनमंडलाधिकारी अधर गुप्ता ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 और मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत सेवा से पृथक कर दिया गया है। इस मामले में जहां न्यायालय ने फरार वनकर्मियों के खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया है, वहीं न्यायिक हिरासत में बंद 6 सुरक्षा श्रमिकों हरिलाल पिता सितकुर, शिवकुमार पिता सुरपसिंह, शैलेष पिता ज्ञानसिंह, अनुज पिता मिठ्ठन, मानसिंह पिता दीपसिंह सलामे और देवसिंह पिता गनपत कुमरे की मामले में संलिप्तता की संपूर्ण जांच कर एसटीएसएफ ने परिवाद, वारासिवनी न्यायालय में पेश कर दिया है। एसटीएसएफ ने फरार वनकर्मियो में शामिल डिप्टी रेंजर टिकाराम हनोते और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे की गिरफ्तारी पर 5-5 हजार रूपए का ईनाम घोषित किया है। आम लोगों से एसटीएसएफ ने आरोपियों के बारे में कोई भी जानकारी होने पर आम लोगों से मोबाईल नंबर 7067898223, 9399185452 पर जानकारी देने कहा है।

इनु बिसेन ने बढ़ाया जिले का गौरव, बनीं 'मिस इंडिया 2025' प्रतियोगिता की रही द्वितीय उपविजेता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की प्रतिभाशाली बेटी इनु बिसेन ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित वीईसी क्वीन ऑफ मिस इंडिया 2025 प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय उपविजेता सेकंड रनर अप का खिताब अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्थित बुएना विस्टा लग्जरी विश्रामगृह में संपन्न हुई। कार्यक्रम का आयोजन वेस्ना इवेंट क्राफ्ट्स संस्था द्वारा किया गया, जिसकी संयोजिका मिस मुस्कान गैरोला हैं। प्रतियोगिता का यह द्वितीय सत्र सीजन-2 था, जिसमें देशभर से चयनित 200 से अधिक प्रतिभाशाली युवतियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता की निर्णायक मंडली में 1990 के दशक की प्रसिद्ध हिंदी फिल्म अभिनेत्री नीलम कोठारी सोनी मुख्य निर्णायक रहीं। मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए बालाघाट की इनु बिसेन ने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, भारतीय परिधान और संस्कृति की सुंदर प्रस्तुति से निर्णायकों को प्रभावित किया और यह प्रतिष्ठित उपाधि अपने नाम की। इनु बालाघाट नगर के मोती तालाब चौक निवासी स्व. रामप्रसाद बिसेन एवं स्व. छून्नू बिसेन की पुत्री हैं। प्रतियोगिता में मिली इस उपलब्धि की जानकारी इनु बिसेन ने स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मेरे माता-पिता, शिक्षकों और बालाघाट की जनता के आशीर्वाद से संभव हुई है। मैं चाहती हूं कि छोटे शहरों की बेटियां भी बड़े सपने देखने

और उन्हें पूरा करने का साहस रखें। यदि मन में लगन हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने जयपुर में हुए आयोजन के अनुभव साझा करते हुए बताया कि यह मंच केवल सौंदर्य प्रदर्शन नहीं बल्कि महिला सशक्तिकरण, आत्मविश्वास और भारतीय संस्कृति को सम्मान देने का माध्यम है। उनकी इस सफलता पर जिले के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने बधाई देते हुए कहा कि इनु बिसेन ने बालाघाट जिले का नाम पूरे देश में रोशन किया है और वे अब जिले की युवतियों के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी हैं।

जिलास्तरीय साईक्लिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाए जौहर, 27 प्रतिभागियों का चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। साईक्लिग फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार, रविवार 12 अक्टूबर को जिला साइक्लिंग एशोसिएशन ने 30 वीं सब जूनियर, सीनियर और एलिट आयु वर्ग में जिला स्तरीय साइकि्लग प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें 14, 16 और 18 आयु वर्ग के प्रतिभागियों के साथ ही 23 वर्ष से ऊपर के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। तकरीबन 20 किलोमीटर की इस साइक्लिंग प्रतियोगिता में 27 प्रतिभागियों का चयन राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया हैं। जो आगामी 8 नवंबर को जबलपुर में मध्यप्रदेश साइक्लिंग फेडरेशन की आयोजित राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। जिला साइक्लिंग संघ के सचिव मनोज उपवंशी ने बताया कि बालाघाट-गोंदिया फोरलेन पर भमोड़ी से रेंगाटोला तक एक और दो लेप प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसका समापन शाम 4 बजे किया गया। जिला साइक्लिग संघ के आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे विधायक मधु भगत ने खिलाड़ियों को पुरस्कार और ट्राफी से सम्मानित किया। यहां उन्होंने, जिले से साइक्लिंग में सबसे ज्यादा खिलाड़ियों के प्रतियोगिता में शामिल होने पर खुशी जाहिर करते हुए यहां, खिलाड़ियों के लिए वेलोड्रम नहीं होने पर चिंता जाहिर की। उन्होंने संघ और खिलाड़ियों को आश्वस्त किया कि जिला सबसे ज्यादा राष्ट्रीय खेल में जाने वाले खिलाड़ी दे रहा है, बावजूद जिले में इस खेल की उपेक्षा की जा रही। वह स्वयं, खेल मंत्री विश्वास सारंग से, प्रतिनिधि मंडल के साथ अच्छी साइकिल और नया साइकि्लग वेलोड्रम बनवाने के लिए मिलेंगे। ताकि सबसे ज्यादा खिलाड़ी देने वाले, इस जिले के खिलाड़ियों को इस खेल की सभी सुविधाएं उपलब्ध हो। इस दौरान नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, समाजसेवी विकास हजारी, रिकाब मिश्रा, टिकाराम लिल्हारे, कोच मोनिका बनोटे सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्य और प्रतिभागी मौजूद थे।

इनका किया गया चयन

14 वर्ष बालिका वर्ग में नव्या कलिहारे, नव्या पारधी, स्वाती लिल्हारे, अश्वी लिल्हारे, बालक वर्ग में रूद्र नगपुरे, आकाश भगत, सालोम नाथ, 16 वर्ष बालिका वर्ग में गौरा उइके, साहिना बाक्टे, वंदना, राशी, बालक वर्ग में कीर्ति सहारे, प्रफुल्ल पांचे, मोहित पांचे, सौरभ रनगिरे, प्रफुल्ल बिसेन, 18 वर्ष बालिका वर्ग में मोहिनी लिल्हारे, तानेश्वरी माहुले, इमांशी मर्सकोले, मिनाक्षी मानेश्वर, बालक वर्ग में निखिल राणा, सुमित मानेश्वर, राजकुमार राहंगडाले, राहुल पिछोड़े तथा 23 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग में भूपेन्द्र, जय ठाकरे, विशाल पटले, आशीष रनगिरे और नमन का चयन किया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

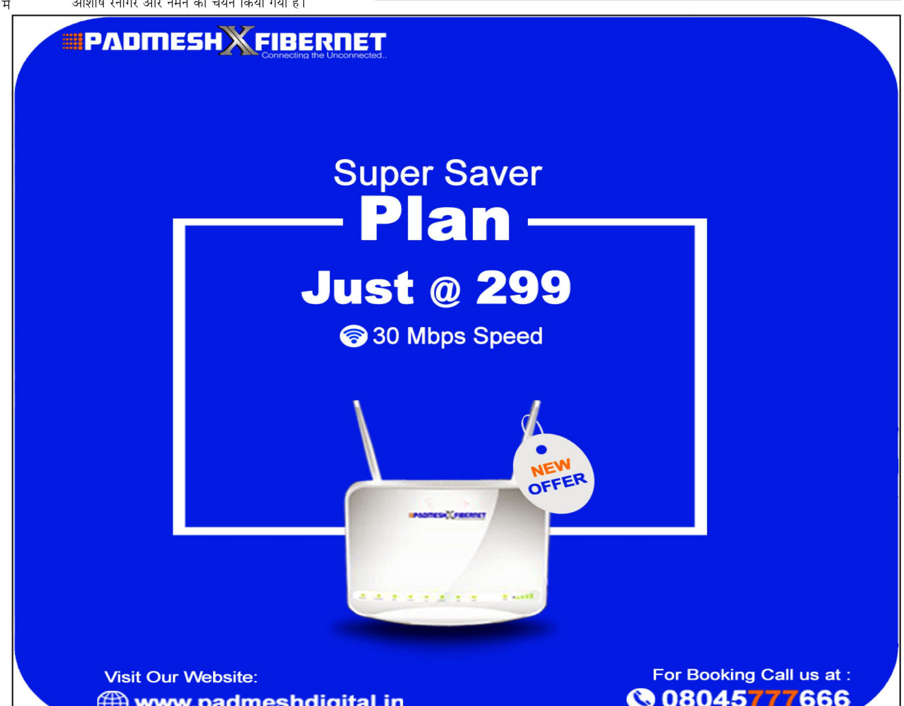

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, प्रधान संपादक - उमेश बागरेचा, मो.नं. - 9425138710, स्थानीय संपादक - विपिन बिहारी शांडिल्य, रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट